सत्यमेव जयते

भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2016-17

भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

का

निष्कर्ष बजट

2016-17

	विषय-सूची	
अध्याय सं.	**विषय**	**पृष्ठ सं.**
	निष्पादन सारांश	I-II
I.	**प्रस्तावना**	1-5
	1. कार्य	1
	2. संगठन	1-2
	3. सरकारी क्षेत्र के उपक्रम	2-5
	4. लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास	5
II.	**निष्कर्ष बजट (2016-2017)-प्रमुख स्कीम**	6-28
	1. सरकारी बजटीय सहायता के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं/ स्कीम के संबंध में सामान्य बचत/ लौटाई गई अप्रयुक्त निधि	28
III.	**सुधार उपाय और नीतिगत पहल**	29-42
	1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण	29-32
	2. इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल	32-41
	3. नई राष्ट्रीय इस्पात नीति	41-42
IV.	**वर्ष 2015-16 और 2014-15 की पिछली स्कीम के निष्पादन की समीक्षा**	43-90
V.	**वित्तीय समीक्षा**	91-98
	1. वर्ष 2016-2017 में निधि की कुल आवश्यकता	91
	2. वास्तविक व्यय - 2013-14 से 2015-16	91
	3. गैर-योजना व्यय	92
	4. योजना व्यय	93
	5. आर एंड डी स्कीम का सार	93
	6. वर्ष 2016-17 (बजट अनुमान) के वार्षिक योजना परिव्यय	94-96
	7. 12वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता का वर्ष-वार विश्लेषण	96-97
	8. वर्ष 2015-16 के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय	97-98
	9. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति	98

निष्पादन सारांश

इस्पात मंत्रालय का निष्कर्ष बजट मंत्रालय की विशिष्ट भूमिका और उद्देश्यों, इसके कार्यक्रमों, परियोजनाओं, उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शुरू की गई स्कीमों और गतिविधियों तथा इस्पात मंत्रालय और मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के निष्कर्ष पर प्रकाश डालता है। इस दस्तावेज में पिछले वर्षों के लिए वास्तविक और वित्तीय लक्ष्यों, उपलब्धियों और चालू वर्ष 2016-2017 के लिए अनुमानों का विवरण भी दिया गया है।

अध्याय-I में इस्पात मंत्रालय के संगठनात्मक ढांचे और उद्देश्यों, कार्यक्रमों के वर्गीकरण और इनसे सम्बद्ध कार्यान्वयन एजेंसियों की संक्षिप्त जानकारी दी गई है।

अध्याय-II में मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख स्कीमों और परियोजनाओं के संबंध में परिव्यय तथा निष्कर्षों/लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। चूंकि, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की स्कीमों और परियोजनाओं की संख्या बहुत अधिक हैं तथा प्रकृति में भिन्न-भिन्न हैं और अधिकांशत: उनके दिन-प्रतिदिन के प्रचालनों से संबंधित हैं, अत: 50 करोड़ रूपए और इससे अधिक अनुमानित/मंजूर लागत वाली केवल प्रमुख स्कीमों को ही इस विवरण में शामिल किया गया है। वर्ष 2016-2017 के लिए ऐसी 44 प्रमुख योजनाओं को निष्कर्ष बजट विवरण में शामिल किया गया है। 44 योजना स्कीमों में से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (15 स्कीमें), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (21), मॉयल लिमिटेड (03), नेशनल मिनिरलस् डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (एनएमडीसी लिमिटेड) (04) का क्रियान्वयन चल रहा है। इन स्कीमों पर होने वाला पूरा व्यय संबंधित उपक्रमों के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आई एंड ईबीआर) से पूरा किया जाएगा तथा शेष 01 स्कीम लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए है, जिसे योजना बजटीय सहायता से कार्यान्वित किया जाएगा। इन 44 प्रमुख योजनाओं के संबंध में अनुमानित/मंजूर लागत, वर्ष 2016-2017 के लिए परिव्यय, प्रक्रियाओं/टाइमलाइन्स, जोखिम घटकों, अनुमानित वास्तविक उत्पादन तथा अनुमानित निष्कर्ष इस विवरण में दिए गए हैं।

अध्याय-III में इस्पात मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों और नीतिपरक पहलों का विवरण दिया गया है। इस अध्याय में सरकार घरेलू भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग के विकास के लिए उदारीकरण के बाद किए गए महत्वपूर्ण नीतिपरक उपायों का ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई एक महत्वूपर्ण नीतिपरक पहल राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 की घोषणा है। वर्ष 2025 तक इस्पात के 300 एमटीपीए उत्पादन लक्ष्य की प्राप्ति हेतु इस्पात उद्योग के विकास के लिए विद्यमान राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 के स्थान पर नई राष्ट्रीय इस्पात नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। राष्ट्रीय इस्पात नीति का दीर्घकालिक लक्ष्य घरेलू इस्पात उद्योग को विविधीकृत इस्पात मांग को पूरा करने वाला विश्वस्तरीय मानकों का आधुनिक और क्षमतावान इस्पात उद्योग बनाना है। इस नीति में न केवल लागत, गुणवत्ता तथा

उत्पाद मिश्र की दृष्टि से अपितु दक्षता तथा उत्पादकता के वैश्विक मानकों की दृष्टि से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने पर जोर दिया गया है। इस अध्याय में उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है, जिनके संबंध में भारत को लोहा और इस्पात क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए सहायक उपाय किए जाने/नीतियां बनाए जाने की जरूरत है।

अध्याय-IV में इस्पात मंत्रालय की योजना गत स्कीमों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की 50 करोड़ अथवा इससे अधिक की अनुमानित/स्वीकृत लागत वाली बड़ी स्कीमों और परियोजनाओं की विगत निष्पादन की समीक्षा दी गई है, जिसके तहत वर्ष 2014-15 और वर्ष 2015-16 के निष्कर्ष बजट में प्रक्षेपित निष्कर्ष/ लक्ष्य दिये गये है। निष्कर्ष बजट 2015-16 में शामिल 40 बड़ी योजनागत स्कीमों और वर्ष 2014-15 में शामिल 39 स्कीमों के संबंध में निर्दिष्ट निष्कर्षों की तुलना में वास्तविक उपलब्धि उजागर की गई है।

अध्याय-V में इस्पात मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/संगठनों के वित्तीय परिव्यय तथा वित्तीय आवश्यकताओं का ब्यौरा दिया गया है। बजट अनुमान (बीई) 2015-16 में 88.13 करोड़ रूपए तथा संशोधित अनुमान (आरई) 2015-16 में 38.48 करोड़ रूपए के बजटीय प्रावधान (कुल) की तुलना में बजट अनुमान 2016-2017 में इस्पात मंत्रालय के लिए मांग संख्या-86 के तहत 85.62 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान (बीई) 2016-17 में 12323.53 करोड़ रूपए (आई एंड ईबीआर: 12308.53 करोड़ रूपए तथा योजना सकल बजटीय सहायता: 15.00 करोड़ रूपये) का प्रावधान किया गया है। बजट अनुमान/संशोधित अनुमान 2015-16 की तुलना में व्यय के समग्र रुख तथा वित्तीय वर्ष 2016-17 के बजट अनुमान इस अध्याय में दर्शाए गए हैं।

अध्याय - I

प्रस्तावना

1. कार्य

इस्पात मंत्रालय के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:-

क) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में इस्पात संयंत्रों और इस्पात प्रोसेसिंग सुविधाओं यथा – री-रोलिंग उद्योग और फेरो एलाय की आयोजना, विकास और उनकी स्थापना को सुगम बनाना।

ख) लोहा और इस्पात तथा फेरो एलाय का उत्पादन, वितरण, कीमत, आयात और निर्यात

ग) सार्वजनिक क्षेत्र में लौह अयस्क की खानों और मैंगनीज अयस्क, क्रोम अयस्क, लाइमस्टोन जैसे अन्य अयस्क खानों और लोहा एवं इस्पात उद्योग में उपयोग होने वाले अन्य खनिजों का विकास (लेकिन खदान पट्टे या इससे जुड़े अन्य मामलों को छोड़कर)

घ) देश में इस्पात के सभी उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच बातचीत के लिए एक मंच उपलब्ध कराना

ङ) इस्पात उद्योग द्वारा जरूरी बुनियादी ढ़ांचा और अन्य संबंधित सुविधाओं की पहचान

च) 8 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), उनकी सहायक इकाइयों तथा इंटरनेशनल कोल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (आईसीवीएल) के नाम से ज्ञात एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (संयुक्त उद्यम कंपनी) के निष्पादन की निगरानी करना।

इस्पात मंत्रालय - इस्पात उद्योग के विकास के लिए सुविधादाता

इस्पात मंत्रालय से भारत में इस्पात क्षेत्र के सुव्यवस्थित एवं एकीकृत उत्थान के लिए निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। इस्पात एक महत्वपूर्ण क्षेत्र होने के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के स्तर को प्राप्त करने के लिए इस्पात क्षेत्र का सतत् उत्थान पूर्वापेक्षित है। इस्पात उद्योग का अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ अग्रगामी एवं पश्चगामी सम्बन्ध हैं और इसलिए इसकी अपनी स्वयं की विकास पद्धति अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों विशेषकर अवसंरचना विकास, रियल एस्टेट्स, ऑटो मोबाइल/ऑटो कम्पोनेंट्स इत्यादि से प्रभावित होती है। घरेलू इस्पात क्षेत्र जिस माहौल में काम करता है, उसके लिए इस्पात मंत्रालय से एक प्रोत्साहक की भूमिका विशेषतया एक सुविधादाता के रूप मे भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है, ताकि कच्चे माल की उपलब्धता, अवसंरचना विकास जैसी अड़चनों को दूर किया जा सके और उपयुक्त नीति बनाने तथा उनका क्रियान्वयन करने के लिए सरकार के अन्य संबंधित मंत्रालयों और विभागों से विचार-विमर्श किया जा सके।

2. संगठन

इस्पात मंत्रालय का नेतृत्व केन्द्रीय इस्पात मंत्री और इस्पात राज्य मंत्री द्वारा किया जाता है। इनकी सहायता के लिए एक सचिव, भारत सरकार, एक अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, चार संयुक्त सचिव, एक आर्थिक सलाहकार, एक मुख्य लेखा नियंत्रक, पांच निदेशक, दो उप सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं। लोहा और इस्पात उद्योग से संबंधित तकनीकी मामलों को देखने के लिए अलग से एक तकनीकी स्कंध है।

क्षेत्र के नियंत्रणमुक्त बनने से पहले इस्पात मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय नामत :विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय (डीसीआई एण्ड एस) था, जो कोलकाता में स्थित था। व्यय सुधार आयोग की सिफारिशों के आधार पर डीसीआई एण्ड एस के चारों क्षेत्रीय कार्यालयों को दिनांक 23.5.2003 से बंद करने का प्रशासनिक निर्णय लिया गया था।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कोई सांविधिक अथवा स्वायत्त निकाय नहीं है।

3. **सरकारी क्षेत्र के उपक्रम**

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सरकारी क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्रम हैं:-

(i) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), नई दिल्ली
(ii) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल), विशाखापट्टनम
(iii) एन एम डी सी लिमिटेड, हैदराबाद
(iv) मॉयल लिमिटेड, नागपुर
(v) केआईओसीएल लिमिटेड, बेंगलुरु
(vi) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, (एच एस सी एल), कोलकाता
(vii) मेकॉन लिमिटेड, रांची
(viii) एम एस टी सी लिमिटेड, कोलकाता

(I) **स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** (इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में पंजीकृत कार्यालय) के समग्र नियंत्रणाधीन निम्नलिखित इकाइयां हैं:-

(क) बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो (झारखंड)
(ख) भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई (छत्तीसगढ़)
(ग) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(घ) राउरकेला इस्पात संयंत्र, राउरकेला (उड़ीसा)
(ङ) एलॉय स्टील्स प्लांट, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)
(च) सेलम इस्पात संयंत्र, सेलम (तमिलनाडु)
(छ) इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर
(ज) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती (कर्नाटक)
(झ) केन्द्रीय विपणन संगठन, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(ञ) लोहा और इस्पात संबंधी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, रांची (झारखंड)
(ट) कच्चा माल प्रभाग, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
(ठ) इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र, रांची (झारखंड)
(ड) निगमित कार्यालय, नई दिल्ली
(ढ) सेल रिफ्रेक्टरी यूनिट, और
(ण) पूर्व महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मैल्टस लिमिटेड

इसके अतिरिक्त, सेल ने मैसर्स बर्न स्टेंडर्ड कम्पनी लिमिटेड की सेलम रिफ्रेक्टरी यूनिट को मिलाने के लिए एक नई सहायक कम्पनी नामत: सेल रिफ्रैक्टरीज कम्पनी लिमिटेड (एसआरसीएल) निगमित की है।

सेल अपनी हॉट मेटल उत्पादन क्षमता को अपनी विस्तार एवं आधुनिकीकरण के वर्तमान चरण-1 के अंतर्गत 13.82 मिलियिन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 23.46 मिलियन टन तक बढ़ा रहा है, जिसके वित्तीय

वर्ष 2016-17 में पूरा होने की आशा है। इसने अपनी क्षमता को वर्ष 2025 तक और आगे 50 मिलियन टन तक बढ़ाने की योजना बनाई है।

(II) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर आई एन एल) (पंजीकृत कार्यालय "ए" ब्लॉक, विशाखापट्टणम 530031 में है) भारत में स्थापित प्रथम तटीय आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। कंपनी के 3.0 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तरल इस्पात क्षमता वाले इस तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र को वर्ष 1992 में चालू किया गया था। इसे स्टेट आफ आर्ट टैक्नोलोजी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। इसमें विस्तृत विद्युत बचत तथा प्रदूषण नियंत्रण उपाय शामिल हैं। कंपनी ने 3.0 मिलियन टन से 6.3 मिलियन टन तरल इस्पात उत्पादन करने के विस्तार संबंधी प्रथम चरण को पूरा कर लिया है। परियोजना की समस्त लागत को आंतरिक संसाधनों और ऋणों से पूरा किया गया है।

सरकार के अनुमोदन के अनुसार, पूर्व बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के अधीन तीन प्रचालनरत कम्पनियां नामश: ईस्टर्न इनवेस्टमेंटस लिमिटेड (ईआईएल),(आर आई एन एल की अनुषंगी) बिसरा स्टोन लाईम कम्पनी लिमिटेड (बीएसएलसी) और उड़ीसा मिनिरल डेवलेपमेंट कम्पनी (ओएमडीसी) (ईआईएल की अनुषंगी) (दिनांक 19.03.2010 से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बन गये है तथा ये अब आरआईएनएल की सहायक कम्पनियां है।

(III) **एनएमडीसी लिमिटेड: (**पंजीकृत कार्यालय खनिज भवन, मासाब टैंक , हैदराबाद – 500028 में है) कंपनी की स्थापना एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के रूप में 15 नवंबर, 1958 को हुई थी और यह देश में लौह अयस्क और हीरों का उत्पादन करने वाला एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है तथा कंपनी डोलोमाइट, चूना पत्थर, मैग्नेसाइट, आदि जैसे अन्य विभिन्न खनिजों की खोज, उनके विकास और उनके दोहन के कार्य में लगी हुई है। एनएमडीसी बड़ी यांत्रिकीकृत लौह अयस्क खानों के रूप में बैलाडिला लौह अयस्क खान, किरनदुल परिसर में डिपॉजिट-14 और डिपॉजिट-11सी खानों का प्रचालन कर रही है, छत्तीसगढ़ राज्य के बछेली कॉम्प्लेक्स में डिपॉजिट-5, डिपॉजिट-10 एवं 11ए का प्रचालन कर रही हैं और कर्नाटक में दोणीमल्लै लौह अयस्क खान का प्रचालन कर रही है। एनएमडीसी के पास पन्ना, मध्य प्रदेश में भारत की एक मात्र यांत्रिकीकृत हीरे की खान है। लौह अयस्क की मांग की पूर्ति के लिए एनएमडीसी बड़े पैमाने पर अपना विस्तार करने पर विचार कर रही है। कर्नाटक में किरनदुल, बैलाडिला स्थित डिपॉजिट-11बी खान और दोणीमल्लै में कुमारास्वामी खान परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

वित्तीय वर्ष 2015 में एनएमडीसी का कुल लौह अयस्क उत्पादन 30.44 एमटी था। एनएमडीसी ने वर्ष 2018-19 तक 75 एमटीपीए और वर्ष 2021-22 तक 100 एमटीपीए उत्पादन की योजनाएं बनाई हैं। कंपनी विद्यमान खानों से लगभग 78 एमटीपीए का उत्पादन कर सकती है और कंपनी को 100 एमटीपीए तक अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए नए खानों को अर्जित करने की आवश्यकता है।

एनएमडीसी ने कर्नाटक में विंड मिल की स्थापना करके नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपने कार्यो का विस्तार किया है और कंपनी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी संभावनायें तलाश रही है। कम्पनी ने कोयला, रॉक फास्फेट, लाईम स्टोन, गोल्ड और डायमण्ड के क्षेत्र में होरिजेंटल इंटीग्रेशन के जरिये अपने व्यापार का विस्तार करने की योजना बनाई है।

कंपनी की पर्थ, आस्ट्रेलिया स्थित लिगेसी आयरन लिमिटेड, जो कि एएसएक्स सूची बद्ध एक कंपनी है, में 78.56 प्रतिशत की शेयर धारिता है। लिगेसी की पश्चिमी आस्ट्रेलिया में हावथोर्न रिसोर्सेज लिमिटेड की माउण्ट बेवन लोह अयस्क परियोजना में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

(IV) मॉयल लिमिटेड: कंपनी वर्ष 1962 मे बनाई गई थी (पंजीकृत कार्यालय, मॉयल भवन, 1 ए, काटोल रोड, नागपुर-440013)। यह उच्च ग्रेड के मैंगनीज अयस्क का उत्पादक करने वाली सबसे बडी कंपनी है, जो कि इस्पात विनिर्माण हेतु अनिवार्य आदान सामग्री फैरो अलॉय के निर्माण के लिए एक आधारभूत सामग्री है। उच्च ग्रेड के मैगनीज और डाई आक्साईड अयस्क के संबंध में घरेलू मांग में वृद्धि को देखते हुए कंपनी ने अपने खानों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए अपने खानों की संख्या बढ़ाने के लिए तथा वर्ष 2020-21 तक उत्पादन क्षमता को 1.1 मिलियन टन से बढ़ाकर 2.0 मिलियन टन तक बढाने के लिए विविध पूँजीगत स्कीमों को आरम्भ किया है। व्यापार की मात्रा और लाभप्रदता बढाने के लिए मॉयल ने 90 के दशक के दौरान मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में अपने कार्यकलापों का विस्तार किया है। विविधीकरण के एक भाग के रूप में कंपनी ने वर्ष 1991 में इलेक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाइऑक्साइड के विनिर्माण के लिए एक परियोजना स्थापित की थी और वर्ष 1998 के दौरान मध्य प्रदेश के बालाघाट में 10000 एमटी क्षमता का एक फैरो मैंगनीज संयंत्र स्थापित किया था। इसके अलावा, कंपनी के पास मध्य प्रदेश में नागदा हिल्स में 20 मेगावाट क्षमता की विंड पावर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन यूनिट भी है।

कंपनी के प्रचालन में विस्तार को मद्देनजर रखते हुए मॉयल ने प्रमुखत: इन कंपनियों में फैरो मिश्र की आवश्यकता को पूरा करने के लिए फैरो मिश्र उत्पादन की यूनिट की स्थापना हेतु सेल और आरआईएनएल के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित किए हैं। प्रारम्भिक अनुमानों के मुताविक इस परियोजना की कुल लागत लगभग 600 करोड़ रूपये है और मॉयल की निवेश हिस्सेदारी अनुमानत: लगभग 150 करोड़ रूपये होगी। फैरो मिश्र उत्पादन के लिए आवश्यक घटक विद्युत की लागत में वृद्धि के मद्देनजर सस्ती दरों में विद्युत प्राप्त करने की सम्भावनाओं का पता लगाया जा रहा है, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में आगे बढ़ा जा सकें।

(V) केआईओसीएल लिमिटेड : (पंजीकृत कार्यालय, 11 ब्लॉक, कोरमंगला, बंगलौर-560034 में है) कुद्रेमुख में खनन कार्यो के साथ 100% निर्यातोन्मुख यूनिट (ईओयू) के रूप में पूर्ण रूप से सरकारी कम्पनी के रूप में वर्ष 1976 में स्थापित की गई थी। वर्ष 1980 में, 7.50 एमटीपीए लौह अयस्क की क्षमता के साथ कुद्रेमुख में एक बेनिफिसिएशन प्लाँट स्थापित किया गया था। वर्ष 1987 मे, 3 एमटीपीए क्षमता के साथ मंगलोर में एक पेलेट प्लाँट स्थापित किया गया था और बाद में इसकी क्षमता बढ़ाकर 3.5 एमटीपीए कर दी गई थी। वर्ष 2001 में एक संयुक्त उद्यम नामत: केआईएससीओ के अधीन मंगलोर में पिग ऑयरन प्लांट स्थापित किया गया था जिसका अब 01.04.2007 से केआईओसीएल के साथ विलय हो गया है। आर्थिक दृष्टि से अव्यावहारिक स्थितियों के कारण दिनांक 5.8.2009 से ब्लास्ट फर्नेस का प्रचालन बंद था। माननीय उच्चतम न्यायलय के निर्णय के अनुसार केआईओसीएल लि० की खनन गतिविधि 1.1.2006 से बंद हो गई। इस समय केआईओसीएल मुख्यत: मंगलौर स्थित अपने पैलेट प्लांट का संचालन बाजार से लौह अयस्क लेकर कर रहा है।

(VI) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) : (पंजीकृत कार्यालय 5/1 कमिशरियट रोड, होस्टिंग -700022 में है) हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन वर्ष 1964 में स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र की एक बड़ी निर्माण एजेन्सी है। इसे निगमित करने का उद्देश्य देश में एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापना के लिए स्वदेशी क्षमता सृजित करना है। इस संगठन ने सक्षम मानव संसाधनों को एकत्र करके और विकसित निर्माण उपस्करों का बेड़ा जुटा कर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया है। तब से कंपनी लगातार प्रगति हासिल करती रही है और बाद के वर्षों में एचएससीएल ने भारत में लगभग प्रत्येक बड़े इस्पात संयंत्र की स्थापना में वृहत योगदान दिया है। ग्रामीण सड़कों के निर्माण में कंपनी ने पीएमजीएसवाई के तहत त्रिपुरा उत्तर पूर्व राज्य में भारत सरकार के भारत निर्माण कार्यक्रम में भी भागीदारी की है। वहां एचएससीएल डीपीआर तैयार करने से लेकर निर्माण

पश्चात् पांच वर्षों के लिए सड़कों के अनुरक्षण की जिम्मेदारी के साथ एक परियोजना क्रियान्वयन यूनिट के रूप में कार्य करता रहा है।

(VII) मेकॉन लिमिटेड : (जिसका पंजीकृत कार्यालय मेकॉन बिल्डिंग, पो.ओ. हीनू, रॉची-834002 में स्थापित है) देश में पहला परामर्शी और इंजीनियरी संगठन है जिसे आई एस ओ : 9001-2008 मान्यता प्राप्त है तथा जो वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट, अफ्रीकन डेवलपमेंट बैंक (एएफडीबी) तथा यूनाइटेड नेशन्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन में पंजीकृत है। यह कंपनी मेटल, विद्युत, तेल एवं गैस और अवसंरचना के क्षेत्र में अग्रणी बहुविधिक डिजाइन, इंजीनियरिंग, परामर्शी और ठेका संगठन हैं। कंपनी का उद्देश्य अवधारणा से लेकर कमीशनिंग करने तक तकनीकी परामर्श-डिजाइन एवं इंजीनियरी, संयंत्र की डिजाइन एवं आपूर्ति, उपस्कर एवं प्रणालियां प्रदान करना और नए औद्योगिक कंपनियों का क्रियान्वयन करना है।

वर्तमान में मेकॉन सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में भारत की लगभग सभी बड़ी स्टील परियोजनाओं में शामिल है। कंपनी विद्युत, तेल एवं गैस और अवसंरचना के विविध क्षेत्रों में संलग्न हैं तथा साथ ही सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के तहत बड़े कार्यों में संलिप्त है।

मेकॉन ने भारत के साथ मिलकर इंडोनेशिया, कतार, साउदी अरब, ओमान, यूएई, वियतनाम, अमेरिका इत्यादि विभिन्न देशों में लगभग 130 परियोजनाओं में गुणवत्ता डिजाइन और इंजीनियरी एवं परामर्शी सेवाएं प्रदान करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अपने पंख फैलाए हैं।

(VIII) एम एस टी सी लिमिटेड : (पंजीकृत कार्यालय, 225 सी, एजेसी बोस रोड, कोलकाता-700020) इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है। यह भारत सरकार का एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है। पहले यह लघु इस्पात संयंत्रों को वितरण के लिए कार्बन इस्पात गलन स्क्रैप का आयात करने वाली माध्यम एजेंसी के रूप में नामित थी । इसका मुख्यालय कोलकात्ता में स्थित है। इस कंपनी का माध्यम एजेंसी का स्वरूप फरवरी, 1992 से समाप्त हो गया। अब यह अन्य निजी व्यावसायिक कंपनियों की तरह पूर्णत: स्वतंत्र एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम कर रही है। कंपनी ट्रेडिंग कार्यकलाप, ई-कॉमर्स, लौह एवं अलौह स्क्रैप और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और रक्षा मंत्रालय सहित सरकारी विभागों में उत्पन्न होने वाले अधिशेष भंडारों का निपटान कार्य देखती है। एमएसटीसी फैरो स्क्रैप निगम लि. (एफएसएनएल) की धारक कंपनी है जिसके 100% प्रदत्त इक्विटी हिस्सा एमएसटीसी द्वारा धारित है।

4. <u>लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास</u> (आरएंडडी)

भारतीय इस्पात क्षेत्र में आरएंडी मुख्य रूप से बड़े इस्पात संयंत्रों तथा आरएंडडी प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किए जाते हैं। इस्पात कंपनियों यथा सेल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, और एस्सार स्टील ने कच्चे माल के बेनिफिसिएशन, एग्लोमरेशन और उत्पाद विकास के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण कार्यों को संपादित किया है। तथापि, अधिक कार्यनिष्पादन वाले इस्पात उत्पादों का घरेलू विकास करना एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, जिसका सामना भारत का इस्पात उद्योग कर रहा है। भारत में बड़ी इस्पात कंपनियों द्वारा आर एण्ड डी पर खर्च कंपनी दर कंपनी भिन्न-भिन्न होता है जोकि उनकी बिक्री टर्न ओवर का 0.05 प्रतिशत-0.5 प्रतिशत तक है और यह अंतर्राष्ट्रीय मानकों से काफी कम है । इस्पात मंत्रालय (i) इस्पात विकास निधि (ii) योजना निधि (सरकारी बजटीय सहायता) से वित्तीय सहायता प्रदान करके इस्पात उद्योगो के आर एण्ड डी प्रयासों/ निवेशों में सहायता कर रहा है।

******

अध्याय-II

प्रमुख स्कीमों का वर्ष 2016-2017 के लिए निष्कर्ष बजट

कार्यक्रमों के अवधारणात्मक, रूपांकन और कार्यान्वियन को निष्कर्षोन्मुखी बनाकर विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2005-06 में निष्कर्ष बजट की अवधारणा शुरू की गई थी। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि परिव्यय अनिवार्य रूप से निष्कर्ष नहीं होतें। निष्कर्ष बजट का अभिप्राय न केवल मध्यवर्ती वास्तविक उत्पादन, जिसे अधिक तात्कालिक ढंग से मापा जा सकता है, को ट्रैक करना है, बल्कि सरकार के हस्तक्षेप के अन्तिम उद्देश्य का निष्कर्ष है। इसके लिए सुदृढ़ परियोजना/कार्यक्रम बनाने, मूल्यांकन क्षमताओं के साथ-साथ प्रभावी सुपुर्दगी प्रणालियों की आवश्यकता होती है। सम्पूर्ण कार्रवाई को मानिटर करने, योग्य बनाकर सुपुर्दगी की यूनिट लागत की बेंच-मार्किंग सहित निष्कर्ष विकास को मापने योग्य परिभाषित करना है। इसके लिए भौतिक परिसंपतियों के बेहतर उपयोग की आवश्यकता है और प्रभावी मानीटरिंग सहित परियोजना प्रबंधन और कार्यक्रम कार्यान्वियन में सुधार करने के लिए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसलिए, निष्कर्ष बजट सभी प्रमुख कार्यक्रमों के विकास निष्कर्ष को मापने के लिए तंत्र तैयार करने का एक प्रयास है।

11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित घरेलू लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शामिल किया गया है। इसे 12वीं पचवर्षीय योजना में शामिल किया गया है जिसके लिए 200 करोड़ रूपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इस स्कीम के तहत कुल 10 (दस) आर एण्ड डी परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। 12वीं पचवर्षीय योजना के दौरान दिसम्बर, 2015 तक इस स्कीम के अधीन कुल 43.47 करोड़ रूपये की संचित धनराशि जारी की गई है। बजट अनुमान 2016-17, जो 12वीं पचवर्षीय योजना (2012-17) का पांचवा वर्ष है, में स्कीम हेतु 15.00 करोड रुपये निर्धारित किए गए हैं।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालनों के क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न योजनाएं/कार्यक्रम बनाते हैं और कार्यान्वित करते हैं। सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की स्कीमें उनकी वार्षिक योजना अथवा दीर्घकालीन योजनाओं की घटक होती हैं। चूंकि, प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई स्कीमें हैं, जो कि अधिकांशत: कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और कंपनी के प्रचालनों से जुड़े एमओयू से संबंधित हैं, इसलिए निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी स्कीमों को शामिल करना मुश्किल होगा। इसलिए, यह विचार किया गया था कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक लागत की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख परियोजनाओं को ही शामिल किया जाए, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

परिव्यय और निष्कर्ष/लक्ष्यों का विवरण (2016-17)

(50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें)

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
क	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**										
1.	**<u>स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)</u>**										
(1)	**भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)**										
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोक की मांग में कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस के संतुलन को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	332.65	--	--	27.00	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा	अगस्त, 2014	फरवरी, 2016 (जून, 2015 से संशोधित)	देरी मुख्यतया निम्नलिखित कारणों से मेकॉन (बैटरी प्रापर के ठेकेदार) द्वारा की गई देरी के कारण हुई है: • डिजाइन इंजीनियरी में प्रारंभिक देरी जिससे बैटरी प्रापर के समग्र कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। • जनशक्ति की अपर्याप्त तैनाती जिससे कई फ्रन्टों पर सामान्तर कार्य नहीं हो पाया। • स्थान पर महत्वपूर्ण वस्तुओं की समय पर उपलब्धता न होना जिसके कारण काम रूक-रूक कर हुआ। • सामग्रियों के आर्डर और उप ठेकेदारों को कार्य देने में असामान्य विलम्ब। • रिफ्रैक्ट्री की सप्लाई में देरी से भी प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
(ii)	बीएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना; निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात	17266.00	--	--	1388.17	तप्त धातु की क्षमता 4.08 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	एक बार सुविधा की कमीशनिंग होने के बाद समग्र उत्पादन क्षमता बढ़कर 2.7 एमटीपीए हो जाएगी।	मार्च, **13**	अक्तूबर, **2016** एक कंवर्टर और 3 कास्टर (सितम्बर, **2015** से संशोधित)	एसएमएस - ।।। पैकेज प्रभावित हुआ क्योंकि कार्य की धीमी प्रगति के कारण मैसर्स रत्ना इन्फ्रा के साथ सिविल कार्य पैकेज के लिए किए गए प्रारंभिक संविदा को समाप्त करना पड़ा और फरवरी, 11 में मैसर्स रत्ना इन्फ्रा की जोखिम एवं लागत पर मैसर्स एचएससीएल को नया संविदा दिया गया। इसके बाद खराब

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		उत्पादन को बढ़ाकर सेमिज को घटाना; उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदता के लिए उत्पाद मिश्र को बढ़ाना एवं मूल्यवर्धन करना; भारतीय रेलवे की अपेक्षओं को पूरा करना।									प्रगति के कारण मैसर्स एचएससीएल की संविदा को भी समाप्त करना पडा और शेष सिविल कार्यों के लिए मैसर्स एचएससीएल की जोखिम एवं लागत पर मैसर्स सिम्प्लैक्स को ऑर्डर दिया गया है। उपकरणों को संस्थापित करने संबंधी पैकेज की भी पुन: निविदा करनी पडी क्योंकि संविदा के अनुसार काम पूरा होने की अवधि के भीतर संस्थापन संबंधी पर्याप्त फ्रंट कार्यों को सौंपा नहीं जा सका था। मैसर्स एस्सार प्रोजेक्ट्स को नई संविदा दी गई। एचईसी (उत्पादन के दौरान उपस्कार संस्थापन तथा बाद में सामग्री हैंडलिंग दोनों के लिए क्रेनों का संस्थापन) और एचएससीएल (सिविल और संरचनात्मक कार्य) द्वारा कार्य की धीमी प्रगति। एचईसी प्राथमिकता क्रेनों के भी उत्थापन एवं आपूर्ति कार्य को पूरा नहीं कर पाई है। हालांकि सेल द्वारा शीर्षस्थ स्तरों पर गहन अनुवर्ती कार्रवाई एवं सहायता भी प्रदान किए जाने के बाद भी यह नहीं हो पाया जोकि एचईसी के बिलों पर उप वैंडरों को सीधे किए गए भुगतान, एचईसी द्वारा खोले गए एलसी पर बकाया धनराशि का भुगतान, परिक्रामी ऋण आधार पर अग्रिम भुगतान, ऋण आधार पर इस्पात के निर्गम, एचईसी उप वैंडरों के साथ सेल द्वारा की गई अनुवर्ती कार्रवाई तथा सुविधा पत्रों का जारी किए जाने के रूप में हैं। एचएससीएल ने अपर्याप्त साधन जुटाने के कारण मिल क्षेत्रों में उपस्कर

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
											उत्थापन फ्रन्टों को सौंपने में विलम्ब किया है। सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य भी अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। मुख्यतया डिजाइन इंजीनियरी, जन शक्ति और संसाधन नियोजन तथा समन्वयन पर्यवेक्षण के क्षेत्र में मैसर्स ईपीआई (ओएचपी भाग-ख और फ्यूल तथा फलक्स क्रशिंग और स्क्रिनिंग सुविधाएं) के खराब प्रदर्शन से कार्य पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिसकी वजह से सीओबी – 11 से बीएफ -8 को बीएफ कोक की आपूर्ति के लिए कोक रूट को पूरा करने में विलम्ब हुआ। सिविल कार्य/ संरचनात्मक निर्माण तथा बीओएफ और सीसीपी, यूआरएम तथा बीआरएम के उत्थापन के लिए मात्रा में वृद्धि से भी कार्यान्वयन अवधि बढ़ गई है। विभिन्न उपयोगिताओं वाले पैकेजों जैसेकि यूआरएम और बीआरएम की बाह्य जल प्रणाली (मैसर्स मैकनल्ली भारत), एसएमएस-।।। की बाहरी जल प्रणाली (मैसर्स एयरेफ डिटाक्स), मेक-अप और पेय जल प्रणाली (मैसर्स विश्व इन्फ्रा) आदि भी एजेन्सियों की खराब वित्तीय स्थिति तथा इसके परिणामस्वरूप आपूर्तियों में होने वाले विलंब एवं स्थल पर संसाधनों की समुचित व्यवस्था न होने के कारण भी प्रभावित हुए हैं। इन पैकेजों में हुए विलम्ब का भी नई सुविधाओं को पूरा करने पर व्यापक प्रभाव

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
											पड़ा है।
(iii)	रावघाट डिपोजिट पर 21 स्थानों पर स्थाई बैरक विकसित करना	*डल्ली-राजहरा-रावघाट रेल लाईन और रावघाट खनन परियोजना को सुविधा देने के लिए सुरक्षा बलों के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर*	188.93	--	--	20.00	परियोजना के तैनात सुरक्षा बलों हेतु स्थाई बैरक प्रदान करना	स्थापना की सुरक्षा को सुनिश्चित करना	अप्रैल, *2015*	राज्य सरकार द्वारा क्लीयर साईट की समय पर सुपुर्दगी पर निर्भरता और राजहरा-रावघाट रेल लाईन की प्रगति	सुरक्षाबलों को 12 स्थानों पर तैनात किया गया। 11 स्थानों पर बैरकों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है और एक स्थान पर रेलवे सम्पत्ति पर बैरक स्थापित किया गया है। वन संबंधी मंजूरियों और राज्य सरकार द्वारा पेड़ काटने के कार्य में विलम्ब के चलते कार्य शुरू करने में विलम्ब हुआ। स्थाई बैरकों का कार्य पूरा होना सभी स्थलों पर सुरक्षा बलों की तैनाती और राज्य सरकार द्वारा क्लीयर साईट की सुपुदर्गी पर निर्भर करता है।
(2)	**दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)**										
(i)	सीओबी-5 का पुनर्निर्माण	कोक की मांग में कमी को पूरा करने के साथ-साथ कोक ओवन गैस बैलेंस का स्थिरीकरण और उत्सर्जन स्तर को घटाना।	313.05	--	--	28.83	उत्पादन में सुधार हुआ और नीवनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त किया गया।	ऊर्जा बचत के साथ-साथ उत्पादन में दक्षता	जून, 2015	फरवरी, 2016 (जून, 2015 से संशोधित)	• दिनांक 27.08.15 को बैटरी हिटिंग का कार्य प्रारम्भ हुआ। • डिजायन इंजीनियरिंग मुद्दों के कारण बैटरी की क्वैचिंग कार प्लेटफार्म की डिसमैंटलिंग में विलम्ब हुआ। • बैटरी क्षेत्र में पाईप लाईने डालने में डिजायन के बदलाव के कारण कोक पुशिंग में विलम्ब हुआ।
3.	**राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)**										
(i)	सीओबी-3 का पुनर्निर्माण	4.5 एमटीपीए तप्त धातु उत्पादन के लिए कोक की आवश्यकता पूरी करना और उत्सर्जन	237.09	--	--	15.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा	जनवरी, **2015**	मई, **2016** (अगस्त, **2015** से संशोधित)	• दिनांक 13.08.15 को बैटरी हिटिंग का कार्य प्रारम्भ हुआ। • सिलिका ईटों की गुणवत्ता, बीईसी

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		स्तरों को कम करना।					आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।				द्वारा रिफ्रैक्ट्री उत्थापन की धीमी प्रगति और बीईसी द्वारा ओवन मशीनों की आपूर्ति में विलम्ब संबंधित मुद्दों के चलते परियोजना में विलम्ब हुआ। • सीओ गैस जो बढ़ते तापमान को प्रभावित कर रही है की अनुपयुक्त आपूर्ति के कारण कोक पुशिंग में बिलम्ब हुआ।
(ii)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	160.48	--	--	9.39	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	परिसज्जित उत्पादों का मूल्य संवर्धन	सितम्बर, 14	जनवरी, 16 (जून, 2015 से संशोधित)	ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन: • डिजाइन और इंजीनियरिंग में सीएएन इंजीनियरिंग • उपकरण आपूर्ति में इंपायर इंड. इक्विपमेंट एंड रीलाएबल हाई टेक. • *संघ द्वारा इन्स्ट्रुमेंटेशन/ कन्ट्रोल केबल की आपूर्ति में विलम्ब* • परिक्षण के दौरान गीयर बाक्सों की शाफ्टों में समस्या जिन्हें जर्मनी से एयरलिफ्ट किया जाना था। • परिक्षण और कमिशनिंग के लिए विदेशी विशेषज्ञों की अनुपलब्धता के कारण।
(iii)	बीएफ-। का उन्नयन	तप्त धातु के उत्पादन को *1304* टीपीडी से बढ़ाकर *2900* टीपीडी	708.91	--	--	125.21	फर्नेश के कार्य की मात्रा 995 एम3 से बढ़कर 1490 एम3 होना, ट्यूयर्स की संख्या 18 से बढ़कर 20 होना और 4 प्रतिशत		*अप्रैल*, 2016	*सितम्बर*, 16 (*अप्रैल*, 2016 *से संशोधित*)	चूंकि मौजूदा प्रचालनगत बीएफ क्षेत्र में बीएफ-1 के उन्नयन का कार्य चल रहा है, इसलिए कार्य जनोपयोगी सेवाओं के अभाव, रेल मार्ग के डायवर्जन, स्ट्रीम लाइन तथा वाटर लाइन आदि की रि-रूटिंग के कारण प्रभावित हुआ है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
							आक्सीजन संवर्धन, बीएफ उत्पादकता 1.360 से बढ़कर 1.946टी/एम3/ दिन होना, कोक दर 527 किग्रा. से घटकर 520 किलोग्राम/ टीएचएम होना।				
(iv)	नई हॉट स्ट्रीप मिल की स्थापना	प्रतिस्पर्धी उत्पाद गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और विस्तृत स्ट्रेप, उच्चतर क्वायल वेट और उच्चतर ग्रेड के उत्पादों के साथ उत्पाद रेंज के संबर्धन के लिए 3.0 एमटीपीए क्षमता की एक आधुनिक नई हॉट स्ट्रीप मिल (इनपुट स्लैब) की स्थापना करना।	3127.30	--	--	433.00	*3.0* एमटीपीए क्षमता (इनपुट स्लैब) की एक नई हॉट स्ट्रीप मिल की स्थापना।		*अप्रैल*, 2018	*अप्रैल*, 2018	
(4)	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी)**										
(i)	**सीओबी-7 का पुनर्निर्माण**	कोक मांग और CO गैस की कमी को पूरा करना और अद्यतन	245.67	--	--	37.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन	इससे संयंत्र का सतत प्रचालन सुनिश्चित होगा	*मई*, 2016	*मई*, 2016	

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		सांविधिक उत्सर्जन मानदण्डों का अनुपालन करना					मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।				
(ii)	**नया सिंटर प्लांट**	बीएसएल के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के चरण-I के उपरांत 5.77 एमटीपीए हॉट मेटल के उत्पादन हेतु आवश्यक सिंटर की पूर्ति करना	1034.01	--	--	45.00	*3.70* एमटीपीए क्षमता के एक नये सिंटर प्लांट की स्थापना		*अक्तूबर,* 2017	*अक्तूबर,* 2017	--
(iii)	**वैकल्पिक गैस नेटवर्क**	विद्यमान गैस लाईनों जो 1970 के दशक से परिचालित है, के अनुरक्षण को सुविधा प्रदान करना और गैस आपूर्ति के वैकल्पिक रूप की प्राप्ति करना और सुरक्षा पहलुओं को ध्यान में रखना	255.19	--	--	30.00	वैकल्पिक गैस नेटवर्क की स्थापना		*मार्च*, 18	*मार्च*, 18	--
(iv)	**एसएमएस-*1* का आधुनिकीकरण**	विद्यमान एचएसएम के पूरे क्षमता उपयोग के लिए एसएमएस-*II* पर उत्पादित स्लैब पूर्ति के लिए एसएमएस-I में सीसी रूट को लागू करके ऊर्जा	1154.18	--	--	45.00	एसएमएस-I के एक कन्वर्टर की प्रतिस्थापना और 1.305 एमटीपीए क्षमता के साथ जुड़े हुए स्लैब कास्टर, लैडल फर्नेस की स्थापना		*दिसम्बर,* 2017	*दिसम्बर,* 2017	--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		दक्षता इन्गोट कास्टिंग रूट को समाप्त करना।									
(5)	**कच्चा माल प्रभाग**										
(i)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	118.85	--	--	11.59	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	इस्पात संयंत्रों के लिए कच्ची सामग्री की निरंतर आपूर्ति की उपलब्धता	*जनवरी,* 12	दिसम्बर, 2016 (अक्तूबर, 2015 से संशोधित)	लदान प्रणाली के उन्नयन, नये वेगॉन लोडर और क्लासिफायर्स के संस्थापन संबंधी कार्यों के पूरा होने के साथ एमआईओएम की क्षमता वृद्धि हासिल कर ली गई है। आरपीएन कार्रवाई की गई और अक्तूबर, 15 में रिक्लेमर को छोड़कर शेष कार्यों के लिए कार्य अवार्ड किया गया।
(ii)	गुआ लौह अयस्क खानों का विस्तार	हॉट मेटल की 23.46 एमटीपीए क्षमता के लिए सेल के आधुनिकीकरण और विस्तार के पश्चात् लौह अयस्क की बढ़ी हुई मांग को पूरा करना	4749.00	--	--	114.00	12.5 एमटीपीए की बेनिफिसिएशन सुविधाओं और 4 एमटीपीए पैलेट प्लांट के साथ-साथ गुआ लौह अयस्क खानों का 10 एमटीपीए तक विस्तार कार्य		सितम्बर, *2017*	सितम्बर, 2017	--

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(6)	**चन्द्रपुर फैरोएलॉय प्लांट**										
(i)	1x45 एमवीए सब-मर्जड आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	187.33	--	--	9.95	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500 टन एचसीएफईएमएन और 35000 टन एचसीएसआईएमएन अथवा 60,000 टन एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन		*अक्तूबर*, 13	*जून*, 2016 (*अगस्त*, 2015 *से संशोधित*)	सिविल कार्य की शुरूआत एमओईएफ से पर्यावरण मंजूरी में विलम्ब के कारण प्रभावित हुई। इसके अलावा स्थल पर खराब संसाधन जुटाने और मुख्य ठेकेदार मैसर्स टैक्कप्रो द्वारा ऐसे उप ठेकेदारों जो अपने वादों को पूरा करने में असफल रहे और. जिन्होंने स्थल पर कार्य को रोक दिया, को भुगतान न करने के कारण सिविल और संरचनात्मक कार्य में विलम्ब हुआ है। आरपी कार्रवाई की गई और मैसर्स एचएससीएल को नए आर्डर दिए गए। रॉ मैटेरियल पैकेज के लिए मैसर्स रिलायबल हाई-टैक द्वारा जनशक्ति की अनुचित तैनाती
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**										
(i)	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए विस्तार	संयंत्र की क्षमता बढ़ाना	12291.00	--	--	200.00	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना	अप्रैल, 2015 में पूर्ण किया गया		ईकाइयों की कमीशनिंग हो चुकी है और वे स्थिरीकरण के विभिन्न चरणों के अधीन है।
(ii)	सीओबी-4(फेज-।।)	सीओबी-4 का स्वतंत्र बैटरी के रूप में परिचालन करना और उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना।	355.30	--	--	5.00	एक स्वतंत्र बैटरी के रूप में सीओबी-4 को परिचालित करना। उतोत्पाद की रिकवरी में बढ़ोतरी करना।	उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना	मूल निर्धारित कार्यक्रम दिसम्बर, 2014 (जून, 2015 से संशोधित कर फरवरी, 2016)		उतोत्पाद संयंत्र- दिसम्बर, 2014 में ईकाई की कमीशनिंग की गई और शेष पैकेजों यथा मिक्सिंग बिंस और कनवेयर सिस्टम की कमीशनिंग फरवरी, 2016 तक होने की संभावना है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(iii)	कोक ओवन बैटरी नं.5	6.3/7.3 एमटीपीए स्टेज के लिए कोक की आवश्यकताओं और गैस बैलेंस को पूरा करना तथा सीओबी # 1, 2 और 3 के क्रमश: पुनर्निर्माण को सुगम बनाना।	2853.00	-	-	140.00	0.82 एमटीपीए कुल कोक का उत्पादन करना	इससे ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित होगी	मुख्य पैकेज अवार्ड किए जाने से 29 महीने		पहले से ही आर्डर किए गए पैकेजों अर्थात् कोक ड्राई कूलिंग प्लांट, 14 मेगावाट पावर प्लांट, स्टाकर कम रिक्लेमर, वेगॉन टिपलर और कार पुशर, मुख्य बैटरी पैकेट और कोल एंड कोक हैंडलिंग सिस्टम के इंजीनियरिंग का कार्य प्रगति पर है। उप उत्पाद संयंत्र के संबंध में एक बोलीदाता के अभ्यावेदन की जॉच आईईएमएस द्वारा की जा रही है।
(iv)	विद्युत संयंत्र-।।	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता को पूरा करना, जो कि अन्यथा पर्यावरण में उड़ जाएंगी।	677.00	-	-	30.00	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना ग्रीन हाऊस गैस (जीएचजी) के वातावरण में उत्सर्जन को कम करने के एक-मात्र विचार से शुरू की गई है। हालांकि आरआईएनएल की 120 मेगावाट तक विद्युत आवश्यकता को इससे पूरा किया जा रहा है, जिससे कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके।	जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करते हुए हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके 120 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करना।	मूल निर्धारित कार्यक्रम मई, 2015 • ग्रिड के साथ सिंक्रोनाईजिंग द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2015 को टर्बो जनरेटर की कमीशनिंग की गई। • दूसरे बॉयलर की कमीशनिंग 15 सितम्बर, 2015 को की गई थी।		-

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(v)	पुल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन	कम महंगे पुल्वेराइज्ड कोल वाले महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम	133.00	-	-	5.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाना । तप्त धातु के उत्पादन की लागत कम करना।	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाना । तप्त धातु के उत्पादन की लागत कम करना।	मूल निर्धारित कार्यक्रम वर्ष 2014-15 की चौथी तिमाही • बीएफ-। में पीसीआई प्रणाली की कमिशनिंग मार्च, 2015 में की गई थी। • बीएफ-2: जून, 2016		बीएफ-2 की मरम्मत के पश्चात् बीएफ-2 में पीसीआई प्रणाली की कमीशनिंग की योजना है।
(vi)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	-	-	10.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ाना।	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ाना।	जुलाई, 15 (जून, 2015 से संशोधित)		स्टाकिंग और रिक्लेमिंग स्ट्रीम्स मौजूदा टिपलिंग सिस्टम के साथ प्रचालन में हैं।
(vii)	जल भंडारण प्रणाली बढ़ाना	16 एमक्यूएम क्षमता वाले अतिरिक्त भंडारण जलाशय का निर्माण। विस्तार के लिए जल की आवश्यकता को पूरा करना।	220.00	-	-	50.00	जल भंडारण क्षमता 16 एमक्यूएम तक बढ़ाना।	जल भंडारण क्षमता बढ़ाना	जनवरी, 2019		सिविल कार्य के लिए कन्सल्टेंट के रूप में वापकोस का चयन किया गया है। सिविल कार्यों संबंधी पैकेज की निविदा की जा रही है।
(viii)	एपीट्रांस्को की 220 केवी प्रणाली को मजबूत करना	400 एमवीए विद्युत के प्रारेषण हेतु बीएसपी में एपी विद्युत ग्रिड और आंतरिक प्रणाली को मजबूत करना।	86.34	-	-	5.00	400 एमवीए विद्युत के पारेषण हेतु एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना।	विद्युत पारेषण हेतु एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना	—		चरण-। का कार्य पूर्ण हो चुका है (400/केवी के सब-स्टेशन की स्थापना हेतु मोडिलिटिज के कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है)।
(ix)	400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए 220केवी विद्युत प्रणाली को बढ़ाना	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी	58.10	-	-	5.00	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए	वीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना	—		यह सिस्टम हर तरीके से तैयार है और एपीट्रांस्को की ओर से उनके अपने कार्य का परीक्षण एवं कमीशनिंग हो रही है। :

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		बीएसपी की					सब स्टेशन आदि जैसी				
(x)	बीएफ-1 और 2 कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3800 घन मीटर करना।	1663.00	-	-	175.00	0.5 एमटी तक उत्पादन बढ़ाकर हॉट मेटल का उत्पादन 2 एमटी से 2.5 एमटी करना।	उत्पादन बढ़ाना	बीएफ-1: 30-07.2014 (कमीशनिंग हो चुकी है) बीएफ-2: वर्ष 2016-17 की प्रथम तिमाही/दूसरी तिमाही		ब्लास्ट फर्नेस-1 : 30 जुलाई, 2014 को कमीशन हुआ। ब्लास्ट फर्नेस-2 : श्रेणी -1 फर्नेस की मुख्य मरम्मत का कार्य 2015-16 की अन्तिम तिमाही में शुरू होगा ।
(xi)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा 2 धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	974.76	-	-	200.00	0.97 एमटी तक इस्पात के उत्पादन को बढ़ाना	उत्पादन बढ़ाना	तीसरा कन्वर्टर: अगस्त, 16 चौथा कास्टर: दिसम्बर, 16		तीसरे कन्वर्टर : निर्माण कार्य पूरा हुआ और उपस्कर लगाने का कार्य प्रगति पर है। चौथा कास्टर : सभी प्रमुख आपूर्ति संबंधी आर्डर किए गए। सिविल और स्ट्रक्चरल निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। .
(xii)	सिंटर प्लांट की उपत्पादकता में वृद्धि	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	-	-	100.00	सिन्टर का उत्पादन 5.5 एमटी से 6.8 एमटी बढ़ाना	उत्पादन बढ़ाना	वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही (अक्तूबर, 2016 *से संशोधित*)		सिविल कार्य प्रगति पर है। लम्बे लीड वाले महत्वपूर्ण उपस्कर जैसे पेलेट कार के आर्डर किए जा चुके हैं। यूराल माश के आपूर्ति की प्रथम पोतलदान कार्य पूरा हुआ।
(xiii)	एसएमएस कंवर्टर का पुनरूद्धार	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	404.16	-	-	75.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यकता।	कन्वर्टरों को बदलना	प्रथम कन्वर्टर- फरवरी, 16. दूसरा कन्वर्टर : वर्ष 2016-17 की दूसरी तिमाही। तीसरा कन्वर्टर: वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही		पहले कन्वर्टर की रिवाम्पिंग 7 सितम्बर, 2015 से शुरू हुई है और इसे मार्च, 2016 तक पूरे हो जाने की संभावना है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xiv)	लौह अयस्क खानों और कोयला खानों का अधिग्रहण और जेवी के जरिये निवेश शामिल करना।	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	500.00	-	-	20.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोकिंग कोल/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय में खानों का अधिग्रहण करना शामिल हैं।	कच्ची सामग्री के संबंध में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी लाना।	जारी		बनेरा खान : राजस्थान सरकार ने बनेरा जिला भीलवाड़ा में 5 नवम्बर, 2015 को जन सुनवाई की है। जन सुनवाई की कार्यवाही में दिए गए सुझावों के अनुसार ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट को अद्यतन किया जा रहा है। इसे अद्यतन करने के उपरान्त अन्तिम ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट पर्यावरण स्वीकृति के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। जहाजपुर खान : इस मामले पर एमएमडीआर अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार आरआईएनएल के पक्ष में यह ब्लॉक आरक्षित किए जाने हेतु खान मंत्रालय, भारत सरकार के साथ कार्रवाई की जा रही है।
(xv)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाईन चालित ब्लोअर टीबी-5 की स्थापना .	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा साथ ही भविष्य में बीएफ-4 के लिए स्टैंडबाई के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए टीबी-5 की स्टैंडबाई के रूप में स्थापना करना।	280.52	--	--	75.00	यदि वर्तमान टरबाईनों में आधुनिकीकरण/ अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करना	सितम्बर, 2016		भेल द्वारा स्टील टर्बाइन तैयार की जा रही है ।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
(xvi)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	जारी	--	-	125.00	उपस्करों के अच्छे रख-रखाव को बनाए रखना और संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन/उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना।	संयंत्र की अच्छी देख-रेख बनाए रखना।	जारी		—
(xvii)	अनुसंधान एवं विकास स्कीमें	उत्पादकता बढ़ाना/लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास	जारी	-	-	50.00	विद्यमान प्रौद्योगिकी संबंधी विकास, अन्वेषणात्मक अध्ययनों के जरिए प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान के साथ समस्या का समाधान, लागत कम करने/ उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया संबंधी पैरामीटरों का विफलता विश्लेषण और महत्वपूर्ण परीक्षण	उत्पादकता बढ़ाना/ लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास	जारी		—
(xviii)	फोर्ज्ड व्हील प्लांट	लालगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में फोर्ज्ड व्हील के	1177.00	-	-	20.00	रेलवे के लिए 100000 व्हीलों का निर्माण करना	अपोक्षाकृत अधिक उत्पादन	संविदा की प्रभावी तारीख से 36 महीने		मुख्य पैकेज : परिणामी एक मात्र निविदाकर्ता द्वारा बताई गई कीमत पर बातचीत चल

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		विनिर्माण के लिए सुविधा की स्थापना करना							(मुख्य पैकेज के लिए)		रही है।
(xix)	एक्सल प्लांट	इस प्रयोजन हेतु आरआईएनएल की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधा की स्थापना करना।	391.00	-	-	5.00	पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण संबंधी उपयुक्त क्षमता वाली इकाई की स्थापना करना। .	एक्सल आदि की उपयुक्त क्षमता स्थापित करना.	संविदा कार्यक्रम की प्रभावी तारीख से 24 महीने (मुख्य पैकेज के लिए)		रेलवे के साथ लगातार अनुवर्ती कार्रवाई के बाद मुख्य सलाहकार (लागत), एमओएफ से दिनांक 19.11.2015 को ड्राफ्ट ऑफ टेक करार के लिए बातचीत की गई। प्रमुख मसलों का समाधान कर दिया गया है। फरवरी, 2016 में सुनिश्चित करार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
(xx)	एलएमएमएम वाकिंग बिम फर्नेश का पुनरूद्धार करना	फर्नेश का पुनरूद्धार	186.00	-	-	5.00	ब्रेकडाउन/स्थिरीकरणको कम करना	ब्रेकडाउन कम करना		जुलाई, 18	मेकॉन को कन्सलटेंट के रूप में काम पर लगाया गया है तथा तकनीकी विशिष्टियों जैसे कि वाकिंग वीम फर्नेस, वाटर सिस्टम और सिविल कार्य आदि को निविदा के लिए अन्तिम रूप दिया जा रहा है।
(xxi)	सेंट्रल स्टोरेज यार्ड	संभालने और परिवहन को सुगम करना	270.00	-	-	10.00	केंद्रीयकृत भंडारण स्थल पर क्षमता बढ़ाना	क्षमता बढ़ाना		अगस्त, 18	कन्सलटेंसी के लिए मैसर्स एमएन दस्तूर एंड कंपनी को 4.11.2014 को आर्डर दिया गया है। तकनीकी विशिष्टियों को

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
											निविदा के लिए अन्तिम रूप दिया जा रहा
3.	<u>एनएमडीसी लिमिटेड</u>										
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	--	--	35.00	क्षमता 7 एमटीपीए	इससे लौह अयस्क की उपलब्धता में बढोतरी होगी।	**मार्च**, 2012	**मार्च**, 2015	निर्माण कार्य पूरे हुए और एकीकृत लोड ट्रायल 29 मार्च, 2015 को किया गया।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	--	--	10.00	क्षमता 7 एमटीपीए	उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त लौह अयस्क की उपलब्धता बनी रहेगी।	**मई**, 2013	**अगस्त**, 2015	क्रशिंग प्लांट का लोड ट्रायल 25.5. 2015 को किया गया। डाउन हिल कन्वेयर लोड ट्रायल 31.8.2015को किया गया।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के क्षेत्र में कार्यों का विस्तार करना	572.00	--	--	30.00	क्षमता 1.2 एमटीपीए	पैलेट की उपलब्धता बढ़ेगी।	अप्रैल, 2013	जून, 2015	बेनिफिशिएशन प्लांट के फाइन्स सक्रिट के साथ एकीकृत लोड 29 जून, 2015 को लिया गया।
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट	i) छत्तीसगढ़ राज्य में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्यवर्धन सुनिश्चत करना।. ii) आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र का विकास। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों की बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा	15525.00	--	--	2600.00	क्षमता 3 एमटीपीए	देश में इस्पात की आवश्यकता को पूरा करने के लिए इस्पात की उपलब्धता में बढोतरी होगी।	मई, 2015	दिसम्बर, 2016	• इस्पात संयंत्र हेतु प्रचालनात्मक जल के लिए नागरनार में सबरी नदी से इस्पात संयंत्र स्थल तक जल की पाइप लाईन डालने हेतु वन संबंधी मंजूरी एवं मार्ग अधिकार

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।									
4.	**मॉयल लिमिटेड**										
(i)	मुंसर खान पर दूसरी वर्टिकल शॉफ्ट की सिंकिंग	स्थायित्व के साथ-साथ खान के वृहत्तर क्षेत्र से उत्पादन में बढ़ोत्तरी करना	51.32	0.00	0.00	4.00	पूर्ण क्षमता प्राप्ति के उपरांत 96000 टीपीए विक्रेय मैगनींज अयस्क के उत्पादन की आशा है।	पूर्ण क्षमता प्राप्ति के उपरांत 96000 टीपीए विक्रेय मैगनींज अयस्क के उत्पादन की आशा है।	कार्य प्रारम्भ होने की तिथि से चार वर्ष	परियोजना वर्ष 2019-20 में पूर्ण होगी।	जनवरी-2016 में आशय पत्र जारी किया गया। कार्य के फरवरी, 2016 में शुरू होने की सम्भावना है।
(ii)	सेल के साथ फेरो मैंगनीज/सिल्को मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिल्को मैंगनीज के उत्पादन हेतु भिलाई में इस परियोजना की स्थापना की जाएगी।	391.00	0.00	0.00	0.25	यह परियोजना 31000 एमटी फेरो मैंगनीज और 75000 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	यह परियोजना 31000 एमटी फेरो मैंगनीज और 75000 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	जून, 2012	फर्नेस और सहायक उपकरणों के लिए वर्क ऑर्डर देने के बाद 24 महीने	निवेश में इन कारणों से देरी हुई है: (क) प्रारंभ में फर्नेश पैकेज के लिए उच्चतर ऑफर मिलना, जिसके कारण दोनों ही परियोजनाओं के लिए निविदाएं पुन: जारी करने का निर्णय लिया गया। (ख) सेल और आरआईएनएल के फेरो एलॉय की आवश्ययकता में बदलाव के कारण नए टीईएफआर तैयार करने पड़े और (ग) पूरे भारतवर्ष में विद्युत की दरों में वृद्धि और आंध्र प्रदेश में विद्युत की कमी के कारण परियोजनाओं की समीक्षा आवश्यक हो गई। सस्ती दरों पर
(iii)	आरआईएनएल के साथ फेरो मैंगनीज/सिल्को मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिल्को मैंगनीज के उत्पादन हेतु बोब्बिल में इस	217.00	0.00	0.00	0.25	यह परियोजना 20000 एमटी फेरो मैंगनीज और 37500 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन	यह परियोजना 20000 एमटी फेरो मैंगनीज और 37500 एमटी सिल्को	जून, 2012	फर्नेस और सहायक उपकरणों के लिए वर्क ऑर्डर देने के बाद 24 महीने	

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
				गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		परियोजना की स्थापना की जाएगी।					करेगी।	मैंगनीज का उत्पादन करेगी।			बिजली (जो फेरा एलॉय के उत्पादन का एक मुख्य भाग है) प्राप्त करने की संभावनाओं की तलाश की जा रही है, जिससे कि परियोजना के क्रियान्वयन को आगे बढ़ाया जा सके।
	कुल (क)		**71653.87**	**0.00**	**0.00**	**6328.64**					

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
ख.	***इस्पात मंत्रालय की स्कीम***											
1	चल रही परियोजनाएं											
1(i)	लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की स्कीम	1. लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। 2. प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता सुधार करना। 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण (जैसेपैलेटाइजेशन)।). 4. कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (कार्गो) स्टील शीट्स और अन्य मूल्य वर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास 5.लोहा और इस्पात क्षेत्र	200.00	--	--	15.00	--	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। 2) भारतीय कच्ची सामग्रियों अर्थात् निम्न ग्रेड लौह अयस्क तथा गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूट का विकास करना। 3) नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाइन (रिफ्रैक्ट्री) में परिवर्तन प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। 4) हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन।	कॉलम-6 के अनुसार ही	11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) के दौरान, यह स्कीम 12वीं योजना (2012-17) के दौरान जारी है। एक जारी स्कीम के चलते यह आगे भी जारी रहेगी।		1) अनुसंधान और विकास से संबंधित यह स्कीम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात मंत्रालय में लागू की गई थी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसके मूल्यांकन तथा अनुमोदन में पर्याप्त समय लगा। 2) ईएफसी ने इस स्कीम को नवम्बर, 2008 में अनुमोदित किया और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को जनवरी, 2009 में इस शर्त के साथ अंतिम रूप से मंजूरी दी कि यह स्कीम 2009-10 से लागू की जाएगी। 3) इस्पात मंत्रालय ने संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के चयन के लिए अनुवर्ती कारवाई की और इन्हें विशेषज्ञों के पैनल से मंजुर करवाया तथा फरवरी, 2010 में चार परियोजनाओं का अनुमोदन हुआ। चार और पारियोजनाओं का अनुमोदन पीएएमसी द्वारा नवम्बर, 2010 में किया गया। 4) स्कीम के अनुमोदन तथा बाद में अलग-अलग अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुमोदन में विलम्ब के कारण चार परियोनाएं केवल अप्रैल, 2010 में, दो परियोजनाएं

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
		से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय से संबंधित आर एंड डी पर कार्रवाई करना						5) भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाइम्स का बैनीफिशिएशन। 6) चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलट स्केल पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास। 7) प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। 8) उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाइरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले भारतीय कोयले से निम्न राखांश वाले (10 प्रतिशत राखांश) कोयले (कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन। 9) कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (कार्गो) स्टील शीट्स और अन्य मूल्य वर्धित इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास				जनवरी, 2011 में तथा शेष दो परियोजनाएं दिसम्बर, 2011 में ही शुरू हो पाईं। परियोजनाएं12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान जारी है। । 5) अब तक **6** परियोजनाएं ही पूरी हो पाई हैं तथा **2** परियोजनाएं प्रगति पर हैं जिन्हें 2016-17 में पूरा हो जाने की संभावना है। कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिन्टीड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्य वर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रोदयोगिकी के विकास को शामिल करने के लिए और लौह और इस्पात क्षेत्र से सम्बंधी राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विश्व से सम्बंधी आर एण्ड डी को भी शामिल करने के लिए स्कीम के उद्देश्य के रूप में नवम्बर 2014 में एसएफसी और एचएसएम के उचित अनुमोदन के साथ आर एण्ड डी स्कीम में संशोधन किया गया है।

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
								10) एक मुख्य फेर्यूजिनियश कच्ची सामग्री के रूप में डीआरआई का प्रयोग करते हुए इन्डक्शन फर्नेस रूट के माध्यम से कम फास्फोरस वाले इस्पात का उत्पादन- एक औद्योगिक मूल्यांकन 11) कोक ओवन बैटरियों के कोल हैंडलिंग प्लांट पर इष्टतम् कोल मिश्रण कि लिए ओटोमेशन प्रणाली का विकास 12) राजस्थान के कम ग्रेड के कोल द्वारा मिल स्केल की प्रत्यक्ष कमी के जरिये लोहे का आर्थिक उत्पादन 13) फ्रिक्सन स्टीर वेल्डिंग द्वारा सुपर क्रीटिकल/अल्ट्रा सुपर क्रीटिकल पावर प्लांट में प्रयुक्त किये जाने के लिए नेक्स्ट जनरेशन हाई टेम्परेचर मैटेरियल ज्वांइनिंग हेतु प्रक्रिया का विकास				
	कुल *(ख)*		**200.00**			**15.00**						

(करोड़ रुपये)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2016-17			मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ वास्तविक परिणाम	प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्रियाएं/ समय-सीमा		टिप्पणियां /जोखिम घटक
					बजट सहायता		आई एण्ड ईबीआर			मूल	वास्तविक/अब निर्धारित	
			मूल	संशोधित	गैर-योजनागत बजट	योजनागत बजट						
1	2	3	4(i)	4(ii)	5(i)	5(ii)	5(iii)	6	7	8	9	10
ग.	अन्य स्कीमें/कार्यक्रम											
(i)	पीएसयूज से संबंधित											
	(i) 50.00 करोड़ से कम लागत वाली विभिन्न एएमआर स्कीमें, चल रही और नई स्कीमें। (ii) 50.00 करोड़ से अधिक स्वीकृत लागत वाली स्कीमें जो फाइनल होने के प्रारम्भिक चरण में हैं	संयंत्र, उपस्करों और मशीनरियों, का नियमित अनुरक्षण एवं रख रखाव, उत्पादन लागत को कम करना, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करना, उत्पादकता आदि में बढ़ोत्तरी करना।					5979.89	--				ये स्कीमें पीएसयूज के दिन-प्रतिदिन की कार्यप्रणाली और प्रचालनों से संबंधित हैं। ऐसी स्कीमों जिनके लिए आवश्यक अनुमोदन अभी प्राप्त किया जाना है, को शामिल नहीं किया गया है।
	कुल (ग)		--	*0.00*	*0.00*	*15.00*	5979.89					
	सकल योग- क + ख +ग		***71853.87***	***0.00***	**0.00**	***15.00***	**12308.53**					

सरकार की बजटीय सहायता से चलाई जा रही परियोजनाओं/स्कीमों में प्रयुक्त निधि की सामान्य बचत/सुपुर्दगी

क्र. सं.	अनुसंधान और विकास परियोजना	अग्रणी एजेन्सी	वापस की गई राशि (रु. करोड़ में)	वापसी का वर्ष	टिप्पणी
1.	निम्न ग्रेड के लौह अयस्क एवं चूरे के युक्तिसंगत उपयोग के लिए गहन बेनेफिशिएशन एवं मिश्रण के जरिए सिन्टर उपलब्धता में सुधार	सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर	0.68	2014-15	अनुमानित लागत के विपरीत कम व्यय
2	भारतीय रॉ मैटिरियल अर्थात् निम्न ग्रेड के लौह अयस्क और गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण का वैकल्पिक अनुपूरक रूट	सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर	1.94	2014-15	अनुमानित लागत के विपरीत कम व्यय
3	नवाचारी फ्लक्स और/या डिजाइन (रिफैक्टरी) में परिवर्तन लाकर प्रेरण भट्ठी रूट के जरिए डीआरआई का इस्तेमाल करके निम्न फासफोरस इस्पात का उत्पादन	सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर	0.12	2012-13	अनुमानित लागत के विपरीत कम व्यय
4	उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फराइजेशन सहित उच्च राखांश (10 प्रतिशत राखांश) वाले कोयले (कोकिंग और कोकिंग) का उत्पादन	सीएसआईआर-आईएमएमटी भुवनेश्वर	3.29	2014-15	एएमपीआरआई भोपाल से दो उपकरण बिना कि लागत के प्राप्त हुए

****

अध्याय-III

सुधार उपाय और नीतिगत पहल

1. भारतीय इस्पात क्षेत्र का उदारीकरण

भारतीय इस्पात क्षेत्र ऐसा प्रथम महत्वपूर्ण क्षेत्र था जिसे लाइसेंसिंग और मूल्य निर्धारण एवं वितरण नियंत्रण से पूर्णत: मुक्त किया गया है। ऐसा भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग द्वारा दर्शायी गई उसकी आंतरिक मजबूती और क्षमताओं को देखते हुए किया गया हैं। आर्थिक सुधार और उसके परिणामस्वरूप लोहा और इस्पात क्षेत्र के उदारीकरण जो 1990 के आरंभ में शुरू हुआ था, से इस्पात उद्योग में काफी विकास हुआ है और निजी क्षेत्र में ग्रीन फील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित हुए हैं।

भारत ने विश्व इस्पात संघ द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के आधार पर वर्ष 2015 (जनवरी-दिसम्बर) में चीन और जापान के बाद विश्व में क्रूड इस्पात के तीसरे सबसे बड़े उत्पादक का दर्जा हासिल किया है। भारत की क्रूड स्टील क्षमता जो कि वर्ष 2010-11 में 80.36 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) थी वह वर्ष 2014-15 में बढ़कर 109.85 एमटीपीए हो गई है। भारत में क्रूड स्टील का उत्पादन वर्ष 2014-15 में 88.98 एमटी था जबकि वर्ष 2010-11 में यह उत्पादन 70.67 एमटी था। विश्व इस्पात संघ द्वारा जारी आंकड़ों के आधार पर भारत वर्ष 2014 में चीन और अमेरिका के बाद विश्व में फिनिश्ड इस्पात का भी तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता था। यह देश वर्ष 2003 से विश्व में स्पंज आयरन का भी सबसे बड़ा उत्पादक रहा है। घरेलू इस्पात क्षेत्र जीडीपी में लगभग 2 प्रतिशत का योगदान करता है और 6 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है। भारत वर्ष 2013-14 को छोड़कर वर्ष 2007-08 से ही प्रत्येक वर्ष पूर्ण फिनिश्ड इस्पात का शुद्ध आयातक रहा है।संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2014-15 के दौरान पूर्ण फिनिश्ड इस्पात (एलाय+ गैर - एलाय) का बिक्री हेतु उत्पादन 92.16 एमटी था, जो कि वर्ष 2013-14 से 5.1 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय लोहा और इस्पात क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत उपाय नीचे दिए गए हैं:-

i) जनवरी, 1992 से इस्पात के मूल्य निर्धारण और वितरण पर से नियंत्रण समाप्त कर दिया गया था। इसके साथ-साथ यह सुनिश्चित किया गया था कि लघु उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

ii) आयात लाइसेंसिंग, विदेशी मुद्रा निर्मुक्ति, माध्यमीकरण और अधिक आयात टैरिफ से लोहे और इस्पात के आयात को पूर्णत: मुक्त करने के लिए आयात शुल्क स्तर को कम करके लोहा और इस्पात के लिए नियंत्रित आयात प्रणाली को धीरे-धीरे काफी उदार बनाया गया है। लोहे और इस्पात मदों का स्वतंत्र रूप से निर्यात करने की भी अनुमति दी गयी है।

iii) आयातों में वृद्धि को नियंत्रित करने के प्रयास में सरकार ने वर्ष 2015 के जून और फिर अगस्त में प्रमुख इस्पात उत्पादों पर आयात शुल्क को दो बार बढ़ाया है और प्रत्येक बार में यह वृद्धि 2.5 प्रतिशत की गई थी। इसके परिणामस्वरूप अगस्त, 2015 में की गई विगत वृद्धि के पश्चात

अर्द्धफिनिश्ड उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़कर 10 प्रतिशत हो गया है, जबकि गैर एलाय चपटे उत्पादों और कुछ विशेष एलाय इस्पात उत्पादों पर यह शुल्क बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया है।

iv) सरकार ने सितंबर, 2015 में हाट रॉल्ड चपटे इस्पात के कुछ प्रकारों के आयात पर 200 दिनों के लिए 20 प्रतिशत की अनंतिम सेफगार्ड ड्यूटी भी लगाई है ताकि विशेष रूप से चीन से होने वाले आयातों में हाल ही हुई वृद्धि से घरेलू उत्पादकों को संरक्षित बनाया जा सके। इस सेफगार्ड ड्यूटी के अंतर्गत उन सभी देशों से होने वाले आयातों को कवर किया गया है जिन देशों के साथ भारत ने हाल ही में एफटीए किया है यथा- जापान और दक्षिणी कोरिया।

v) बढ़ते आयातों से घरेलू इस्पात निर्माताओं को सुरक्षित बनाने के लिए भारत सरकार ने स्टैनलेस स्टील के कोल्ड रॉल्ड चपटे उत्पादों पर एंटी डंपिंग शुल्क लगाया है। चीन, अमेरीका, दक्षिणी अफ्रीका, थाईलैंड और ताईवान जैसे प्रमुख देशों पर यह शुल्क 5-57 प्रतिशत तक लगाया जाता है। 57.39 प्रतिशत का अधिकतम शुल्क चीन से होने वाले आयात पर लगाया गया है।

vi) इस्पात के आयातों को नियंत्रित करने की दिशा में भारत सरकार ने इस्पात के उन उत्पादों के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है जो कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से अनुमोदन प्राप्त नहीं करते हैं। इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण), आदेश दिनांक 16 दिसम्बर, 2015 में उन सभी इस्पात उत्पादों के लिए बीआईएस को अनिवार्य बनाया गया है जिनका भारत में निर्माण और व्यापार होता है। सरकार ने उन 15 इस्पात उत्पादों की सूची जारी की है जिनके लिए बीआईएस प्रमाणन आवश्यक है। ये 15 उत्पाद जो कि इस्पात आयात का एक बहुत बड़ा भाग होते हैं, एचआरसी, सीआरसी, बार्स, वायर राड्स, बिलेट्स और एचआर प्लेट के आयातों को प्रभावित करेंगे।

vii) कच्चे माल पर आयात शुल्क भिन्न भिन्न है तथा मेल्टिंग स्क्रेफ, लौह अयस्क और कोकिंग कोल प्रत्येक पर 2.5 प्रतिशत और मेट कोक पर 5 प्रतिशत है।

viii) किसी भी इस्पात मद पर कोई निर्यात शुल्क नहीं लगाया जाता है। हाल ही में सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लोहा और इस्पात समेत मदों के एक समूह पर डयूटी ड्रॉबैक में वृद्धि की है।

ix) घरेलू इस्पात उद्योग की दीर्घकालीन आवश्यकता के लिए खनिज पदार्थों को संरक्षित करने के लिए सरकार ने निम्न ग्रेड (10 प्रतिशत) और पैलेट्स (5 प्रतिशत) को छोड़कर लौह अयस्क के सभी प्रकारों पर यथामूल्य 30 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाया है। सरकार ने लौह अयस्क बेनिफिसिएशन संयंत्रों अथवा लौह अयस्क पैलेट संयंत्रों के पर्याप्त विस्तार अथवा स्थापना हेतु संयंत्र और मशीनों के आयात पर 7.5 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत तक बेसिक सीमा शुल्क में कटौती की है।

x) वर्तमान में इस्पात पर आबकारी शुल्क 12.5 प्रतिशत है।

xi) भारतीय लोहा और इस्पात उद्योगों के लिए अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी का एक रोड़मैप इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है जिसका उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास और इस्पात प्रौद्योगिकी के बीच अंतर को उजागर करना तथा अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी अपग्रेडेशन कार्यक्रम में निवेश करने के लिए उपयुक्त कार्ययोजना/ रणनीति तैयार करने के लिए इस्पात उद्योग को प्रेरित करना है। इस्पात के लिए घरेलू आर.एण्ड.डी का एक विजन आर.एंड.डी

निवेश के लक्ष्यों में निर्धारित किया गया है जो कि वर्ष 2016-17 तक बिक्री टर्न ओवर का 1 प्रतिशत है।

xii) इस्पात उद्योग में अवसंरचनागत कमियों और कच्चे सामग्री के मुद्दों का समाधान करने के लिए सचिव (इस्पात) की अध्यक्षता में अंतर मंत्रालयीन (आईएमजी) की बैठक नियमित आयोजित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय बिलम्बित परियोजना के संबंध में तेजी से निर्णय लेने के लिए मंत्रीमण्डल सचिवालय की परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) में सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहा है।

xiii) माननीय इस्पात मंत्री की अध्यक्षता में इस्पात मंत्रालय में एक राष्ट्रीय इस्पात उपभोक्ता परिषद का गठन किया गया था जो उत्पादकों और उपभोक्ताओं के साथ नियमित पारस्परिक क्रिया को सुविधाजनक बनाता है और इस्पात के उत्पादों की आपूर्ति /उपलब्धता/ मूल्य निर्धारण तथा अन्य जुड़े मुद्दों के संबंध में उपभोक्ताओं के समक्ष आ रही समस्या का समाधान करता है।

xiv) इस्पात मंत्रालय इस्पात उद्योग के सहयोग से प्रगति मैदान, नई दिल्ली में प्रतिवर्ष भारत अंतराष्ट्रीय व्यापार मेला में ''स्टील पेवेलियन'' का आयोजन करता है, जहां इस्पात के उपयोग की विभिन्नताओं और उसके लाभों को बताने के लिए लोहा एवं इस्पात और खनन क्षेत्र की मदों को प्रदर्शित किया जाता है।

xv) सरकार ने एक सुविधादाता के रूप में राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 जारी की है, जिसमें आपूर्ति और मांग दोनों पक्षों पर भारतीय इस्पात उद्योग के लिए विकास को प्रोत्साहित करने हेतु एक विस्तृत रोडमैप निर्धारित किया गया है। इस्पात की_आपूर्ति/ उत्पादन पक्षों पर राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 यह इंगित करती है कि नीति के अंतर्गत अतिरिक्त क्षमता के सृजन को सुविधाजनक बनाने, आदान सामग्रियों की उपलब्धता में प्रक्रियात्मक और नीतिगत कठिनाईयों को हटाने, आर.एण्ड.डी में उच्चतर निवेश करने तथा सड़क, रेलवे और बंदरगाहों जैसी अवसरंचना के सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। मांगपक्ष पर राष्ट्रीय इस्पात नीति के अंतर्गत प्रोत्साहन वर्द्धक प्रयासों के जरिये उत्तरोतर मांग के सृजन से मांग पक्ष को बढ़ाने, जागरूकता का सृजन करने, विशेषत: ग्रामीण क्षेत्रों में डिलिवरी चेन को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इस्पात के अंतिम उपयोग के प्रधान क्षेत्रों में प्रत्याशित वृद्धि के अतिरिक्त इसकी प्राप्ति देश के अंतर्गत तकनीकी क्षेत्र में इस्पात के उपयोग को प्रोत्साहन देकर, निर्माण कार्यों और अवसंरचनागत भवनों में इस्पात का उपयोग बढ़ाकर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉक स्तरीय नए स्टॉक् प्वांइट्स खोलकर की जा सकती है।

xvi) भारत की संसद ने माइन्स एंड मिनिरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन (एमएमडीआर) एमेंडमेंट बिल 2015 पारित किया है जिसमें खानों की नीलामी करने की प्रणाली आरंभ की गई है ताकि खनिज पदार्थों के आवंटन में पारदर्शिता को बढ़ाया जा सके तथा लौह अयस्क और अन्य गैर कोयला खनिज पदार्थों की खानों के आवंटन के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया का रास्ता साफ हो सके।

xvii) सरकार ने ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड एक्ट 1986 के अंतर्गत "इस्पात एवं इस्पात उत्पाद (गुणवतता नियंत्रण) आदेश" यह सुनिश्चित करने के लिए जारी किया है कि कोई भी निर्माता ऐसे इस्पात और इस्पात उत्पादों का बिक्री अथवा वितरण हेतु निर्माण, आयात और भंडारण नही कर सकता, जो मानकों को पूरा नही करते है और जिन पर स्टेंडर्ड मार्क (बीआईएस अथवा आईएसआई मार्क) अंकित न हो।

xviii) घरेलू ग्रामीण इस्पात खपत के पैटर्न की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) के माध्यम से अखिल भारत स्तर पर अध्ययन कार्य पूरा कर लेने के बाद इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में एक निगरानी समिति का गठन ग्रामीण अध्ययन रिपोर्ट की विभिन्न सिफारिशों के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए किया गया है। इस समिति में सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों, इस्पात मंत्रालय, जेपीसी और आईएनएसडीएजी से प्रतिनिधि शामिल है।

xix) वर्ष 2025 तक 300 एमटीपीए स्टील का लक्षित उत्पादन के साथ इस्पात उद्योग के दीर्घकालीन विकास हेतु विद्ययमान राष्ट्रीय इस्पात नीति 2005 को प्रतिस्थापित करते हुए एक नई राष्ट्रीय इस्पात नीति का प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया आरम्भ की गई है।

xx) सरकार ने एसपीवी रूट के जरिए छत्तीसगढ़, झारखंड, ओड़िसा और कर्नाटक राज्यों में 6 एमटीपीए क्षमता के 4 इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने का निर्णय लिया है, जिनसे इनका प्रचालन शुरू होने पर इस्पात उत्पादन की क्षमता 20-24 एमटीपीए बढ़ जाएगी।

xxi) माननीय प्रधानमंत्री ने 16 हजार करोड़ रूपए के निवेश से सेल के इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी) की क्रूड इस्पात क्षमता को 0.5 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.5 एमटीपीए करने के लिए आधुनिकीकृत किए गए इस संयंत्र को मई, 2015 में राष्ट्र को समर्पित कर दिया है तथा 12 हजार करोड़ रूपए के निवेश से सेल के राउरकेला इस्पात, संयंत्र(आरएसपी) की क्रूड इस्पात उत्पादन क्षमता को 1.9 एमटीपीए से बढ़ाकर 4.4 एमटीपीए करने के लिए आधुनिकीकृत किए गए इस संयंत्र को अप्रैल, 2015 में राष्ट्र को समर्पित कर दिया है।

2. <u>इस्पात मंत्रालय द्वारा की गई प्रमुख पहल</u>

राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी) 2005 के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहलें की गई हैं:-

(i) <u>सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी लिमिटेड की मेगा विस्तार योजनाएं</u>

<u>**सेल**</u>: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर तथा बर्नपुर स्थित अपने एकीकृत इस्पात संयंत्रों एवं सेलम स्थित अपने विशेष इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य शुरू किया है। वर्तमान दौर में कच्चे इस्पात की उत्पादन क्षमता को 12.8 मिलियन टन से बढ़ाकर 21.4 मिलियन टन प्रति वर्ष किया जा रहा है। वर्तमान चरण के लिए सांकेतिक निवेश लगभग 62000.00 करोड़ रूपये है। लगभग 10,000 करोड़ रूपये की अतिरिक्त रकम को सेल खानों के आधुनिकीकरण और विस्तार के

लिए निर्धारित किया गया है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के अतिरिक्त सेल की विस्तार योजना से पुरानी पड़ चुकी प्रौद्योगिकियों को समाप्त करने, ऊर्जा बचत, उत्पाद मिक्स को समृद्ध बनाने, प्रदूषण नियंत्रण, आदान सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए खानों और कोलेरिज का विकास करने, उपभोक्ता केन्द्रित प्रक्रियाएं लागू करने और उच्चतर उत्पादन मात्राओं के संदर्भ में संयंत्र में तदनुरूपी अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थापना करने के संबंध में सेल संयंत्रों की जरूरतें पर्याप्त रूप से पूरी होती हैं।

सेलम इस्पात संयंत्र की विस्तार परियोजना को सितम्बर, 2010 में पूरा कर लिया गया है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने आधुनिकीकृत और विस्तार किए गए राउरकेला इस्पात संयंत्र और इस्को इस्पात संयंत्र को क्रमश: 01.04.2015 और 10.05.2015 को राष्ट्र के नाम समर्पित कर दिया है। इन दोनों संयंत्रों में समस्त नई इंटीग्रेटेड प्रक्रिया रूट प्रचालन, स्थिरीकरण और रैम्प अप की अवस्था में है।

दुर्गापुर इस्पात संयंत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र में प्रमुख सुविधाएं क्रमश: जून 2015 और सितंबर 2015 में पूरी कर ली गई हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र में कुछेक सुविधाएं जैसे – न्यू कोक ओवर बैटरी संख्या 11, सिंटर प्लांट -3 में दूसरी सिंटर मशीन, अयस्क हैंडलिंग प्लांट भाग-क और ऑक्सीजन संयंत्र बीओओ आधार पर पूरी कर ली गई हैं। तथापि, ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप-3, बार एवं रॉड मिल और यूनिवर्सल रेल मिल क्रियान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में है। सेल अक्तूबर, 2016 तक आधुनिकीकरण एवं विस्तार के वर्तमान चरण के अंतर्गत भिलाई में शेष सुविधाओं को उत्तरोत्तर रूप से पूरा करने के प्रति वचनबद्ध है।

<u>आरआईएनएल</u>: आरआईएनएल: आरआईएनएल ने 12,291 करोड़ रूपए की संशोधित अनुमानित लागत में से 11,551 करोड़ रूपए की लागत पर दिसम्बर, 2015 तक अपनी तरल इस्पात क्षमता को 3 एमटीपीए से बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए करने की विस्तार योजना पूरी कर ली है। 4000.00 करोड़ रूपए (लगभग) के निवेश से तरल इस्पात क्षमता को 1 एमटीपीए बढ़ाते हुए 7.3 एमटीपीए करने, विद्यमान ब्लास्ट फर्नेसों, कन्वर्टर शॉप, सिंटर प्लांट इत्यादि के अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए दिसम्बर, 2015 तक लगभग 1496.00 करोड़ रूपए खर्च किये गए हैं। 30 जुलाई, 2014 को फर्नेस की ब्लोईंग के साथ ब्लास्ट फर्नेस-1 का अपग्रेडेशन और श्रेणी-1 के वृहत मरम्मत कार्य पूरे कर लिए गए थे।

<u>एनएमडीसी लिमिटेड</u>: एनएमडीसी ने लौह अयस्क की उत्पादन क्षमता को वर्तमान लगभग 30 एमटीपीए के स्तर से बढ़ाकर वर्ष 2018-19 तक 75 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने और वर्ष 2021-22 तक 100 एमटीपीए करने की योजनाएं बनाई हैं। 100 एमटीपीए के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एनएमडीसी को ओडिशा, झारखण्ड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों (एसपीवी अथवा अन्य रूटों) में अतिरिक्त खनन पट्टों की आवश्यकता होगी। एनएमडीसी यह चाहता है कि पट्टों पर विचार एमएमडीआर एमेंडमेंट एक्ट, 2015 की धारा 17ए (2ए) के अंतर्गत किया जाना चाहिए और एनएमडीसी से खान का या तो स्वतंत्र रूप से अथवा संयुक्त उद्यम के तहत अथवा एसपीवी के जरिए पता लगाने और उसका विकास करने के लिए पहले ही इस प्रकार का अनुरोध किया जा चुका है। एनएमडीसी अयस्क चूरे को लौह अयस्क कंसंट्रेट (स्लरी रूप) में परिवर्तित करने के लिए बेलाडिला क्षेत्र में 10 एमटीपीए क्षमता के प्रोसेसिंग संयंत्र की स्थापना, नागरनार से होते हुए बेलाडिला से विजाग तक 15 एमटीपीए क्षमता की एक स्लरी पाइप लाइन परिवहन प्रणाली की

स्थापना तथा नागरनार (2 एमटीपीए) और विजाग (6 एमटीपीए) में पैलेट संयंत्र इत्यादि की स्थापना करना चाहता है।

(ii) **स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी)**

प्रवर्तक कंपनियों के रूप में सेल, सीआईएल, आरआईएनएल, एनएमडीसी और एनटीपीसी के साथ दिनांक 20.05.2009 को इंटरनेशनल कोल वेंचर्स प्रा0 लि0 नामक एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में बनाया गया है। ताकि प्रवर्तक कंपनियां अपनी कोयला आवश्यकताओं के उद्देश्य को पूरा कर सकें। आईसीवीएल को औपचारिक नवरत्न दर्जा प्रदान किए बगैर एक नवरत्न कंपनी के रूप में कार्य करने की शक्तियां और स्वायत्ता प्रदान की गई है।

आईसीवीएल ने मोजाम्बिक में रियो टिंटो, एक विश्व स्तरीय खनन व्यावसायी की प्रचालनाधीन कोयला खान और ग्रीन फील्ड कोयला परिसंपत्तियां का अधिग्रहण करके 7 अक्तूबर, 2014 को मोजाम्बिक में मोटाईज कोल बेसिन में रणनीतिक और विशाल अधिग्रहण करते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रथम छाप छोड़ी है। अधिग्रहित इन परिसंपत्तियों में बैंगा में एक उत्पादनकारी खान, जंबेज में विकास पूर्व परिसंपत्तियां और टेटे ईस्ट में एक्सप्लोरेशन स्टेज की परिसंपत्तियां शामिल हैं, जो कि कुल मिलाकर 2.6 बिलियन टन कोयला संसाधन क्षमता का निर्माण करते हैं।

➢ वर्ष 2025 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन के लक्ष्य के साथ छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड और कर्नाटक की राज्य सरकारों के साथ एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) की अवधारणा तैयार की गई है। निम्नलिखित एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं:-

- छत्तीसगढ़ में अल्ट्रा मेगा इस्पात परियोजना (यूएमएसपी) की स्थापना के लिए दिनांक 9 मई, 2015 को एमओएस/ जीओआई, सेल, एनएमडीसी लि0 और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- रावघाट और जगदलपुर के बीच 140 किमी रेल लाइन बिछाने के लिए छत्तीसगढ़ की सरकार, एनएमडीसी, इरकॉन और सेल के बीच एमओयू। अनुमानित परियोजना लागत 2000 करोड़ रूपए।

- 4000 करोड़ रूपए के निवेश से बस्तर जिला के नागरनार में 2 एमटीपीए क्षमता के पैलेट संयंत्र और स्लरी पाइप लाइन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और एनएमडीसी के बीच समझौता ज्ञापन।

- 826 करोड़ रूपए के निवेश से बालोद जिला के डल्ली-राजहरा में 1 एमटीपीए क्षमता के पैलेट संयंत्र की स्थापना के लिए छत्तीसगढ सरकार और सेल के बीच एमओयू।

- एनएमडीसी ने एसपीवी रूट के जरिए बेल्लारी में इस्पात संयंत्र विकसित करने के लिए कर्नाटक विजयनगर स्टील लि. का निगमितीकरण किया है जिसका पंजीकृत कार्यालय बेंगलुरु में है।

• राज्य में स्टील एसपीवी विकसित करने के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी "झारखण्ड कोलहान स्टील लि." का निगमितीकरण करने हेतु झारखण्ड में दिनांक 28 जून, 2015 को इस्पात मंत्रालय –जीओआई, झारखण्ड सरकार और एनएमडीसी के बीच एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

• सेल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में लगभग 3+3 मिलियन टन ग्रीन फील्ड क्षमता के एक अल्ट्रा मेगा इस्पात संयंत्र की स्थापना में भागीदारी कर रहा है। सेल द्वारा छत्तीसगढ़ में यूएमएसपी के लिए 'छत्तीसगढ़ मेगा स्टील लि.' का एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) के रूप में दिनांक 20 जनवरी, 2015 को निगमितीकरण किया गया है। यह एसपीवी 26 प्रतिशत की इक्विटी धारिता के साथ एनएमडीसी को एक संयुक्त उद्यम साझीदार बनाएगी। इसके अतिरिक्त, एक माइनिंग एसपीवी का सृजन किया जाएगा जो खनिज खोज कार्य, खान विकास और लौह अयस्क का वाणिज्यिक उत्पादन करेगा।

(iii) **<u>विलय/अधिग्रहण तथा रणनीतिक समझौते/संयुक्त उद्यम</u>**

इस्पात इकाइयों की प्रचालनात्मक क्षमता में सुधार करने और सीनर्जी प्राप्त करने के लिए कई विलय/अधिग्रहण/नीतिपरक समझौते/संयुक्त उद्यम हुए हैं अथवा बातचीत की विभिन्न अवस्था में है। इनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(क) <u>विलय/अधिग्रहण</u>

- सेल द्वारा जयपौर, ओडीशा में नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) में अधिकांश स्टेक के अधिग्रहण की संभावना के लिए इस्पात मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मामला उठाया है। ऐसी अधिग्रहण प्रक्रिया से लाभकारी एकीकृत स्टील संयंत्र के रूप में एनआईएनएल की पूर्ण संभावित क्षमता का लाभ मिलेगा। सेल की प्रगति और बाजार अंश में वृद्धि होगी तथा इसके अलावा, पत्तन आधारित संयंत्र और आबद्ध लौह अयस्क भंडारों तक उसकी पहुँच संभव होगी और इनका लाभपूर्ण उपयोग होगा।

(ख) <u>कार्यनीतिक समझौता और संयुक्त उद्यम</u>

- भारत में ऑटोमोटिव स्टील संयुक्त उद्यम: सेल और आर्सेलर मित्तल भारत में एक संयुक्त उद्यम व्यवस्था के तहत एक ऑटोमोटिव स्टील निर्माण सुविधा की स्थापना की संभावना का पता लगाने के लिए विचार विमर्श कर रहे हैं। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम भारत में एक नवीनतम विकसित कोल्ड रोलिंग मिल और अन्य डाउनस्ट्रीम फिनिशिंग सुविधाओं का निर्माण करेगा, जिससे भारत के तेजी से आगे बढ़ते ऑटोमोटिव सेक्टर को प्रोद्योगिकीय दृष्टि से विकसित इस्पात उत्पाद प्राप्त होंगे। इस संबंध में दोनों कंपनियों के बीच 22 मई, 2015 को एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है।

- सेल – एससीएल केरल लि. नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी सेल और केरल सरकार के बीच गठित की गई है। 65,000 टन प्रतिवर्ष टीएमटी बार का निर्माण करने के लिए एक नई रोलिंग मिल स्थापित की

गई है। मिल ने 30 दिसम्बर, 2015 से बिलेट को एफई 500 डी ग्रेड के टीएमटी बार में रोलिंग करने का कार्य आरंभ कर लिया है।

- वैगनों के फैब्रीकेशन के लिए सेल और राईट्स के बीच एक संयुक्त उद्यम कंपनी यथा- मेसर्स सेल-राईट्स बंगाल वैगन इंडस्ट्री प्रा. लि. का गठन किया गया है। 10 वर्षों के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा रेलवे के लिए 300 वैगन प्रतिवर्ष के रिहैविलिटेशन हेतु और 1200 वैगनों के आपूर्ति के लिए रेलवे और संयुक्त उद्यम कंपनी के बीच दिनांक 24 नवम्बर, 2015 को दो एस्सयोर्ड ऑफ टेक एग्रीमेंट (एओटीए), एक नए वैगनों के निर्माण के लिए और दूसरा कार्यशील वैगनों के रिहैविलिटेशन के लिए हस्ताक्षरित किए गए हैं।
- नागरनार से विजाग तक स्लरी पाइप लाइन प्रणाली और विजाग में पैलेट संयंत्र को विकसित करने के लिए एनएमडीसी द्वारा आरआईएनएल के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है।
- आरआईएनएल ने भारतीय रेलवे की हाई स्पीड रेलगाड़ियों के पहियों का उत्पादन करने के लिए रायबरेली, उत्तर प्रदेश में एक फोर्ज्ड व्हील प्लांट की स्थापना के लिए रेलवे के साथ एक रणनीतिक गठबंधन किया है तथा 50,000 एक्सल प्रतिवर्ष के उत्पादन जो कि भारतीय रेलवे के लिए आयात की एक प्रतिस्पथापन मद है, के लिए एक एक्सल प्लांट की स्थापना की जा रही है।
- आरआईएनएल ने जेवी रूट के जरिए पश्चिम गोदावरी जिले के कुकुनूर क्षेत्र में 2,800 हेक्टेयर क्षेत्र पर लौह अयस्क माइनिंग रिजर्व के अन्वेषण और विकास कार्य के लिए दिनांक 29 अप्रैल, 2015 को एपीएमडीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है।
- आरआईएनएल ने पावरग्रिड (पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया) के साथ साझेदारी में विशाखपत्तनम में 1.2 लाख टन प्रतिवर्ष के ट्रांसमिशन लाइन टावरों का निर्माण करने के लिए 19 अगस्त, 2015 को एक संयुक्त उद्यम कंपनी 'आरआईएनएल पावरग्रिड टीएलटी प्रा. लि.' की स्थापना की है। संयुक्त उद्यम परियोजना की आधारशिला दिनांक 21 अगस्त, 2015 को रख ली गई है।
- आरआईएनएल ने भीलवाड़ा में भी राजस्थान खनन परियोजना के लिए एक रणनीतिक गठबंधन किया है (आईबीएम अजमेर ने दिनांक 04 नवम्बर , 2015 को बनेड़ा लौह अयस्क खानों को उत्तरोत्तर रूप से बंद करने की योजना के साथ खनन योजना को अनुमोदन प्रदान किया किया है।

(iv) **<u>कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)</u>**

- कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) एक ऐसी अवधारणा है, जिसके द्वारा संगठन अपने कार्यो से ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति जिम्मेदारी लेते हुए समाज के हितों के लिए कार्य करते है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और समाज पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। अत: सीएसआर को सतत विकास की प्रक्रिया से जोड़ा गया है।

- लोक उद्यम विभाग ने अपने 21 अक्तूबर, 2014 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 15(13)2013-डीपीई (जीएम) के द्वारा ''केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और उत्तरजीविता के संबंध में दिशानिर्देश'' जारी किए है।
- पीएसयू द्वारा इन सीएसआर कार्यों के तहत विभिन्न क्रियाकलाप यथा- स्कूलों, कॉलेजों का निर्माण, चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान, सामुदायिक केंद्र का निर्माण, सड़कों की नालियों का निर्माण, गांव की सड़कों में सड़क प्रकाश व्यवस्था और स्कूलों में शौचालयों का निर्माण किया जाता है तथा 'स्वच्छ भारत मिशन' के अतंर्गत सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं।
- एनएमडीसी ने 181.78 लाख रूपए के निवेश से बंबू, बेल मेटल और तुंबा आर्ट में जीविकोपार्जन से जुड़े कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं ताकि छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के 460 बेरोजगार जनजाति युवाओं को जीविकोपार्जन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। एनएमडीसी ने बस्तर के 1260 बेरोजगार युवाओं के लिए हैंड पंप और सबमर्सिबल पंपों की स्थापना, मरम्मत और अनुरक्षण पर जीविकोपार्जन का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

<u>स्टील क्षेत्र के पीएसयू द्वारा सीएसआर का बजट और व्यय</u>

(लाख रूपये में)

पीएसयू	2011-12		2012-13		2013-14		2014-15		2015-16 (दिसम्बर , 2015 तक)	
	बजट	व्यय	बजट	व्यय	बजट	व्यय	बजट	व्यय	बजट	व्यय
सेल	6400.00	6125.00	4200.00	5329.00	4000.00	6206.00	7800.00	3504.00	9896.00	4241.00
आरआईएनएल	1200.00	1062.22	750.00	1600.00	750.00	2031.00	1767.00	1403.88	1500.00	676.52
एनएमडीसी	8013.00	8671.00	14530.00	10110.00	17105.00	13142.00	25018.69	18865.00	29820.00	6865.00
मॉयल	628.00	655.91	680.00	1056.00	863.00	1036.00	1419.00	1358.00	1375.00	538.00
केआईओसीएल	230.00	119.00	283.00	79.00	93.00	227.00	110.00	100.11	96.50	15.72
एमएसटीसी	150.00	166.00	355.00	193.28	260.00	482.86	120.00	120.00	150.00	94.74
एफएसएनएल	9.00	9.06	9.00	9.00	4.00	4.50	25.27	22.10	29.97	0.00
मेकॉन	325.00	220.51	497.49	235.33	460.46	257.63	468.76	144.45	491.51	174.00
एचएससीएल	0.00	7.51	0.00	24.02#	0.00	0.00	0.00	10.21	0.00	0.00
बर्डग्रुप कंपनी	38.00	26.00	17.00	48.00	64.32	92.27	99.60*	33.50*	73.00	42.57
योग	**16993.00**	**17062.21**	**21321.49**	**18683.63**	**23599.78**	**23479.26**	**36828.32**	**25561.25**	**43431.98**	**12647.55**

पिछले वर्ष से लाई गई निधि से खर्च

*ओएमडीसी के बजट और व्यय के आंकड़े क्रमश: 97.49 लाख रूपए और 31.39 लाख रूपए हैं तथा ईआईएल के संबंध में यह क्रमश: 2.11 लाख रूपए और 2.11 लाख रूपए है।

(v) इस्पात का ग्रामीण वितरण नेटवर्क

- सेल ग्रामीण डीलरशीप स्कीम पर जोर देते हुए अपने उत्पादों की अधिक खपत हेतु पहुँच को व्यापक बनाने के लिए अपने डीलर नेटवर्क का व्यापक विस्तार कर रहा है। 01 जनवरी, 2016 की स्थिति के अनुसार सेल के डीलरशिप नेटवर्क में 2623 डीलर हैं, जिसमे 903 ग्रामीण डीलर शामिल है। अप्रैल-दिसम्बर, 2014 के अनुसार 380 नये डीलरों की नियुक्ति की गई है जिसमें 207 ग्रामीण डीलर शामिल है। सेल की ग्रामीण डीलरशिप स्कीम को ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लाक/तालुका स्तर पर अपने व्यापार के क्षेत्र का विस्तार करने के लिए वर्ष 2011-12 में आरम्भ किया गया था।

- सेल डीलरों की नियुक्ति एक सतत प्रक्रिया है। सेल की डीलरशिप नीति के अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को तरजीह दी जाती है, बशर्ते कि वे स्वयं के लिए निर्धारित अहर्ता मानदण्ड / शर्तो को पूरा करे। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के डीलरों को प्रतिभूति जमा का भुगतान करने से छूट दी जाती है जबकि सामान्य श्रेणी के अंतर्गत डीलरों को सम्मत मासिक कुल खरीद के लिए 500/- रूपए प्रति टन की दर से प्रतिभूति जमा का भुगतान करना होता है।

- आरआईएनएल नये उत्पादों के विकास और आपूर्ति तथा व्यापक कवरेज हेतु वितरण नेटवर्क में सुधार के जरिये स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर आधार पर प्रयास करता रहता है।

- आरआईएनएल के वितरण नेटवर्क में 5 क्षेत्रीय कार्यालय, 24 शाखा कार्यालय, 22 स्टॉकयार्ड और 6 प्रेषण बिक्री एजेन्ट है। आरआईएनएल ने शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्टील उत्पादों की आपूर्ति करने के लिए 160 रिटेलर नियुक्त किये हैं।

- ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात के उपयोग को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से आरआईएनएल-वीएसपी ने छोटे-छोटे कस्बों में जिला स्तरीय डीलरों और पंचायत स्तरीय स्थानों एवं ब्लाकों में ग्रामीण डीलरों के पंजीकरण की योजना लागू की है। ग्रामीण डीलरों के पंजीकरण की प्रक्रिया सतत और सरल है। ग्रामीण डीलरशिप के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यक और महिला उद्यमियों को वरीयता दी जाती है। दिसम्बर, 2015 के अंत तक अर्ध शहरी और गांवों में रहने वाले उपभोक्ताओं को इस्पात उत्पादों की सप्लाई के लिए देश के लगभग सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में आरआईएनएल के 697 ग्रामीण डीलर हैं। आरआईएनएल ने रॉची, रायपुर, त्रिची, इलाहाबाद, पणजी, जम्मू, सिलिगुडी और विजयवाड़ा में विपणन संपर्क कार्यालय शुरू किये हैं।

vi) आर एंड डी को प्रोत्साहित करने के लिए इस्पात मंत्रालय की पहल

भारतीय इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी मुख्य रूप से इस्पात संयंत्रों, आर एंड डी प्रयोगशालाओं और शैक्षिणक संस्थानों द्वारा किया जाता है। इस्पात कंपनियों यथा- सेल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और एस्सार स्टील ने कच्चे माल के बेनिफिसिएशन, एग्लोमरेशन और उत्पाद विकास के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए हैं। तथापि, कच्चे माल की गुणवत्ता, विशेष रूप से भारतीय लौह अयस्क में उच्च मात्रा में एलुमिना होने और भारतीय कोयले में अधिक राख होने, के संबंध में कुछ परेशानियां हैं जिससे समस्त उद्योग के प्रोद्योगिकी – आर्थिक निष्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उच्च निष्पादन वाले इस्पात उत्पादों का घरेलू

विकास भारत में इस्पात उद्योग के सामने चुनौती का एक अतिरिक्त क्षेत्र है। हालांकि, मूल्यवर्द्धित इस्पात उत्पादों के कई प्रकारों का घरेलू उत्पादन अब किया जा रहा है फिर भी देश अधिक कार्य निष्पादन और मूल्य वर्द्धित इस्पात उत्पादों यथा- इलेक्ट्रिक स्टील, ऑटोमोटिव ग्रेड के स्टील तथा रक्षा, अंतरिक्ष और न्यूक्लियर अनुप्रयोगों में अपेक्षित इस्पात के लिए आयात पर निर्भर है। इन समस्याओं का समाधान करने तथा साथ ही अनुमानित उच्च विकास दर को बनाए रखने के लिए भी लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी और प्रोद्योगिकी हस्तक्षेप किए जाने की अत्यंत आवश्यकता है। भारत में बड़ी इस्पात कंपनियों द्वारा आर एंड डी पर किया जाने वाला खर्च कंपनी दर कंपनी कुल बिक्री टर्न ओवर का 0.05 – 0.5 प्रतिशत तक है जो कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों से कम है।

इस्पात मंत्रालय (1) इस्पात विकास निधि और (2) योजना निधि / सरकारी बजटीय सहायता से वित्तीय सहायता प्रदान करके इस्पात उद्योग के आर एंड डी प्रयासों / निवेशों में सहायता प्रदान कर रहा है। विशेष आर एंड डी परियोजनाओं के अतिरिक्त, इस्पात मंत्रालय क्षमता निर्माण की कई पहल यथा- इस्पात मंत्रालय चेयर प्रोफेसर, इस्पात मंत्रालय छात्रवृत्तियां, उत्कृष्टता केंद्र, स्टील रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) इत्यादि में सुविधा प्रदान कर रहा है ताकि भारतीय इस्पात क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और आर एंड डी को प्रोत्साहन मिल सके। इन सभी कार्यक्रमों पर एक संक्षिप्त नोट निम्नवत है:

एसडीएफ द्वारा वित्तपोषित आर एंड डी स्कीम : एसडीएफ से वित्तीय सहायता प्राप्त इस स्कीम के अंतर्गत आर एंड डी परियोजनाओं पर कार्रवाई प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं, शैक्षणित संस्थानों और उद्योगों द्वारा आधारभूत अनुसंधान और प्रयुक्त अनुसंधान के लिए की जाती है ताकि उद्योग द्वारा सामना की जा रही प्रोद्योगिकीय समस्याओं को समाधान ढूंढा जा सके। इस स्कीम के अंतर्गत अभी तक एसडीएफ से 389.63 करोड़ रूपए के योगदान के साथ कुल 696.27 करोड़ रूपए की लागत से 83 आर एंड डी परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया गया है। विभिन्न आर एंड डी परियोजनाओं के अनुसंधान के परिणामों का सेल के नियंत्रणाधीन संयंत्रों और टाटा स्टील द्वारा पहले ही क्रियान्वयन किया जा चुका है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में सुधार, ऊर्जा खपत और प्रदूषण में कमी इत्यादि सुनिश्चित हुई है।

सरकार द्वारा वित्त पोषित आर एंड डी स्कीम : सरकार ने निम्नलिखित क्षेत्रों में आर एंड डीं पर कार्रवाई करने के लिए 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 'लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी को प्रोत्साहन' नामक एक नई स्कीम योजना निधि सहायता से आरंभ की है:-

- लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए अभिनव / पाथ ब्रेकिंग प्रौद्योगिकियों का विकास
- लौह अयस्क, कोयला इत्यादि जैसे कच्ची सामग्री का बेनिफिसिएशन और एग्लोमरेशन
- इंडक्शन फर्नेश के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार
- सीआरजीओ इलेक्ट्रिक स्टील सीटों और अन्य मूल्यवर्द्धित नए इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास
- लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी और इससे संबंधित राष्ट्रीय महत्व के अन्य विषयों पर कार्रवाई

अभी तक योजना निधि से 102.91 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता के साथ कुल 149.17 करोड़ रूपए की लागत से 12 आर एंड डी परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं। स्कीम के तहत कवर की गई बड़ी परियोजनाओं में निम्न ग्रेड के भारतीय लोहा (बीएचक्यू / बीएचजे समेत) तथा भारतीय कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयला को अपग्रेड करने के लिए विशेष आर एंड डी पहल करना और इंडक्शन फर्नेस में कम फास्फोरस वाले गुणवत्तापूर्ण इस्पात का उत्पादन करने के लिए तरीकों का पता लगाना शामिल है। भारत में सीआरजीओ स्टील का उत्पादन करने की अन्य बड़ी पहल की गई थी। अभी तक 6 परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं जिसमें लोहा और इस्पात क्षेत्र के लाभ के लिए लौह अयस्क के बेनिफिसिएशन एवं एग्लोमरेशन और कोयला के बेनिफिसिएशन के लिए प्रयोगशाला में प्रक्रियाएं / प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं। लेबोरेटरी स्तर के इंडक्शन फर्नेस में कम फास्फोरस वाले इस्पात के उत्पादन हेतु लेबोरेटरी स्तर पर प्रक्रिया भी विकसित की गई है जिसके लिए औद्योगिक परीक्षण किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, लेबोरेटरी / पायलट स्तर की परियोजनाओं में हाईड्रोजन प्लाज्मा के इस्तेमाल के जरिए लौह अयस्क / चूरे में स्मेल्टिंग कम करने की व्यवहार्यता का पता लगाया गया है।

कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील का विकास: इस्पात मंत्रालय सीआरजीओ स्टील सीटों की प्रौद्योगिकी का घरेलू विकास करने के लिए एक आर एंड डी पायलट संयंत्र की स्थापना हेतु एक संयुक्त आर एंड डी परियोजना पर कार्रवाई कर रहा है। डीएसआईआर (सीएसआईआर-एनएमएल), टाटा स्टील और आरआईएनएल आर एंड डी परियोजना में स्टेक होल्डर हैं। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 500 करोड़ रूपए है जिस पर सभी स्टेक होल्डरों की सहभागिता होगी। मेकॉन द्वारा परियोजना की डीपीआर तैयार करके प्रस्तुत कर दी गई है। परियोजना पर कार्य स्टेक होल्डरों द्वारा डीपीआर को अनुमोदन देने पर शुरू होगा।

एसडीएफ से वित्तीय सहायता के साथ आईआईटी में उत्कृष्टता केंद्र: इस्पात मंत्रालय ने देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए एक प्रमुख पहल की है ताकि आर एंड डी को प्रोत्साहन देने के साथ विश्व स्तर की अनुसंधान सुविधाएं विकसित हो सकें तथा उद्योग, शैक्षणिक अकादमियों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के लिए अपेक्षित मेटलर्जी क्षेत्र में मानव संसाधन को भी प्रोत्साहन मिले। केंद्र की आरंभिक स्थापना और आरंभ के 5 वर्षों के इसके सतत लागत को पूरा करने के लिए एसडीएफ से निधि प्रदान की जाती है। भवन और संबंधित अवसंरचना के लिए संस्थानों से निधि प्रदान की जाती है। अभी तक 20.26 करोड़ रूपए की कुल अनुमानित लागत (एसडीएफ 16.20 करोड़ रूपए और शेष योगदान डीएसटी से) से आईआईटी, खडगपुर में एक केंद्र प्रचालनाधीन है। एक और केंद्र की स्थापना 33.06 करोड़ रूपए की कुल लागत (100 प्रतिशत एसडीएफ) से आईआईटी बम्बई में की जा रही है। 30.98 करोड़ रूपए की कुल लागत (100 प्रतिशत एसडीएफ) से आईआईटी बीएचयू में तीसरे केंद्र की स्थापना को भी अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। आईआईटी चेन्नई में चौथे केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव इस्पात मंत्रालय में विचाराधीन है।

इस्पात मंत्रालय चेयर प्रोफेसर एंड स्कॉलरशिप स्कीम : मेटलर्जिकल इंजीनियरी का शिक्षण प्रदान करने वाले प्रत्येक संस्थान को 5 वर्षों के लिए मेटलर्जी के अंडरग्रेजुएट छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान करने तथा चेयर प्रोफेसर नियुक्त करने के लिए एसडीएफ से वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु इस्पात मंत्रालय द्वारा स्कीम शुरू की गई है। इस स्कीम का उद्देश्य इन संस्थानों में संकायों की कमी की समस्या का समाधान करना और साथ ही मेटलर्जिकल इंजीनियरी की पढ़ाई के लिए छात्रों को आकर्षित करना था। वर्तमान में स्कॉलरशिप स्कीम 16 संस्थानों में लागू की गई है और चेयर प्रोफेसरों की नियुक्तियां 12 संस्थानों में की गई हैं।

स्टील रिसर्च एंड टेक्नालॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) : इस्पात मंत्रालय राष्ट्रीय महत्व के आर एंड डी कार्यों की देखरेख के लिए संस्थानिक तंत्र के नेतृत्व वाले उद्योग को सुविधा प्रदान कर रहा है। एसआरटीएमआई उद्योग संचालित एक पहल है और एक रजिस्टर्ड सोसाएटी के रूप में इसकी स्थापना की गई है। एसआरटीएमआई के लिए कुल 200 करोड़ रूपए के निधियन की परिकल्पना की गई है जिसमें से 50 प्रतिशत अर्थात 100 करोड़ रूपए की निधि एसडीएफ / इस्पात मंत्रालय से प्रदान की जाएगी। भागीदार कंपनियां वर्ष 2013-14 के दौरान उत्पादित क्रूड स्टील के लिए 25 रूपए प्रति टन का आरंभिक प्रवेश शुल्क अथवा 5 करोड़ रूपए जो भी अधिक हो, का भुगतान करेंगी।

VII) गुणवत्तापूर्ण इस्पात के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए इस्पात मंत्रालय की पहल

एकीकृत इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्पादित मानकीकृत और प्रमाणित स्टील का प्रतिशत 80-90 प्रतिशत तक है। गौण इस्पात क्षेत्र में यह प्रतिशत बहुत कम है। इसके अतिरिक्त, गौण क्षेत्र में अधिकतर यूनिटें विशेषत: इंडक्शन फर्नेस यूनिटें ऐसे इस्पात उत्पादों का उत्पादन और बिक्री करते हैं जो निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं होते हैं। यह एक प्रमुख मामला है और इस्पात मंत्रालय का इस ओर ध्यान है। भारत में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड (बीआईएस) राष्ट्रीय स्तर का निकाय है जो भारतीय मानकों के रूप में माने जाने वाले राष्ट्रीय मानकों को तय करने और उनका क्रियान्वयन करने का कार्य करता है। इन मानको को तकनीकी समितियों द्वारा तैयार किया जाता है और अधिकतर इस्पात समितियों में इस्पात मंत्रालय अपना प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय मानकों को अपनाना अथवा उत्पादों पर आईएसआई मार्क अंकित करना वैकल्पिक है।

इस्पात मंत्रालय ने देश की अवसंरचना का निर्माण और मानवीय सुरक्षा के अति महत्वपूर्ण 30 इस्पात उत्पादों पर अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के लिए इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेशों को अधिसूचित किया है।

(viii) जेंडर बजटिंग

महिला सशक्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशानुसार मंत्रालय में एक जेंडर बजट सेल स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य मंत्रालय में जेंडर बजट की अवधारणा को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाना है।

3. नई राष्ट्रीय इस्पात नीति

इस्पात उद्योग मूलत: घरेलू और विश्व स्तर पर बाजार में परिवर्तन से संचालित होता है। इसका अभिप्राय है कि राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2005 में सम्मिलित अधिकांश लक्ष्यों को बाजार की बदल रही परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुनर्निर्धारित/पुनर्मूल्यांकित करने की आवश्यकता है। इसलिए इस्पात मंत्री के अनुमोदन से एक नई इस्पात नीति के गठन करने का निर्णय किया गया। नई इस्पात नीति का उद्देश्य राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2005 के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए देश में इस्पात के सभी विभिन्न पहलुओं जैसे भारत में इस्पात की मांग में वृद्धि, कच्चे माल, संसाधन एवं डिजाईन तथा नई स्टील परियोजनाओं को सुगम बनाना इत्यादि को शामिल करते हुए एक व्यापक नीति बनाना है। नई नीति दस्तावेजों से पहले लोहा और इस्पात क्षेत्र के लिए दीर्घकालीन योजना को अंतिम रूप दिये जाने हेतु तैयार लिया गया है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली निर्माण संबंधी एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसीएम) ने वर्ष 2025 तक इस्पात उत्पादन के लिए 300 मिलियन टन का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह एक अतिमहत्वाकांक्षी लक्ष्य

है और इसे प्राप्त करने के लिए सेल और आरआईएनएल अपने दूसरे चरण के आधुनिकीकरण /विस्तार कार्यो के लिए योजनाएं तैयार कर रहे है। इसके अतिरिक्त, खनिज संपदा से संपन्न उड़ीसा, झारखण्ड, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में बड़े इस्पात संयंत्रों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। स्पेशल पर्पज व्हीकल्स (एस.पी.वीएस.), जो कि इन परियोजनाओं के विकास के लिए उत्तरदायी होंगे, का गठन सेल, आरआईएनएल, एनएमडीसी और राज्य सरकार के पीएसयूज के बीच साझेदारी स्थापित करके ऐसा किया जायेगा।

****

अध्याय - IV

निष्कर्ष बजट 2015-16 और 2014-15 के पिछले निष्पादन की समीक्षा

11वीं योजना (2007-12) में "लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए योजना" नामक एक नई योजना को 118.00 करोड़ रुपए के प्रावधान सहित शामिल किया गया है। इस योजना को कार्यान्वियन के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदित किया गया था। 200 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ इस योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) में जारी रखा गया है। दिसम्बर, 2015 तक दस (10) आर एंड डी परियोजना प्रस्तावों का अनुमोदन कर दिया गया है।

12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 200 करोड़ रूपये के आवंटन में 32.87 करोड़ रूपये चल रही परियोजनाओं हेतु, 150 करोड़ रूपये कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (सीआरजीओ) स्टील सीटों और अन्य मूल्य वर्धित नये उत्पादों (नया घटक) हेतु और 17.13 करोड़ रूपये नई परियोजनाओं, जिनका क्रियान्वयन स्कीम की विद्यमान लक्ष्यों के तहत किया जाना है, हेतु शामिल है। बजट अनुमान 2015-16 में 15.00 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया था, जिसे संशोधित अनुमान 2014-15 में यथावत रखा गया है।

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम अपने-अपने प्रचालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न स्कीम/ कार्यक्रम बनाते हैं और उनको कार्यान्वित करते हैं। स्कीम के स्वरूप पर निर्भर करते हुए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की योजनागत स्कीमें उनकी संबंधित वार्षिक योजनाओं अथवा पंचवर्षीय योजनाओं अथवा दोनों की घटक होती हैं। प्रत्येक उपक्रम की अपनी-अपनी कई योजनागत स्कीमें हैं। अधिकांश स्कीमें कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों और प्रचालनों से संबंधित हैं। इसलिए यह महसूस किया गया है कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की सभी स्कीमों को शामिल करना न तो व्यावहारिक होगा और न ही निष्कर्ष बजट के उद्देश्य के अनुरूप होगा। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि इस्पात मंत्रालय के निष्कर्ष बजट में केवल 50 करोड़ रूपए से अधिक की मंजूर/अनुमानित लागत की प्रमुख योजना और गैर-योजनागत स्कीमों को ही शामिल किया जाए। इस मानदंड के आधार पर वर्ष 2014-15 के निष्कर्ष बजट में शामिल 39 बड़ी योजनागत स्कीमों और वर्ष 2015-16 में शामिल 40 स्कीमों के संबंध में निर्दिष्ट निष्कर्षो की तुलना में वास्तविक उपलब्धियां निम्नलिखित तालिकाओं में दी गई है। इस्पात मंत्रालय की योजनागत स्कीमों के तहत उपलब्धियां तालिका में दी गई हैं। यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश प्रमुख स्कीमें कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं अत: इन स्कीमों की उपलब्धियों का अपेक्षाकृत अधिक सार्थक और वास्तविक मूल्यांकन इन स्कीमों के पूरा किए जाने के बाद ही संभव है।

प्रक्षेपित निष्कर्ष/लक्ष्यों की तुलना में 2015-16 वास्तविक उपलब्धियॉं

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**											
1.	**स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)**											
(क)	**भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)**											
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोक की मांग में कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस के संतुलन को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	332.65	100.00	77.00	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	अगस्त,14	फरवरी, 2016 (जून, 2015 से संशोधित)	56.79	229.56	बैटरी हीटिंग 28.8.15 को शुरू हुई। बैटरी का तापमान (वर्टीकल फ्लो) लगभग 750 ओसी पर बनाए रखा जा रहा है जोकि क्वेंचिंग टावर, कोल टावर और कोक वार्फ क्षेत्र में बाकी कार्यों के कारण है।	देरी मुख्यतया निम्नलिखित कारणों से मेकॉन (बैटरी प्रापर के ठेकेदार) द्वारा की गई देरी के कारण हुई है: • डिजाइन इंजीनियरी में प्रारंभिक देरी जिससे बैटरी प्रापर के समग्र कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। • जनशक्ति की अपर्याप्त तैनाती जिससे कई फ्रन्टों पर सामान्तर कार्य नहीं हो पाया। • स्थान पर महत्वपूर्ण वस्तुओं की समय पर उपलब्धता न होना जिसके कारण काम रूक-रूक कर हुआ। • सामग्रियों के आर्डर और उप ठेकेदारों को कार्य देने में असामान्य विलम्ब। • रिफ्रैक्ट्री की सप्लाई में देरी से भी प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	बजट अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	बीएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना; निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन को बढ़ाकर सेमिज को घटाना; उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदता के लिए उत्पाद मिश्र को बढ़ाना एवं मूल्यवर्धन करना; भारतीय रेलवे की अपेक्षओं को पूरा करना।	17266.00	2286.72	1406.00	तप्त धातु की क्षमता 4.08 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	मार्च,13	अक्तूबर, 2016 (सितम्बर, 2015 से संशोधित)	1131.82	15431.95	पूरी की गई प्रमुख सुविधाएं • ओर हैंडलिंग प्लांट (ओएचपी) –क • एसपी-।।। में दूसरी सिंटर मशीन • आक्सीजन प्लांट (बीओओ आधार) • सीओबी – 11	एसएमएस - ।।। पैकेज प्रभावित हुआ क्योंकि कार्य की धीमी प्रगति के कारण मैसर्स रत्ना इन्फ्रा के साथ सिविल कार्य पैकेज के लिए किए गए प्रारंभिक संविदा को समाप्त करना पड़ा और फरवरी, 11 में मैसर्स रत्ना इन्फ्रा की जोखिम एवं लागत पर मैसर्स एचएससीएल को नया संविदा दिया गया। इसके बाद खराब प्रगति के कारण मैसर्स एचएससीएल की संविदा को भी समाप्त करना पडा और शेष सिविल कार्यों के लिए मैसर्स एचएससीएल की जोखिम एवं लागत पर मैसर्स सिम्प्लैक्स को ऑर्डर दिया गया है। उपकरणों को संस्थापित करने संबंधी पैकेज की भी पुन: निविदा करनी पडी क्योंकि संविदा के अनुसार काम पूरा होने की अवधि के भीतर संस्थापन संबंधी पर्याप्त फ्रंट कार्यों को सौंपा नहीं जा सका था। मैसर्स एस्सार प्रोजेक्ट्स को नई संविदा दी गई। एचईसी (उत्पादन के दौरान उपस्कार संस्थापन तथा बाद में सामग्री हैंडलिंग दोनों के लिए क्रेनों का संस्थापन) और एचएससीएल (सिविल और

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												संरचनात्मक कार्य) द्वारा कार्य की धीमी प्रगति। एचईसी प्राथमिकता क्रेनों के भी उत्थापन एवं आपूर्ति कार्य को पूरा नहीं कर पाई है। हालांकि सेल द्वारा शीर्षस्थ स्तरों पर गहन अनुवर्ती कार्रवाई एवं सहायता भी प्रदान किए जाने के बाद भी यह नहीं हो पाया जोकि एचईसी के बिलों पर उप वैंडरों को सीधे किए गए भुगतान, एचईसी द्वारा खोले गए एलसी पर बकाया धनराशि का भुगतान, परिक्रामी ऋण आधार पर अग्रिम भुगतान, ऋण आधार पर इस्पात के निर्गम, एचईसी उप वैंडरों के साथ सेल द्वारा की गई अनुवर्ती कार्रवाई तथा सुविधा पत्रों का जारी किए जाने के रूप में हैं। एचएससीएल ने अपर्याप्त साधन जुटाने के कारण मिल क्षेत्रों में उपस्कर उत्थापन फ्रन्टों को सौंपने में विलम्ब किया है। सिविल और स्ट्रक्चरल कार्य भी अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। मुख्यतया डिजाइन इंजीनियरी, जन शक्ति और संसाधन नियोजन तथा समन्वयन पर्यवेक्षण के क्षेत्र में मैसर्स ईपीआई

(करोड़ रुपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												(ओएचपी भाग-ख और फ्यूल तथा फलक्स क्रशिंग और स्क्रिनिंग सुविधाएं) के खराब प्रदर्शन से कार्य पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिसकी वजह से सीओबी – 11 से बीएफ -8 को बीएफ कोक की आपूर्ति के लिए कोक रूट को पूरा करने में विलम्ब हुआ। सिविल कार्य/ संरचनात्मक निर्माण तथा बीओएफ और सीसीपी, यूआरएम तथा बीआरएम के उत्थापन के लिए मात्रा में वृद्धि से भी कार्यान्वयन अवधि बढ़ गई है। विभिन्न उपयोगिताओं वाले पैकेजों जैसेकि यूआरएम और बीआरएम की बाह्य जल प्रणाली (मैसर्स मैकनल्ली भारत), एसएमएस-।।। की बाहरी जल प्रणाली (मैसर्स एयरेफ डिटाक्स), मेक-अप और पेय जल प्रणाली (मैसर्स विश्व इन्फ्रा) आदि भी एजेन्सियों की खराब वित्तीय स्थिति तथा इसके परिणामस्वरूप आपूर्तियों में होने वाले विलंब एवं स्थल पर

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
												संसाधनों की समुचित व्यवस्था न होने के कारण भी प्रभावित हुए हैं। इन पैकेजों में हुए विलम्ब का भी नई सुविधाओं को पूरा करने पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।
2.	**दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)**											
(i)	दुर्गापुर स्टील प्लांट का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	2875.00	564.00	362.88	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	दिसम्बर, 12	जून, 2015 में पूर्ण.	231.12	2798.25	पूर्ण की गई प्रमुख सुविधाएं : • आरएमएचपी का बैरल टाइप रिक्लेमर • सीओबी -2 का पुनर्निर्माण • न्यू लैडल फर्नेस • ब्लूम कम राउन्ड कास्टर • मीडियम स्ट्रक्चरल मिल •	सभी प्रमुख सुविधाएं पूरी की गईं। 8.6.2015 को मीडियम स्ट्रक्चरल मिल के लिए हॉट ट्रायल किये गये।
(ii)	सीओबी-5 का पुनर्निर्माण	कोक की मांग में कमी को पूरा करने के साथ-साथ कोक ओवन गैस बैलेंस का स्थिरीकरण और उत्सर्जन स्तर को घटाना।	313.05	50.00	90.00	उत्पादन में सुधार हुआ और नीवनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त किया गया।	जून,15	फरवरी, 2016 (जून,2015 से संशोधित)	108.94	314.87	दिनांक 27.08.15 को बैटरी हिटिंग शुरू की गई।	बैटरी 4 और 5 से कुछ सामान्य सुविधाएं हटा ली गई हैं और उन्हें सीओबी - 5 में जोड़ दिया गया है जिसके कारण इसका क्षेत्र बढ़ गया है। बैटरी क्षेत्र में पाइप लाइनें बिछाने में डिजाइन परिवर्तनों के कारण कोक पुशिंग में विलंब हुआ।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
3.	**राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)**											
(i)	सीओबी-3 का पुनर्निर्माण	4.5 एमटीपीए तप्त धातु उत्पादन के लिए कोक की आवश्यकता पूरी करना और उत्सर्जन स्तरों को कम करना।	237.09	70.00	75.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	जनवरी, 15	मई, 2016 (अगस्त, 2015 से संशोधित)	64.67	220.15	चिमनी हिटिंग 01.07.15 को शुरू की गई। बैटरी हिटिंग 13.08.15 को शुरू की गई।	• सिलिका ईंटों की गुणवत्ता से संबंधित मुद्दे • बीईसी द्वारा रिफैक्ट्री उत्थापन की धीमी प्रगति • बीईसी द्वारा ओवेन मशीनों की आपूर्ति में विलम्ब • इलैक्ट्रिकल कार्य धीमा है। पूर्ववर्ती वीईसी से ही इलैक्ट्रिकल संबंधी कार्य करवाने का प्रस्ताव था लेकिन अब आर्डर उप वैंडर को दिया गया है। • बर्नर पाइपों और बाहरी पाइपलाइन के धीमे उत्थापन कार्य तथा निर्माण सेवा प्लेटफार्म एवं मुख्य पोषक कन्वेयर से इस परियोजना में और भी विलम्ब हुआ है। • सीओ गैस की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण कोक पुशिंग में विलम्ब हुआ जोकि तापमान वृद्धि को प्रभावित कर रहा है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	160.48	11.00	47.62	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	सितम्बर, 14	जनवरी, 2016 (जून, 15 से संशोधित)	24.62	143.50		ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन: • डिजाइन और इंजीनियरिंग में सीएएन इंजीनियरिंग • उपकरण आपूर्ति में इंपायर इंड. इक्विपमेंट एंड रीलाएबल हाई टेक. सीएएन इंजीनियरी द्वारा डिजाइन की अनुमति देने में विलम्ब तथा विशेषज्ञों का देरी से आगमन। ऑटोमेशन के साथ एकीकृत ट्रायल कन्सोर्टियम द्वारा यंत्र/ नियंत्रण केबल की आपूर्ति में कमी/विलम्ब के कारण नहीं किए जा सके।
(iii)	बीएफ-। का उन्नयन	फर्नेश कार्य की मात्रा में वृद्धि होने से बीएफ उत्पादकता और हॉट मेटल का उत्पादन बढेगा। उन्नयन से कोक दर भी कम होगी।	779.41	200.00			अप्रैल, 2016	सितम्बर, 2016 (अप्रैल, 2016 से संशोधित)				चूंकि मौजूदा प्रचालनगत बीएफ क्षेत्र में बीएफ-1 के उन्नयन का कार्य चल रहा है, इसलिए कार्य जनोपयोगी सेवाओं के अभाव, रेल मार्ग के डायवर्जन, स्ट्रीम लाइन तथा वाटर लाइन आदि की रि-रूटिंग के कारण प्रभावित हुआ है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
4.	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी**											
(i)	बीएसएल का विस्तार	तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता संस्थापित करने के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना।	6325.00	499.00	398.82	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.59 से 5.77 एमटीपीए बढ़ाना।	दिसम्बर, 11	पूर्ण	243.20	5340.48	पूरी की गई मुख्य सुविधाएं • नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलेक्स • हॉट स्ट्रीप मिल का उन्नयन • सीओबी नं. 1 और 2 का पुनर्निर्माण • बीएफ नं. 2 का उन्नयन • बीएफ-3 की कॉस्ट हाउस नं. 6 और बीएफ-2 के नं. 3 का कॉस्ट हाउस स्लैग ग्रेनुलेशन प्लांट पूर्ण हुआ।	सभी प्रमुख सुविधाएं पूरी हुईं। 30.9.15 को उन्नयन के पश्चात् हॉट स्ट्रीप मिल के लिए हॉट ट्रायल किए गए।
(ii)	सीओबी-7 का पुनर्निर्माण	कोक मांग और CO गैस की कमी को पूरा करना और अद्यतन सांविधिक उत्सर्जन मानदण्डों का अनुपालन करना	245.67	98.00	67.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	मई, 16	मई, 16	47.58	79.89	--	• डिजाइन इंजीनियरिंग और सिविल तथा संरचनात्मक कार्य प्रगति पर है। • रिफ्रैक्टरी की आपूर्ति एवं उत्थापन का कार्य प्रगति पर है। • ओवन मशीनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(करोड़ रूपये में)

	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
5.	**कच्चा माल प्रभाग**											
(i)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	118.85	10.00	8.38	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से 6.50 एमटीपीए करना	जून,12	दिसम्बर, 2016 (अक्तूबर, 2015 से संशोधित)	2.48	78.42	क्रशिंग सेक्शन विद्युत आपूर्ति को बढ़ाना लोडिंग सेक्शन का उन्नयन वेगॉन लोडर के तीन नग क्लासिफायर्स का उत्थापन	लदान प्रणाली के उन्नयन, नये वेगॉन लोडर और क्लासिफायर्स के संस्थापन संबंधी कार्यों के पूरा होने के साथ एमआईओएम की क्षमता वृद्धि हासिल कर ली गई है। अक्तूबर, 15 में रिक्लेमर को छोड़कर आरपीएन कार्रवाई की गई और शेष कार्यों के लिए कार्य अवार्ड किया गया।
(ii)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	254.55	42.00	49.86	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	नवम्बर, 13	मई, 2015 में पूर्ण किया गया	19.92	143.20	संयंत्र में वृद्धि का कार्य पूर्ण हो चुका है।	मई, 15 में किए गए शट-डाउन के दौरान मुख्य संयंत्र के लिए प्रमुख उन्नयन कार्य पूरा होने के पश्चात् जून, 15 में उत्पादन क्षमता में वृद्धि हासिल की गई।
6.	**चन्द्रपुर फैरोएलॉय प्लांट**											
(i)	1x45 एमवीए सब-मर्जड आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	187.33	25.00	36.00	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500 टन एचसीएफईएमएन और 35000 टन एच अथवा 60,000 टन एचसीएसआईएमएन का	अक्तूबर, 13	जून, 2016 (अगस्त, 2015 से संशोधित)	23.63	173.07		सिविल कार्य की शुरूआत एमओईएफ से पर्यावरण मंजूरी में विलम्ब के कारण प्रभावित हुई। सिविल और स्ट्रक्चरल निर्माण कार्य के ठेकेदार (मैसर्स टेकप्रो सिस्टम्स) की असफलता के कारण कार्य की पुन: निविदा करनी

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						अतिरिक्त उत्पादन						पड़ी और इसे जोखिम क्रय कार्रवाई पर किसी अन्य एजेन्सी को दिया गया। सिविल और स्ट्रक्चरल कार्यों के लिए मैसर्स एचएससीएल के साथ वर्तमान ठेके में डिजाइन इंजीनियरी में देरी हुई है। कच्चे माल के पैकेज के लिए मैसर्स रिलायबल हाईटेक द्वारा जनशक्ति की अपर्याप्त तैनाती।
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**											
(i)	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए विस्तार	संयंत्र की क्षमता बढ़ाना	12291.00	250.00	250.00	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना	28-10-2005 /जून, ,2011 से चरणों में 36/48 माह	अप्रैल, 2015 में पूर्ण	266.21	11551.40	ईकाइयों की कमिशनिंग हो चुकी है और ये स्थिरीकरण के विभिन्न चरणों के अधीन है।	बीएफ-1 में पीसीआई प्रणाली की कमिशनिंग मार्च, 2015 में हो चुकी है बीएफ-2: जून, 2014
(ii)	सीओबी-4(फेज-।।)	सीओबी-4 का स्वतंत्र बैटरी के रूप में परिचालन करना और उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना।	355.30	20.00	20.00	उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना	उतोत्पाद संयंत्र अक्तूबर, 2012 कुल हैण्डलिंग प्लांट : फरवरी,	Feb'16	5.94	278.75		उप-उत्पाद संयंत्र कमीशन हुआ और कोल हैंडलिंग संयंत्र आंशिक रूप से कमीशन हुआ और शेष पैकेज अर्थात् मिक्सिंग बिन्स और कन्वेयर सिस्टम फरवरी, 2016 तक संभावित है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
							2010					
(iii)	कोक ओवन बैटरी नं.5	6.3/7.3 एमटीपीए स्टेज के लिए कोक की आवश्यकताओं और गैस बैलेंस को पूरा करना तथा सीओबी # 1, 2 और 3 के क्रमश: पुनर्निर्माण को सुगम बनाना।	2858.00	50.00	50.00	0.82 एमटीपीए कुल कोक का उत्पादन करना	मुख्य पैकेज के आवंटन से 29 माह	दिसम्बर-17	44.06	109.23	पहले से ही आर्डर किए गए पैकेजों अर्थात् कोक ड्राई कूलिंग प्लांट, 14 मेगावाट पावर प्लांट, स्टाकर कम रिक्लेमर, वेगॉन टिपलर और कार पुशर, मुख्य बैटरी पैकेट और कोल एंड कोक हैंडलिंग सिस्टम के इंजीनियरिंग का कार्य प्रगति पर है। उप उत्पाद संयंत्र के संबंध में एक बोलीदाता के अभ्यावेदन की जॉच आईएमएस द्वारा की जा रही है।	
(iv)	विद्युत संयंत्र-।।	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता को पूरा करना, जो कि अन्यथा पर्यावरण में उड़ जाएंगी।	677.00	40.00	40.00	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) के वातावरण में उत्सर्जन को कम	सितम्बर, 2013	सितम्बर, 2015 में पूर्ण	30.49	539.90	--	• ग्रीड के साथ सिन्क्रोनाइज करके टर्बो जेनरेटर जुलाई, 2015 में कमीशन किया गया। दूसरा बायलर 15 सितम्बर, 2015 को कमीशन हुआ।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						करने के एक-मात्र विचार से शुरू की गई है। हालांकि आरआईएनएल की 120 मेगावाट तक विद्युत आवश्यकता को इससे पूरा किया जा रहा है, जिससे कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके।						
(v)	बीएफ-1 और बीएफ-2 के लिए पुल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन प्रणाली	कम महंगे पुल्वेराइज्ड कोल वाले महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम	133.00	6.00	6.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाना । तप्त धातु के उत्पादन की लागत कम करना।	सितम्बर, 09	बीएफ-1 में पीसीआई प्रणाली की कमिशनिंग मार्च, 2015 में हो चुकी है बीएफ-2: जून, 2016	0.82	107.61	बीएफ-1 में पीसीआई प्रणाली परिचालन में है। बीएफ-2 की मरम्मत के पश्चात् बीएफ-2 में पीसीआई प्रणाली की कमिंशनिग की योजना है।	___
(vi)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	25.00	25.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	मई,12	--	22.92	398.09	स्टाकिंग और रिक्लेमिंग स्ट्रीम्स मौजूदा टिपलिंग सिस्टम के साथ प्रचालन में हैं।	--

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(vii)	जल भंडारण प्रणाली बढ़ाना	16 एमक्यूएम क्षमता वाले अतिरिक्त भंडारण जलाशय का निर्माण। विस्तार के लिए जल की आवश्यकता को पूरा करना।	220.00	5.00	5.00	जल भंडारण क्षमता 16 एमक्यूएम तक बढ़ाना।	--	2017-18	0.00	0.33	सिविल कार्य के लिए कन्सल्टेंट के रूप में वापकोस का चयन किया गया है। सिविल कार्यों संबंधी पैकेज की निविदा की जा रही है।	--
(viii)	एपीट्रांस्को की 220 केवी प्रणाली को मजबूत करना	400 एमवीए विद्युत के प्रारेषण हेतु बीएसपी में एपी विद्युत ग्रिड और आंतरिक प्रणाली को मजबूत करना।	86.34	18.00	18.00	400 एमवीए विद्युत के पारेषण हेतु एपी विद्युत ग्रिड को मजबूत करना।	सितम्बर, 12	चरण-1 का कार्य पूण हो चुका है	0.00	63.33	चरण-1 का कार्य पूर्ण हो चुका है। (400/220 केवी सबस्टेशन की स्थापना संबंधी मॉडिलिटीज को अंतिम रूप दिया जा रहा है)	--
(ix)	400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए 220केवी विद्युत प्रणाली को बढ़ाना	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी बीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।	58.10	3.00	3.00	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी बीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।	अगस्त, 11	एपीट्रां स्को के पक्ष की ओर से कमिशनिंग का कार्य प्रगति पर है।	1.39	46.86	यह सिस्टम हर तरीके से तैयार है और एपीट्रांस्को की ओर से उनके अपने कार्य का परीक्षण एवं कमीशनिंग हो रही है।	—
(x)	बीएफ-1 और 2 कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3800 घन मीटर करना।	1663.00	200.00	200.00	0.5 एमटी तक उत्पादन बढ़ाकर हॉट मेटल का उत्पादन 2 एमटी से 2.5 एमटी करना।	बीएफ-1: दिसम्बर, 12 बीएफ-2: जुलाई,15	बीएफ-1 : 30.7.20 14 (कमीशन हुआ) बीएफ-2 : 2015-16	282.86	995.64	ब्लास्ट फर्नेस-1 : 30 जुलाई, 2014 को कमीशन हुआ। ब्लास्ट फर्नेस-2 : श्रेणी -1 फर्नेस की मुख्य मरम्मत का कार्य 2015-16 की	—

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
								की चौथी तिमाही। अब इसे संशोधित करके 2016-17 की पहली तिमाही/दूसरी तिमाही कर दिया गया है।			अन्तिम तिमाही में शुरू होगा और 2016-17 की पहली तिमाही/दूसरी तिमाही में पूरा होगा।	
(xi)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा 2 धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	975.00	200.00	200.00	0.97 एमटी तक इस्पात के उत्पादन को बढ़ाना	तीसरा कनर्वटर: जुलाई,2015 चौथा कास्टर: जुलाई, 2016	तीसरा कनर्वटर: अगस्त,2016 चौथा कास्टर: दिसम्बर, 2016	146.37	215.52	तीसरे कन्वर्टर : निर्माण कार्य पूरा हुआ और उपस्कर लगाने का कार्य प्रगति पर है। चौथा कास्टर : सभी प्रमुख आपूर्ति संबंधी आर्डर किए गए। सिविल और स्ट्रक्चरल निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।	पुनर्निर्धारित : तीसरा कन्वर्टर - अगस्त 16 चौथा कास्टर – दिसम्बर, 2016
(xii)	सिंटर प्लांट की उत्पादकता में वृद्धि	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	100.00	100.00	सिन्टर का उत्पादन 5.5 एमटी से 6.8 एमटी बढ़ाना	जनवरी, 2016	अक्तूबर, 2016 वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही के लिए पुन: संशोधित किया गया	12.48	36.00	सिविल कार्य प्रगति पर है। लम्बे लीड वाले महत्वपूर्ण उपस्कर जैसे पेलेट कार के आर्डर किए जा चुके हैं। यूराल माश के आपूर्ति की प्रथम पोतलदान कार्य पूरा हुआ। यूनिट 2017-18 की प्रथ्म तिमाही तक पूरी किए जाने हेतु निर्धारित है।	—

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xiii)	एसएमएस कंवर्टर का पुनरूद्धार	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	404.00	120.00	120.00	कनवर्टरों को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यकता।.	जुलाई, 15	पहला कन्वर्टर 2015-16 की चौथी तिमाही (इसे और संशोधित करके पहला कन्वर्टर 2016, दूसरा कन्वर्टर 2016-17 की दूसरी तिमाही, तीसरा कन्वर्टर :2017-18 की पहली तिमाही किया गया)	104.05	248.38	पहले कन्वर्टर की रिवाम्पिंग 7 सितम्बर, 2015 से शुरू हुई है और इसे मार्च, 2016 तक पूरे हो जाने की संभावना है।	पहला कन्वर्टर-फरवरी, 2016, दूसरा कन्वर्टर – 2016-17 की दूसरी तिमाही, तीसरा कन्वर्टर : 2017-18 की पहली तिमाही।
(xiv)	लौह अयस्क खानों और कोयला खानों का अधिग्रहण जिसमें संयुक्त उद्यमों के जरिए निवेश भी शामिल हैं।	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	500.00	20.00	20.00	आरआईएनएल/वीएसपी के पास कोकिंग कोल/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय में खानों का अधिग्रहण करना शामिल हैं।	जारी	___	40.00	40.28	बनेरा खान : राजस्थान सरकार ने बनेरा जिला भीलवाड़ा में 5 नवम्बर, 2015 को जन सुनवाई की है। जन सुनवाई की कार्यवाही में दिए गए सुझावों के अनुसार ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट को अद्यतन किया जा	___

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											रहा है। इसे अद्यतन करने के उपरान्त अन्तिम ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट पर्यावरण स्वीकृति के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। जहाजपुर खान : इस मामले पर एमएमडीआर अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार आरआईएनएल के पक्ष में यह ब्लॉक आरक्षित किए जाने हेतु खान मंत्रालय, भारत सरकार के साथ कार्रवाई की जा रही है।	
(xv)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाईन चालित ब्लोअर टीबी-5 की स्थापना .	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा साथ ही भविष्य में बीएफ-4 के लिए स्टैंडबाई के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए टीबी-5 की स्टैंडबाई के रूप में स्थापना करना।	280.52	90.00	90.00	यदि वर्तमान टरबाईनों में आधुनिकीकरण/ अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	सितम्बर, 16	सितम्बर, 16	17.87	19.87	भेल द्वारा स्टील टर्बाइन तैयार की जा रही है।	—
(xvi)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	जारी	75.00	75.00	उपस्करों के अच्छे रख-रखाव को बनाए रखना और	जारी	जारी	34.99	--	--	--

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन/उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना।						
(xvii)	अनुसंधान एवं विकास स्कीमें	उत्पादकता बढ़ाना/लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास		50.00	50.00	विद्यमान प्रौद्योगिकी संबंधी विकास, अन्वेषणात्मक अध्ययनों के जरिए प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान के साथ समस्या का समाधान, लागत कम करने/ उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया संबंधी पैरामीटरों का विफलता विश्लेषण और महत्वपूर्ण परीक्षण	जारी	जारी	16.24	_	_	--
(xviii)	फोर्ज्ड व्हील प्लांट	लालगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में फोर्ज्ड व्हील के विनिर्माण के लिए सुविधा की स्थापना करना	1170.00	60.00	60.00	रेलवे के लिए 100000 व्हीलों का निर्माण करना .	संविदा की प्रभावी तिथि से 36 माह	संविदा की प्रभावी तिथि से 36 माह (मुख्य पैकेज के लिए)	7.90	24.05	मुख्य पैकेज : प्रक्रियाधीन है।	__
(xix)	एक्सल प्लांट	इस प्रयोजन हेतु आरआईएनएल की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल, न्यू	391.00	5.00	5.00	रेलवे से 20,000 से लेकर 25000 तक की संख्या में प्राप्त आश्वासन को पूरा करने के प्रयोजन हेतु	ठेके की प्रभावी तारीख से 24 महीने (मुख्य पैकेज के	ठेके की प्रभावी तारीख से 24 महीने (मुख्य पैकेज के लिए)	0.42	2.54	रेलवे के साथ लगातार अनुवर्ती कार्रवाई एवं अनुनय के बाद मुख्य सलाहकार (लागत), एमओएफ से दिनांक 19.11.2015 को	__

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधा की स्थापना करना।				आरआईएनएल की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी का गठन करके पश्चिम बंगाल, न्यू जलपाईगुड़ी में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण संबंधी उपयुक्त क्षमता वाली इकाई की स्थापना करना।	लिए)				ड्राफ्ट ऑफ टेक करार के लिए बातचीत की गई। प्रमुख मसलों का समाधान कर दिया गया है। फरवरी, 2016 में सुनिश्चित करार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।	
(xx)	एलएमएमएम वाकिंग बिम फर्नेश का पुनरूद्धार करना	फर्नेश का पुनरूद्धार	186.00	5.00	5.00	ब्रेकडाउन/स्थिरी करणको कम करना	--	--	0.00	0.00	मेकॉन को कन्सलटेंट के रूप में काम पर लगाया गया है तथा तकनीकी विशिष्टियों जैसे कि वाकिंग वीम फर्नेस, वाटर सिस्टम और सिविल कार्य आदि को निविदा के लिए अन्तिम रूप दिया जा रहा है।	
(xxi)	सेंट्रल स्टोरेज यार्ड	संभालने और परिवहन को सुगम करना	270.00	5.00	5.00	केंद्रीयकृत भंडारण स्थल पर क्षमता बढ़ाना	--	--	0.00	0.00	कन्सलटेंसी के लिए मैसर्स एमएन दस्तूर एंड कंपनी को 4.11.2014 को आर्डर दिया गया है। तकनीकी विशिष्टियों को निविदा के लिए अन्तिम रूप दिया जा रहा है।	
4.	**<u>एनएमडीसी लिमिटेड</u>**											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	5.00	5.00	क्षमता 7 एमटीपीए	मार्च, 12	मार्च, 15	15.07	402.03	निर्माण कार्य पूरे हुए और एकीकृत लोड ट्रायल 29 मार्च, 2015 को किया गया।	**पूर्ण**

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	65.00	65.00	क्षमता 7 एमटीपीए	मई, 2013	अगस्त,15	29.37	408.94	क्रिशंग प्लांट का लोड ट्रायल 25.5. 2015 को किया गया। डाउन हिल कन्वेयर लोड ट्रायल 31.8.2015को किया गया।	पूर्ण
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के क्षेत्र में कार्यों का विस्तार करना	572.00	40.00	40.00	क्षमता 1.2 एमटीपीए	अप्रैल, 13	जून, 2015	30.63	482.21	बेनिफिशिएशन प्लांट के फाइन्स सक्रिट के साथ एकीकृत लोड 29 जून, 2015 को लिया गया।	पूर्ण
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट	i) छत्तीसगढ़ राज्य में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्यवर्धन सुनिश्चत करना।. ii) आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र का विकास। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों की बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15525.00	2450.00	2450.00	क्षमता 3 एमटीपीए	मई, 2015	दिसम्बर, 2016	1663.75	8318.82	• • प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेज (09 सं.) : सभी प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेज प्रदान किए गए हैं। 8 प्रमुख पैकेजों के लिए स्थल पर सिविल कार्य, संरचनात्मक उत्थापन एवं उपस्कर उत्थापन संबंधी कार्य प्रगति पर हैं। लाइम और डोलोमाइट प्लांट सहायक पैकेजों (26 नग) के लिए स्थल पर सिविल कार्य चल रहा है। कुल 26 पैकेजों में से 10 नग अवार्ड किए गए और 7 नगों वाले पैकेजों के लिए टेंडर जारी किए गए (7 नग निविदा मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में हैं) और शेष 9 पैकेज (पुन:	इस्पात संयंत्र हेतु प्रचालनात्मक जल के लिए नागरनार में सबरी नदी से इस्पात संयंत्र स्थल तक जल की पाइप लाईन डालने हेतु वन संबंधी मंजूरी एवं मार्ग अधिकार

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											• निविदा प्रक्रिया के अन्तर्गत आने वाले 3 पैकेजों सहित) निविदा दस्तावेज को अन्तिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में है। • अवसंरचना पैकेज (15 नग) : कुल 15 पैकेजों में से एक पैकेज अवार्ड किया गया है। लोकोमोटिव के वेट लीजिंग सहित 6 (छ) पैकेजों के लिए निविदाएं जारी की गईं। (सभी 6 पैकेज निविदा मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में हैं) और शेष 8 पैकेज निविदा दस्तावेज को अन्तिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में हैं। समर्थकारी पैकेज (11 नग) : कुल 11 पैकेजों में से 9 पैकेज अवार्ड किए गए। (6 नग पूरे हुए और 2 नग पूरे होने वाले हैं और एक पैकेज हाल ही में अवार्ड किया गया) 2 पैकेज के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। (एक का मूल्यांकन किया जा रहा है और दूसरा खोला जाना है) • रेलवे साइडिंग पैकेज (5 नग) रेलवे साइडिंग की डीपीआर	

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											ई-को. रेलवे द्वारा अनुमोदित है। डाइवर्जन योजना ई-को. रेलवे द्वारा अनुमोदित। कुल 5 पैकेजों में से एक पैकेज पहले ही अवार्ड कर दिया गया है, 3 नग पैकेजों के लिए निविदा संबंधी जांच जारी की गई (02 निविदा मूल्यांकन के अधीन है और शेष 01 पैकेज के लिए हाल ही में एनआईटी फ्लोट किया गया है) एक पैकेज का क्रियान्वयन डिपाजिट आधार पर एनएचएआई/एनएच-पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाना है।	
4.	**मॉयल लिमिटेड**											
	चल रही स्कीम											
(i)	सेल के साथ फेरो मैंगनीज/सिल्को मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिल्को मैंगनीज के उत्पादन हेतु भिलाई में इस परियोजना की स्थापना की जाएगी।	391.00	0.25	0.25	यह परियोजना 31000 एमटी फेरो मैंगनीज और 75000 एमटी सिल्को मैंगनीज का उत्पादन करेगी।	जून, 2012	फर्नेस और सहायक उपकरणों के लिए वर्क ऑर्डर देने के बाद 24 महीने	0.00	2.10	लागू नही	निवेश में इन कारणों से देरी हुई है: (क) प्रारंभ में फर्नेश पैकेज के लिए उच्चतर ऑफर मिलना, जिसके कारण दोनों ही परियोजनाओं के लिए निविदाएं पुन:
(ii)	आरआईएनएल के साथ फेरो मैंगनीज/सिल्को मैंगनीज संयंत्र के लिए संयुक्त उद्यम	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की मांग को पूरा करने के लिए फेरो/सिल्को मैंगनीज के उत्पादन हेतु बोब्बिल में इस परियोजना की	217.00	0.25	0.25	यह परियोजना 20000 एमटी फेरो मैंगनीज और 37500 एमटी सिल्को मैंगनीज का	जून, 2012	फर्नेस और सहायक उपकरणों के लिए वर्क ऑर्डर देने के बाद 24 महीने	0.00	7.85	लागू नही	

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		स्थापना की जाएगी।				उत्पादन करेगी।						(ख) करने पड़े और (ग) पूरे भारतवर्ष में विद्युत की दरों में वृद्धि और आंध्र प्रदेश में विद्युत की कमी के कारण परियोजनाओं की समीक्षा आवश्यक हो गई। (घ) सस्ती दरों पर बिजली (जो फेरा एलॉय के उत्पादन का एक मुख्य भाग है) प्राप्त करने की संभावनाओं की तलाश की जा रही है।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय **2015-1616**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ख.	***इस्पात मंत्रालय की स्कीम***												
1	लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की स्कीम												
1(i)	(चल रही परियोजनाएं)	1. लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। 2. प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता सुधार करना। 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण (जैसेपैलेटाइजेशन)।	48.00	32.87*	0.00	0.00	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। 2) भारतीय कच्ची सामग्रियों अर्थात् निम्न ग्रेड लौह अयस्क तथा गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूट का विकास करना। 3) नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाइन (रिफ्रैक्ट्री) में	11वी पंचवर्षीय योजना 2007-12 के दौरान	एक अनवरत स्कीम के चलते यह स्कीम 12वीं योजना 2012-17 के दौरान जारी रही	0.00	32.87	इस स्कीम के तहत 8 आर एण्ड डी परियोजनाओ पर कार्रवाई की गई थी। अभी तक 6 परियोजनाएं पूरी हो चुकी है और 2 परियोजना प्रगति पर है।	**1)** अनुसंधान और विकास से संबंधित यह स्कीम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस्पात मंत्रालय में लागू की गई थी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसके मूल्यांकन तथा अनुमोदन में पर्याप्त समय लगा। **2)** ईएफसी ने इस स्कीम को नवम्बर, 2008 में अनुमोदित किया और वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम को जनवरी, 2009 में इस शर्त के साथ अंतिम रूप से मंजूरी दी कि यह स्कीम 2009-10 से लागू की जाएगी। **3)** इस्पात मंत्रालय ने संबंधित पक्षों के साथ परामर्श करके अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के चयन के लिए अनुवर्ती कारवाई की और इन्हें विशेषज्ञों के पैनल से

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2015-1616		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
							परिवर्तन प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। 4) हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। 5) भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाइम्स का बैनीफिशिएशन। 6) चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलट स्केल						मंजूर करवाया तथा फरवरी, 2010 में चार परियोजनाओं का अनुमोदन हुआ। चार और पारियोजनाओं का अनुमोदन पीएएमसी द्वारा नवम्बर, 2010 में किया गया। **4)** स्कीम के अनुमोदन तथा बाद में अलग-अलग अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के अनुमोदन में विलम्ब के कारण चार परियोनाएं केवल अप्रैल, 2010 में, दो परियोजनाएं जनवरी, 2011 में तथा शेष दो परियोजनाएं दिसम्बर, 2011 में ही शुरू हो पाईं। इसलिए यह परियोजनाएं 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पूरी नहीं हो पाईं। **5)** अब तक 5 परियोजनाएं ही पूरी हो पाई हैं तथा 2 परियोजनाएं प्रगति पर हैं जिनके 2016-17 में पूरा हो जाने की संभावना है।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2015-1616		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
							पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास। 7) प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। 8) उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाइरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले भारतीय कोयले से निम्न राखांश वाले (10 प्रतिशत राखांश) कोयले (कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।						
1(ii)	(नया घटक)	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	150.00	15.00	1.00	1.00	सीआरजीओ स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	12 योजना के दौरान	12वीं योजना के दौरान। 13वीं योजना में जारी रहेगी क्योंकि यह एक सतत स्कीम है।	0.00	0.25	डीपीआर के लिए आर्डर 20 मई, 2015 को मेकॉन को दिया गया जिसकी कुल लागत 1,37,53,302 रूपए है। इसमें से 25 प्रतिशत	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएण्टेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों तथा अन्य मूल्य वर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी विकास को स्कीम के उद्देश्य के रूप में शामिल करने के लिए

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय 2015-16		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015-दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
												निधि की व्यवस्था इस्पात मंत्रालय द्वारा की जाएगी। शेष निधि जारी की जानी है। मेकॉन ने डीपीआर पूरी कर ली है जिसे स्वीकृति हेतु हितधारकों द्वारा जांच किया जा रहा है।	नवम्बर, 2014 में एसएफसी और एचएसएम के सम्यक् अनुमोदन से अनुसंधान और विकास स्कीम का संशोधन हुआ है।
1(iii)	नई परियोजनाएं	1. भारतीय लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना 2. प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बेनेफिशिएशन तथा मिश्रण (जैसे- पैलेटाइजेशन) 4. लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय पर	2.00	17.13#	14.00	14.00	1. प्रमुख फेरूजीनस रॉ मैटेरियल के रूप में डीआरआई का उपयोग करते हुए इंडक्शन फर्नेश रूट के जरिए निम्न फासफोरस वाले इस्पात का उत्पादन एक औद्योगिक मूल्यांकन 2. कोक ओवन बैटरी के कोक हैंडलिंग प्लांट में इष्टतम कोयले के मिश्रण के लिए स्वचालित प्रणाली का विकास 3) राजस्थान के लो	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी. यह स्कीम जारी रहेगी।	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी. यह स्कीम जारी रहेगी।.	8.55	10.33	17 फरवरी, 2014 और 8 दिसम्बर, 2014 को संपन्न हुई अपनी बैठक में पीएएमसी द्वारा दो नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है। सितम्बर 2015 में परिचालित करके पीएएमसी द्वारा दो और अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का अनुमोदन किया	लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय को इस स्कीम के उद्देश्य के रूप में अनुसंधान एवं विकास में शामिल करने के लिए नवम्बर, 2014 में एसएफसी एवं एचएसएम के सम्यक अनुमोदन से अनुसंधान एवं विकास स्कीम का संशोधन हुआ है।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत		अनुमोदित परिव्यय **2015-16**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,2015- दिसम्बर, 2015 के लिए	दिसम्बर, 2015 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
		अनुसंधान एवं विकास संबंधी कार्रवाई करना					ग्रेड कोयले से मिल स्केल पर सीधी कटौती के जरिए लोहे का किफायती उत्पादन। 4) फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग के द्वारा सुपर क्रिटिकल/अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट के लिए इस्तेमाल किए जाने हेतु नेक्स्ट जेनरेशन हाई टेम्परेचर मैटीरियल को जोड़ने की प्रक्रिया विकसित करना।					गया है। ये परियोजनाएं प्रगति पर हैं।	

*चूंकि चालू परियोजनाओं के लिए और अधिक व्यय की जरूरत नहीं है, इसलिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में आवंटन 48 करोड़ रुपए से घटाकर 32.87 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

12वीं पंचवर्षीय योजना में नई परियोजनाओं के लिए आवंटन 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 17.13 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

****

प्रक्षेपित निष्कर्ष/लक्ष्यों 2014-15 की तुलना में वास्तविक उपलब्धियॉं

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	**50.00 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली अनुमानित/स्वीकृत स्कीमें**											
1.	**<u>स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)</u>**											
(क)	**भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी)**											
(i)	सीओबी-9 की कोल्ड रिपेयर	कोक की मांग में कमी को पूरा करना तथा कोक ओवन गैस के संतुलन को स्थिर करना एवं उत्सर्जन स्तर को घटाना	359.78 (332.65)	100.00	60.00	उत्पादन को बेहतर बनाना और पर्यावरण तथा वन मंत्रालय के नवीनतम प्रदूषण निवारण मानकों को प्राप्त करना।	अगस्त,14	जून, 2015	70.38	172.77	बैटरी हीटिंग 28.8.15 को शुरू हुई। बैटरी का तापमान (वर्टीकल फ्लो) लगभग 750 ओसी पर बनाए रखा जा रहा है जोकि क्वेंचिंग टावर, कोल टावर और कोक वार्फ क्षेत्र में बाकी कार्यों के कारण है।	अब फरवरी, 2016 के लिए पुन: कार्यक्रम निर्धारण किया गया है। वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	बीएसपी का विस्तार	अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए तप्त धातु एवं क्रूड इस्पात के उत्पादन में वृद्धि करना; निम्न उत्पादन तथा ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, परिसज्जित इस्पात उत्पादन को बढ़ाकर सेमिज को घटाना;	18847.00 (17266.00)	2960.00	1839.72	तप्त धातु की क्षमता 4.08 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.5 एमटीपीए करना	मार्च,13	सितम्बर,' 2015 (एक कनवर्टर और दो कास्टर)	1808.27	14300.13	पूरी की गई प्रमुख सुविधाएं • ओर हैंडलिंग प्लांट (ओएचपी) –क • एसपी-III में दूसरी सिंटर मशीन • आक्सीजन प्लांट (बीओओ आधार)	एक कनवर्टर और 3 कास्टर के साथ अब अक्तूबर, 2016 के लिए पुन: कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ 7	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		उच्चतर लोचता एवं लाभप्रदता के लिए उत्पाद मिश्र को बढ़ाना एवं मूल्यवर्धन करना; भारतीय रेलवे की अपेक्षओं को पूरा करना।									• आक्सीजन प्लांट (बीओओ आधार) • सीओबी – 11	
(iii)	बीएफ-4 के लिए स्टोव्स का उन्नयन	अनुषंगी फ्यूल इंजेक्शन के इंजेक्शन में बढ़ोत्तरी करने, कोक दर में कमी करने के लिए उच्चतर एचबीटी प्राप्त करना।	75.95 (70.65)	10.00	20.00	1200^{0}सी एचबीटी प्राप्त करना	दिसम्बर, 14	बंद करने से लिंक्ड	19.31	19.31		वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
2	**दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी)**											
(i)	दुर्गापुर स्टील प्लांट का विस्तार	ऊर्जा गहन इकाइयों को समाप्त करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, सेमिज में कमी और तप्त धातु क्षमता में वृद्धि करना	3164.00 (2875.00)	588.00	414.70	तप्त धातु की क्षमता 2.09 एमटीपीए से बढ़ाकर 2.45 एमटीपीए करना	दिसम्बर, 2012	मार्च 2015	413.91	2567.13	पूर्ण की गई प्रमुख सुविधाएं : • आरएमएचपी का बैरल टाइप रिक्लेमर • सीओबी -2 का पुनर्निर्माण • न्यू लैडल फर्नेस • ब्लूम कम राउन्ड कास्टर मीडियम स्ट्रक्चरल मिल	**जून, 2015 में पूर्ण** वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	सीओबी-5 का पुनर्निर्माण	कोक की मांग में कमी को पूरा करने के साथ-साथ कोक ओवन गैस बैलेंस का स्थिरीकरण	339.35 (313.05)	125.00	102.39	उत्पादन में सुधार हुआ और नीवनतम प्रदूषण मानकों को प्राप्त	जून, 2015	जून, ' 2015)	121.95	205.93	दिनांक 27.08.15 को बैटरी हिटिंग शुरू	अब फरवरी, 2016 के लिए पुन: कार्यक्रम निर्धारित किया गया।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं 7	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		और उत्सर्जन स्तर को घटाना।				किया गया।					की गई।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
3.	**राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी)**											
(i)	बीएफ-4 में कोल डस्ट इंजेक्शन प्रणाली	कोक दर में कमी के लिए आर फर्नेश उत्पादकता में सुधार के लिए तकनीकि आवश्यकता	70.71 (66.02)	2.46	6.25	1:1 के आधार पर पुलविराइज्ड कोल के साथ कोक की प्रतिस्थापना। ब्लास्ट फर्नेश में 120 कि.ग्रा./ टीएचएम कोल इंजेक्शन दर ।	अक्तूबर, 2008	जनवरी, 2015	1.67	59.58	एकीकृत कोल्ड परीक्षण सहित सभी कार्य पूर्ण है। हॉट परीक्षण किया जाना है।	पूर्ण
(ii)	आरएसपी का विस्तार	आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये हॉट मेटल और क्रूड स्टील के उत्पादन में बढ़ोत्तरी, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, और अधिक मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन, ऊर्जा खपत और पर्यावरण में सुधार तथा उत्पादन लागत में कमी	12922.00 (11812.00)	1789.68	1600.00	हॉट मेटल क्षमता में 2.00 एमटीपीए से 4.5 एमटीपीए बढ़ोत्तरी	मार्च, 2013	दिसम्बर, 2014	957.29	11827.46	एकीकृत प्रक्रिया रूट के तहत सभी नई सुविधाएं परिचालित है।	पूर्ण
(iii)	सीओबी-3 का पुनर्निर्माण	4.5 एमटीपीए तप्त धातु उत्पादन के लिए कोक की आवश्यकता पूरी करना और उत्सर्जन स्तरों को कम	258.53 (237.09)	85.00	96.06	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण	जनवरी, 2015	अगस्त,' 2015)	123.55	155.48	दिनांक 13.08.15 को बैटरी हिटिंग शुरू की गई।	अब मई, 2016 के लिए समय कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ 7	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		करना।				के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।						की गई है।
(iv)	हीट ट्रीटमेंट सुविधाओं की स्थापना	प्रतिरक्षा तथा सामरिक महत्व के अन्य क्षेत्रों के लिए क्वेंच्ड और टेम्पर्ड प्लेटों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करना।	178.73 (160.48)	80.00	122.57	12000 टन का अतिरिक्त उत्पादन	सितम्बर 2014	जून,2015)	100.02	143.50	--	अब जनवीरी, 2016 के लिए समय कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
4	**बोकारो स्टील प्लांट (बीएसपी**											
(i)	बीएसएल का विस्तार	तप्त धातु उत्पादन में वृद्धि करना, ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकी लगाना, अतिरिक्त कोल्ड रोलिंग की क्षमता संस्थापित करने के साथ मूल्यवर्धित कोल्ड रोल्ड उत्पादों के लिए हॉट रोल्ड क्वायल्स की उच्च मात्रा का रूपांतरण करना।	6951.00 (6325.00)	642.00	533.86	1.2 एमटीपीए का नया कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्पलैक्स और तप्त धातु का उत्पादन 4.59 से 5.77 एमटीपीए बढ़ाना।	दिसम्बर, 2011	मई, 2015)	505.94	5097.28	मुख्य सुविधाएं सितम्बर, 2015 में पूर्ण हो चुकी है। • सीओबी संख्या 1 और 2 को पुनर्निमाण • बीएफ सं.2 का उन्नयन • नई कोल्ड रोलिंग मिल कंप्लैक्स • बीएफ-3 के कास्ट हाउस संख्या 6 और बीएफ 2 का संख्या 3 स्लैग ग्रेन्यूलेशन प्लांट पूर्ण हो चुका है। , हॉट स्ट्रीप मिल	शेष हॉट स्ट्रीप मिल उन्नयन के लिए: • सभी प्री शट डाउन गतिविधियॉं पूर्ण हो चुकी है और अंतिम रूप से पूर्ण होने का कार्य मिल के शट डॉउन पर निर्भर करता है। • चूंकि बीएसएल के सम्पूर्ण क्रूड स्टील के उत्पादन की प्रोसेसिंग हॉट स्ट्रीप मिल के जरिये की जाती है अत: शट डॉउन सोच विचार कर किया जा रहा है ताकि उन्नयन का कार्य न्यूनतम उत्पादन हानि के साथ पूरा हो सकें।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											के रफिंग स्टैंड्स का उन्नयन	• दिनांक 24.07.15 को शट डॉउन किया गया और पहली क्वायल किरोलिंग दिनांक 30.09.15 को की गई।
(ii)	सीओबी-7 का पुनर्निर्माण	कोक मांग और CO गैस की कमी को पूरा करना और अद्यतन सांविधिक उत्सर्जन मानदण्डों का अनुपालन करना	265.50 (245.67)	0.00	48.00	उत्पादन बेहतर बनाना तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रदूषण नियंत्रण के आधुनिक मानकों को प्राप्त करना।	मई,16	मई, 16	25.40	32.31	--	--
5	**इस्को स्टील प्लॉट**											
(i)	**आइएसपी का विस्तार**	2.7 एमटीपीए हॉट मेटल, 2.5 एमटीपीए क्रूड स्टील और 2.37 एमटीपीए बिक्रेय स्टील के उत्पादन हेतु सुविधाओं की एक नई स्ट्रींम स्थापित करना।	17960.59 (16408.00)	1244.00	1178.94	2.91 एमटीपीए हॉट मेटल, 2.5 एमटीपीए क्रूड स्टील और 2.37 एमटीपीए बिक्रेय स्टील	दिसम्बर, 10	दिसम्बर,14	1233.87	17021.74	एकीकृत प्रक्रिया रूट के तहत सभी सुविधाएं परिचालित है।	पूर्ण
6	**कच्चा माल प्रभाग**											
(i)	मेघाहाताबुरू लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी	125.78 (118.85)	12.86	12.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.3 एमटीपीए से	जून, ' 2012	अक्तूबर, 2015	10.57	75.94	क्रशिंग सेक्शन विद्युत आपूर्ति को बढ़ाना	अब दिसम्बर, 2016 के लिए समय कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। वर्ष 2015-16 में इस

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय **2014-15**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		आवश्यकता				6.50 एमटीपीए करना					लोडिंग सेक्शन का उन्नयन वेगॉन लोडर के तीन नग क्लासिफायर्स का उत्थापन	परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	बोलानी लौह अयस्क खान की उत्पादन क्षमता में वृद्धि	सेल के विस्तार के पश्चात आवश्यकता की पूर्ति के लिए लौह अयस्क में वृद्धि करने संबंधी तकनीकी आवश्यकता	275.28 (254.55)	52.71	20.00	परिसज्जित उत्पाद की क्षमता को 4.1 एमटीपीए से 10 एमटीपीए करना	नवम्बर, 2013	जून, ' 2015	19.12	123.28	संयंत्र में वृद्धि का कार्य पूर्ण हो चुका.	मई,'15 में पूर्ण वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
7	**चन्द्रपुर फैरो एलॉय प्लांट**											
(i)	1x45 एमवीए सब-मर्जड आर्क फर्नेस की स्थापना	एचसीएफईएमएन और एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	203.85 (187.33)	23.00	45.00	स्टैंडएलोन बेसिस पर 37500 टन एचसीएफईएमएन और 35000 टन एच अथवा 60,000 टन एचसीएसआईएमएन का अतिरिक्त उत्पादन	अक्तूबर, 2013	अगस्त, 2016	29.56	149.44		अब जून, 2016 के लिए समय कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय **2014-15**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14- मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2.	**राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)**											
	चल रही स्कीमें											
(i)	एएमआर स्कीमें	संयंत्र की अच्छी देखरेख बनाए रखना	100.00	60.00	60.00	उपस्करों के अच्छे रख-रखाव को बनाए रखना और संयंत्र की कार्यशील जीवन के संदर्भ में उत्पादन/उत्पादकता के वर्तमान स्तर को बनाए रखना।	जारी	___	45.75	_		वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	अनुसंधान एवं विकास स्कीमें	उत्पादकता बढ़ाना/लागत कम करना/नए उत्पादों का विकास	--	15.00	15.00	विद्यमान प्रौद्योगिकी संबंधी विकास, अन्वेषणात्मक अध्ययनों के जरिए प्रचालन संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान के साथ समस्या का समाधान, लागत कम करने/ उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रक्रिया संबंधी पैरामीटरों का विफलता विश्लेषण और महत्वपूर्ण परीक्षण	जारी	___	33.09	_		वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड रुपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय **2014-15**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iii)	सीओबी-4(फेज-II)	सीओबी-4 का स्वतंत्र बैटरी के रूप में परिचालन करना और उप उत्पाद की रिकवरी में वृद्धि करना।	355.30	38.00	30.00	एक स्वत्रंत बैटरी के रूप में सीओबी-4 का प्रचालन करना। उतोत्पादों की रिकवरी में बढ़ोत्तरी	उतोत्पाद संयंत्र अक्तूबर, 2012 कुल हैण्डलिंग प्लांट : फरवरी, 2010	दिसम्बर, 2014	15.86	272.81	0	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(iv)	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए विस्तार	संयंत्र की क्षमता बढ़ाना	12291.00	400.00	470.00	लिक्विड स्टील का 6.3 एमटीपीए तक उत्पादन बढ़ाना.	28-10-2005 /जून, ,2011 से चरणों में 36/48 माह	अप्रैल, 2015. (पूर्ण)	492.53	11285.19	ईकाइयों की कमिशनिंग हो चुकी है और ये स्थिरीकरण के विभिन्न चरणों के अधीन है।.	___
(v)	बीएफ-1 और बीएफ-2 के लिए पुल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन प्रणाली	कम महंगे पुल्वेराइज्ड कोल वाले महंगे बीएफ कोक की खपत में कमी के लिए इंजेक्शन सिस्टम	133.00	15.00	15.00	तप्त धातु का उत्पादन बढ़ाना। तप्त धातु के उत्पादन की लागत कम करना।	सितम्बर, '09	वर्ष 2014-15 की चौथी तिमाही	5.75	106.79	बीएफ-1 में पीसीआई प्रणाली परिचालन में है। बीएफ-2 की मरम्मत के पश्चात् बीएफ-2 में पीसीआई प्रणाली की कमिंशनिग की योजना है।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(vi)	लौह अयस्क खानों और कोयला खानों का अधिग्रहण	कच्चे माल के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और लागत में कमी करना।	500.00	20.00	30.00	आरआईएनएल/ वीएसपी के पास कोकिंग कोल/लौह अयस्क के लिए निजी स्रोत नहीं हैं और परिव्यय में खानों का अधिग्रहण	जारी	___	0.00	0.28	बनेरा खान : राजस्थान सरकार ने बनेरा जिला भीलवाड़ा में 5 नवम्बर, 2015 को जन सुनवाई की है। जन सुनवाई की	___

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						करना शामिल हैं।					कार्यवाही में दिए गए सुझावों के अनुसार ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट को अद्यतन किया जा रहा है। इसे अद्यतन करने के उपरान्त अन्तिम ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट पर्यावरण स्वीकृति के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। जहाजपुर खान : इस मामले पर एमएमडीआर अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अनुसार आरआईएनएल के पक्ष में यह ब्लॉक आरक्षित किए जाने हेतु खान मंत्रालय, भारत सरकार के साथ कार्रवाई की जा रही है।	
(vii)	लौह अयस्क भंडारण के लिए सुविधाएं	लौह अयस्क भण्डारण सुविधा बढ़ाना	450.00	40.00	34.00	लौह अयस्क भंडारण सुविधा 30 दिन के लिए बढ़ेगी।	मई, 2012	जून, 2015	65.72	375.17	स्टाकिंग और रिक्लेमिंग स्ट्रीम्स मौजूदा टिपलिंग सिस्टम के साथ प्रचालन में हैं।.	—

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(viii)	एपीट्रांस्को की 220 केवी प्रणाली को मजबूत करना	400 एमवीए विद्युत के प्रारेषण हेतु बीएसपी में एपी विद्युत ग्रिड और आंतरिक प्रणाली को मजबूत करना।	86.34	5.00	5.00	विस्तार पर आरआईएनएल के लिए 400 एमवीए की संविदागत मांग को बढ़ाने में मजबूत करना।	सितम्बर,' 12	चरण-1 का कार्य पूण हो चुका है.	0.00	63.33	चरण-1 का कार्य पूण हो चुका है। (400/220 केवी सबस्टेशन की स्थापना संबंधी मॉडिलिटीज को अंतिम रूप दिया जा रहा है)	—
(ix)	400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए 220केवी विद्युत प्रणाली को बढ़ाना	विस्तार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 400एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए सब स्टेशन आदि जैसी बीएसपी की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत करना।	58.10	15.00	15.00	बीएसपी पर 400 एमवीए विद्युत की प्राप्ति के लिए बढ़ोत्तरी करना	अगस्त, 2011	सिस्टम तैयार है एपी ट्रांस्को की ओर से कमिश्निंग का कार्य प्रगति पर है।	10.96	45.47	यह सिस्टम हर तरीके से तैयार है और एपीट्रांस्को की ओर से उनके अपने कार्य का परीक्षण एवं कमीशनिंग हो रही है।	—
(x)	बीएफ-1 और 2 कैटेगरी मरम्मत	कैटेगरी-I बड़े पैमाने पर मरम्मत करना तथा विद्यमान 3200 घन मीटर क्षमता को बढ़ाकर 3800 घन मीटर करना।	1663.00	350.00	200.00	0.5 एमटी तक उत्पादन बढ़ाकर हॉट मेटल का उत्पादन 2 एमटी से 2.5 एमटी करना।	बीएफ-1: दिसम्बर, 2012 बीएफ-2: जुलाई, ' 2015	बीएफ-1: जुलाई,' 2014 (कमीशन हो चुकी है) बीएफ-2: वर्ष 2015 की चौथी तिमाही	356.63	712.78	ब्लस्ट फर्नेस-1 : 30 जुलाई, 2014 को कमिशनिंग की गई। ब्लास्ट फर्नेश-।। के लिए संशोधित कार्यक्रम निर्धारण वर्ष 2016-17 की प्रथम तिमाही/दूसरी तिमाही है। फर्नेस की कैटेगरी -। कैपिटल मरम्मत वर्ष 2015-16 की अंतिम तिमाही में प्रारम्भ होगी और 2016-17 की प्रथम तिमाही /दूसरी तिमाही में पूर्ण होगी।	

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14 -मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xi)	सिंटर प्लांट की उपत्पादकता में वृद्धि	बीएफ की मात्रा में वृद्धि के अनुरूप सिंटर के उत्पादन में वृद्धि करना। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	343.00	25.00	1.00	सिन्टर का उत्पादन 5.5 एमटी से 6.8 एमटी बढ़ाना	अक्तूबर, 2016	अक्तूबर, 2016	22.51	23.52	सिविल कार्य प्रगति पर है। लम्बे लीड वाले महत्वपूर्ण उपस्कर जैसे पेलेट कार के आर्डर किए जा चुके हैं। यूराल माश के आपूर्ति की प्रथम पोतलदान कार्य पूरा हुआ। यूनिट 2017-18 की प्रथ्म तिमाही तक पूरी किए जाने हेतु निर्धारित है।	—
(xii)	एसएमएस कंवर्टर का पुनरूद्धार	3 कनवर्टरों की विश्वसनीयता में सुधार करना क्योंकि मौजूदा उपस्करों का अनुमानित जीवनकाल लगभग पूरा हो चुका है। यह वर्तमान प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों को पूरा करने के लिए है।	404.16	25.00	140.00	0.97 एमटी तक इस्पात के उत्पादन को बढ़ाना	जुलाई, '15	कनवर्टर-1 के लिए 2015-16 की चौथी तिमाही	142.28	144.33	पहले कन्वर्टर की रिवाम्पिंग 7 सितम्बर, 2015 से शुरू हुई है और इसे फरवरी 2016 तक पूरे हो जाने की संभावना.	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(xiii)	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर	तीसरा कनवर्टर और चौथा कास्टर लगा कर उत्पादित अतिरिक्त तप्त धातु को इस्पात में परिवर्तित करना (मौजूदा 2 धमन भट्टियों की केटगरी 1 मरम्मत के पश्चात)	975.00	150.00	100.00	0.97 एमटी तक इस्पात के उत्पादन को बढ़ाना	तीसरा कनर्वटर: जुलाई, 2015 चौथा कास्टर: जुलाई, 2016	तीसरा कनवर्टर 2015-16 की चौथी तिमाही चौथा कास्टर जुलाई, 2016	69.01	69.15	तीसरे कन्वर्टर : निर्माण कार्य पूरा हुआ और उपस्कर लगाने का कार्य प्रगति पर है। चौथा कास्टर : सभी प्रमुख आपूर्ति संबंधी आर्डर किए गए। सिविल और स्ट्रक्चरल निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। .	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(xiv)	विद्युत संयंत्र-।।	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करके अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता को पूरा करना, जो कि अन्यथा पर्यावरण में उड़ जाएंगी।	677.00	100.00	220.00	हल्के उप उत्पाद गैसों का इस्तेमाल करना जो अन्यथा वातावरण में उड़ जाएंगी। यह परियोजना ग्रीन हाऊस गैस (जीएचजी) के वातावरण में उत्सर्जन को कम करने के एक-मात्र विचार से शुरू की गई है। हालांकि आरआईएनएल की 120 मेगावाट तक विद्युत आवश्यकता को इससे पूरा किया जा रहा है, जिससे कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सके।.	सितम्बर, 2013	मई,' 2015	213.12	509.41	--	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(xv)	एक्सल प्लॉट	न्यू जलपाईगुड़ी, पं. बंगाल में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों के निर्माण के लिए सुविधा की स्थापना करना।	513.00	5.00	5.00	न्यू जलपाईगुड़ी, पं. बंगाल में एक्सल और अन्य संबंधित उत्पादों की निर्माण ईकाई की उपयुक्त क्षमता की	रेलवे के साथ करार के बाद 40 माह	संविदा की प्रभावित तिथि से 24 माह (मुख्य पैकेज हेतु)	2.00	2.11	रेलवे के साथ लगातार अनुवर्ती कार्रवाई के बाद मुख्य सलाहकार (लागत), एमओएफ से दिनांक 19.11.2015 को ड्राफ्ट ऑफ टेक करार के लिए बातचीत की गई। प्रमुख	—

(*करोड़ रूपये में*)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14- मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
						स्थापना करना।.					मसलों का समाधान कर दिया गया है। फरवरी, 2016 में सुनिश्चित करार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।	
(xvi)	फोर्ज्ड व्हील प्लांट	लालगंज, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में फोर्ज्ड व्हील के विनिर्माण के लिए सुविधा की स्थापना करना	1170.00	70.00	70.00	रेलवे के लिए 100000 व्हीलों का निर्माण करना .	संविदा की प्रभावी तिथि से 36 माह	संविदा की प्रभावी तिथि से 30 माह (मुख्य पैकेज के लिए))	16.05	16.16	मुख्य पैकेज : परिणामी एक मात्र निविदाकर्ता द्वारा बताई गई कीमत पर बातचीत चल रही है।.	—
(xvii)	टीपीपी और बीएच में अतिरिक्त स्टीम टरबाईन चालित ब्लोअर टीबी-5 की स्थापना	टीबी-1, 2, 3 में आधुनिकीकरण का कार्य चलने की स्थिति में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक स्टैंडबाई के रूप में स्थापना करना।	280.52	50.00	25.00	यदि वर्तमान टरबाईनों में आधुनिकीकरण/ अनुरक्षण का कार्य चल रहा हो तो बीएफ-1 और बीएफ-2 में कोल्ड ब्लास्ट की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीबी-5 की स्थापना करना।	सितम्बर, 16	सितम्बर, '16	2.00	2.00	भेल द्वारा स्टीम टर्बाइन तैयार की जा रही है । .	—
(xviii)	एसएलटीएम	1 एमटी अतिरिक्त द्रव इस्पात का उपयोग करना जिसका उत्पादन विद्यमान ब्लॉस्ट फर्नेसों /कनवर्टरस् /कास्टरस् की मरम्मत /उन्नयन के	2512.00	10.00	1.00	5 1/2 " से 18" ओडी की रेंज में 4,00,000 टीपीए सीमलैस ट्यूब्स का उत्पादन करना	--	_	0.00	1.12	लंबित रखा गया है।	__

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14- मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		पश्चात् होगा।										
(xix)	कोक ओवन बैटरी नं.5	6.3/7.3 एमटीपीए स्टेज के लिए कोक की आवश्यकताओं और गैस बैलेंस को पूरा करना	2853.00	25.00	25.00	0.82 एमटीपीए कुल कोक का उत्पादन करना.	मुख्य पैकेज के आवंटन से 29 माह	–	61.18	65.17	पहले से ही आर्डर किए गए पैकेजों अर्थात् कोक ड्राई कूलिंग प्लांट, 14 मेगावाट पावर प्लांट, स्टाकर कम रिक्लेमर, वेगॉन टिपलर और कार पुशर, मुख्य बैटरी पैकेट और कोल एंड कोक हैंडलिंग सिस्टम के इंजीनियरिंग का कार्य प्रगति पर है। एक बोलीदाता के अभ्यावेदन की जांच आईईएमएस द्वारा की जा रही है।	—
3.	**<u>एनएमडीसी लिमिटेड</u>**											
(i)	बैलाडिला निक्षेप-11बी	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	607.18	15.00	15.00	7 एमटीपीए क्षमता	मार्च, 2012	मार्च, 2015	17.18	386.96	निर्माण कार्य पूरे हुए और एकीकृत लोड ट्रायल 29 मार्च, 2015 को किया गया।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(ii)	कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना	लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना।	898.55	80.00	80.00	7 एमटीपीए क्षमता	मई, 2013	अगस्त, 2015	87.75	379.57	क्रिशंग प्लांट का लोड ट्रायल 25.5. 2015 को किया गया। डाउन हिल कन्वेयर लोड ट्रायल 31.8.2015को किया गया।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।
(iii)	दौणिमल्लै में पैलेट संयंत्र	पैलेट उत्पादन के क्षेत्र में कार्यों का विस्तार करना	572.00	60.00	60.00	1.2 एमटीपीए क्षमता	अप्रैल, 2013	जून, 2015	71.96	451.58	बेनिफिशिएशन प्लांट के फाइन्स सक्रिट के साथ एकीकृत लोड 29 जून, 2015 को लिया गया।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(*करोड़ रूपये में*)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय **2014-15**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
(iv)	नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता वाला स्टील प्लांट	i) छत्तीसगढ़ राज्य में निकाले गए लौह अयस्क में मूल्यवर्धन सुनिश्चत करना।. ii) आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र का विकास। iii) विशेष रूप से भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों की बढ़ रही मांग को आंशिक रूप से पूरा करना। iv) व्यापार वृद्धि के लिए उपलब्ध निधियों का निवेश।	15525.00	2280.00	2280.00	3 एमटीपीए क्षमता	मई, 2015	दिसम्बर, 2016	2424.63	6655.07	• प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेज (09 सं.) : सभी 09 प्रमुख प्रौद्योगिकी पैकेज प्रदान किए गए हैं। 8 प्रमुख पैकेजों के लिए स्थल पर सिविल कार्य, संरचनात्मक उत्थापन एवं उपस्कर उत्थापन संबंधी कार्य प्रगति पर हैं। • लाइम और डोलोमाइट प्लांट के लिए स्थल पर सिविल कार्य चल रहा है। • सहायक पैकेज(26 नग) ; कुल 26 पैकेजों में से 10 नग अवार्ड किए गए और 7 नगों वाले पैकेजों के लिए टेंडर जारी किए गए (7 नग निविदा मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में हैं) और शेष 9 पैकेज (पुन: निविदा प्रक्रिया के अन्तर्गत आने वाले 3 पैकेजों • सहित) निविदा दस्तावेज को अन्तिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में है।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(*करोड़ रूपये में*)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित/ मंजूर लागत	अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
				बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14- मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
											• अवसंरचना पैकेज (15 नग) : कुल 15 पैकेजों में से एक पैकेज अवार्ड किया गया है। लोकोमोटिव के वेट लीजिंग सहित 6 (छ) पैकेजों के लिए निविदाएं जारी की गईं। (सभी 6 पैकेज निविदा मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में हैं) और शेष 8 पैकेज निविदा दस्तावेज को अन्तिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में हैं। समर्थकारी पैकेज (11 नग) : कुल 11 पैकेजों में से 9 पैकेज अवार्ड किए गए। (6 नग पूरे हुए और 2 नग पूरे होने वाले हैं और एक पैकेज हाल ही में अवार्ड किया गया) 2 पैकेज के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। (एक का मूल्यांकन किया जा रहा है और दूसरा खोला जाना है) • रेलवे साइडिंग पैकेज (5 नग) रेलवे साइडिंग की डीपीआर ई-को. रेलवे द्वारा अनुमोदित है। डाइवर्जन योजना ई-को. रेलवे द्वारा अनुमोदित। कुल 5 पैकेजों में से 01 पैकेज पहले ही अवार्ड कर दिया गया है, 3 नग पैकेजों के लिए निविदा संबंधी जांच जारी की गई (02 निविदा मूल्यांकन के अधीन है और शेष 01 पैकेज के लिए हाल ही में एनआईटी फ्लोट किया गया है)	

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित /स्वीकृत लागत		अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ख.	***इस्पात मंत्रालय की स्कीम***												
1(i)	*लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के उन्नयन हेतु स्कीम*	(चल रही परियोजनाएं) 1. लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना। 2. प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता सुधार करना। 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बैनीफिकेशन और मिश्रण (जैसेपैलेटाइजेशन)।).	48.00	32.87*	6.00	0.00	1) गहरी बैनिफिशिएशन के जरिए सिंटर उत्पादकता में सुधार करना तथा निम्न ग्रेड लौह अयस्क एवं चूरे का युक्तिसंगत उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों का सम्मिश्रण करना। 2) भारतीय कच्ची सामग्रियों अर्थात् निम्न ग्रेड लौह अयस्क तथा गैर कोकिंग कोल के संदर्भ में लौह/इस्पात निर्माण के वैकल्पिक पूरक रूट का विकास करना। 3) नवाचारी फ्लक्स और/अथवा डिजाइन (रिफ्रैक्ट्री) में परिवर्तन प्रेरण भट्टी रूट के माध्यम से डीआरआई का उपयोग करते हुए निम्न फास्फोरस इस्पात का उत्पादन करना। 4) हाइड्रोजन प्लाज्मा और कार्बनडाइऑक्साईड	11वी पंचवर्षीय योजना 2007-12 के दौरान	एक अनवरत स्कीम के चलते यह सृकीम 12वीं योजना 2012-17 के दौरान जारी रही.	0.00	32.87	इस स्कीम के तहत 8 आर एण्ड डी परियोजनओ पर कार्रवाई की गई थी। अभी तक 6 परियोजनाएं पूरी हो चुकी है और 2 परियोजना प्रगति पर है।.	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित /स्वीकृत लागत		अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14- मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
							उत्सर्जन की समाप्ति के द्वारा लौह अयस्क/चूरे की स्मैल्टिंग रिडक्शन। 5) भारत में बरसुआ तथा अन्य खानों से लौह अयस्क स्लाइम्स का बैनीफिशिएशन। 6) चूरे की बदलती डिग्री के साथ भारतीय गोथेटिक/हेमेटाइटिक अयस्क के लिए पायलट स्केल पैलेटाइजेशन प्रौद्योगिकी का विकास। 7) प्रक्रिया इष्टतमीकरण द्वारा लौह एवं इस्पात उत्पादन में कार्बनडाइआक्साईड की कमी करना। 8) उच्च सल्फर वाले नार्थ ईस्ट कोल के डिसल्फाइरेजेशन सहित उच्च राखांश वाले भारतीय कोयले से निम्न राखांश वाले (10 प्रतिशत राखांश) कोयले (कोकिंग/गैर कोकिंग) का उत्पादन।						

करोड रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित /स्वीकृत लागत		अनुमोदित परिव्यय 2014-15		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षो के संदर्भ में उपलब्धियॉं	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1(ii)	(नया घटक)	कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरियंटिड (सीआरजीओ) स्टील शीट्स और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	150.00	150.00	12.00	0.50	सीआरजीओ स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करना।	12 योजना के दौरान	12वीं योजना के दौरान। 13वीं योजना में जारी रहेगी क्योंकि यह एक सतत स्कीम है।	0.25	0.25	डीपीआर के लिए आर्डर 20 मई, 2015 को मेकॉन को दिया गया जिसकी कुल लागत 1,37,53,302 रूपए है। इसमें से 25 प्रतिशत निधि की व्यवस्था इस्पात मंत्रालय द्वारा की जाएगी। शेष निधि जारी की जानी है। मेकॉन ने डीपीआर पूरी कर ली है जिसे स्वीकृति हेतु हितधारकों द्वारा जांच किया जा रहा है।	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

(करोड़ रूपये में)

सं0	पीएसयू का नाम तथा योजना/ कार्यक्रम	लक्ष्य /निष्कर्ष	अनुमानित /स्वीकृत लागत		अनुमोदित परिव्यय **2014-15**		मात्रात्मक सुपुर्दगीयोग्य/ प्रक्षेपित निष्कर्ष	प्रक्षेपित समय सीमा		वास्तविक व्यय		कॉलम 7 में प्रक्षेपित निष्कर्षों के संदर्भ में उपलब्धियाँ	टिप्पणियां /जोखिम घटक
			मूल	संशोधित	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान		मूल	अब प्रत्याशित	अप्रैल,14-मार्च, 15 के लिए	मार्च, 15 तक संचित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1(iii)	नई परियोजनाएं	1. भारतीय लौह अयस्क चूरे और गैर कोकिंग कोल के उपयोग के लिए नवाचारी/नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना 2. प्रेरण भट्टी रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना 3. लौह अयस्क, कोल आदि जैसी कच्ची सामग्रियों का बेनेफिशिएशन तथा मिश्रण (जैसे- पैलेटाइजेशन) 4. लौह एवं इस्पात क्षेत्र से संबंधित राष्ट्रीय महत्व के किसी अन्य विषय पर अनुसंधान एवं विकास संबंधी कार्रवाई करना	2.00	17.13#	2.00	7.50	1. प्रमुख फेरूजीनस रॉ मैटेरियल के रूप में डीआरआई का उपयोग करते हुए इंडक्शन फर्नेश रूट के जरिए निम्न फासफोरस वाले इस्पात का उत्पादन एक औद्योगिक मूल्यांकन 2. कोक ओवन बैटरी के कोक हैंडलिंग प्लांट में इष्टतम कोयले के मिश्रण के लिए स्वचालित प्रणाली का विकास	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी. यह स्कीम जारी रहेगी।	12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान। 13वीं पंचवर्षीय योजना में भी. यह स्कीम जारी रहेगी।.	1.78	1.78	17 फरवरी, 2014 और 8 दिसम्बर, 2014 को संपन्न हुई अपनी बैठक में पीएएमसी द्वारा दो नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है।. ये परियोजनाएं प्रगति पर हैं। .	वर्ष 2015-16 में इस परियोजना की समीक्षा की गई है।

*चूंकि चालू परियोजनाओं के लिए और अधिक व्यय की जरूरत नहीं है, इसलिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में आवंटन 48 करोड़ रुपए से घटाकर 32.87 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

12वीं पंचवर्षीय योजना में नई परियोजनाओं के लिए आवंटन 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 17.13 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव है।

$ आर एण्ड डी स्कीम के लिए कुल 200 करोड़ रूपये का आवंटन यथावत रहा है।.

****

अध्याय - V

वित्तीय समीक्षा

वर्ष 2016-17 की मांग संख्या 86 को बजट सत्र के दौरान इस्पात मंत्रालय की ओर से ससंद में प्रस्तुत किया जाएगा । इस मांग में इस्पात मंत्रालय के लिए योजना/ गैर योजना व्यय और इनके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी उपक्रमों के योजना व्यय शामिल हैं।

1. वर्ष 2016-17 में निधि की कुल आवश्यकता

बजट अनुमान 2016-17 में मांग संख्या 86 में शामिल निधि की कुल वित्तीय आवश्यकता को निम्न तालिका में संक्षिप्त रूप से दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

2016-17 के लिए मांग संख्या 86	बजट अनुमान 2016-17		
	योजना	**गैर-योजना**	**योग**
राजस्व खंड	15.00	70.62	*85.62*
पूंजी खंड	0.00	0.00	*0.00*
कुल (सकल)	**15.00**	**70.62**	***85.62***

2 वास्तविक व्यय: वर्ष 2013-14 से 2015-16 (दिसम्बर, 2015 तक)

पूर्व तीन वर्षो के दौरान संबंधित वर्षो के बजट अनुमान और संशोधित अनुमान की तुलना में मंत्रालय के अनुदान के अन्तर्गत वास्तविक योजना और गैर योजना व्यय (सकल) का सार नीचे दिया गया है:

(करोड़ रूपए)

वर्ष	बजट अनुमान			संशोधित अनुमान			वास्तविक व्यय		
	गैर-योजना	**योजना**	**योग**	**गैर-योजना**	**योजना**	**योग**	**गैर-योजना**	**योजना**	**योग**
2015-16	73.13	15.00	88.13	23.48	15.00	38.48	16.82	8.55	25.37*
2014-15	72.92	20.00	92.92	71.10	7.00	78.10	64.09	2.03	66.12
2013-14	72.97	46.00	118.97	70.46	8.00	78.46	70.02	8.00	78.02

*** दिसम्बर, 2015 तक**

3 गैर - योजना व्यय

3.1 वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान एवं संशोधित अनुमान) में सचिवालय विशेष, विकास आयुक्त, लोहा एवं इस्पात (डी सी आई एंड एस), कोलकाता और इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पी.एस.यू.) समेत इस्पात मंत्रालय के गैर योजना प्रावधान तथा वर्ष 2016-17 (बजट अनुमान) में निधि की आवश्यकताओं का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

सं.	मुख्य शीर्ष एवं व्यय की मदें	बजट अनुमान 2015-16	संशोधित अनुमान 2015-16	बजट अनुमान 2015-16 की तुलना में संशोधित अनुमान में % वृद्धि/ कमी	बजट अनुमान 2016-17	बजट अनुमान 2015-16 की तुलना में % वृद्धि/ कमी
I.	<u>मुख्य शीर्ष - 3451</u>					
1.	सचिवालय - आर्थिक सेवाएं	23.35	22.99	*-1.54%*	26.06	*11.61%*
II.	मुख्य शीर्ष - 2852					
2.	विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात, कोलकाता	0.23	0.23	*0.00%*	0.25	*8.70%*
3.	प्रतिष्ठित धातुकर्मियों को पुरस्कार	0.26	0.26	*0.00%*	0.26	*0.00%*
4.	**<u>ब्याज इमदाद:</u>**					
(i)	वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान हेतु हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. को इमदाद	44.11	0.00	*-100.00%*	44.05	*-0.14%*
5.	गारंटी शुल्क माफ करना (गैर-नकद संव्यवहार)					
(i)	एचएससीएल - नकद साख (सी सी) सीमा, बैंक गारंटी (बीजी) और वीआरएस ऋणों के लिए सरकारी गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क माफ करना।	5.18	0.00	*-100.00%*	0.00	*-100.00%*
	धटाएं- निवल प्राप्तियां [5(i) से (ii) *]#*	*-5.18*	*0.00*	*-100.00%*	*0.00*	*-100.00%*
	योग: गैर-योजना व्यय (प्राप्तियों को हटाकर)	**67.95**	**23.48**	**-65.45%**	**70.62**	**3.93%**
	योग: गैर-योजना व्यय (सकल)	**73.13**	**23.48**	**-67.89%**	**70.62**	**-3.42%**

3.2 बजट अनुमान 2015-16 में 73.13 करोड़ रू. के गैर योजना प्रावधान की तुलना में वर्ष 2016-17 का बजट अनुमान प्रावधान 70.62 करोड़ रू. है।

4. योजना व्यय

4.1 लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन की स्कीम हेतु बजट अनुमान 2016-17 में योजना परिव्यय के लिए 15.00 करोड़ रूपये की सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का प्रावधान किया गया है, । वित्तीय वर्ष 2015-16 तक योजना प्रावधान को तीन उप शीर्षो में रखा गया था लेकिन वर्ष 2016-17 से स्कीमों का यौक्तिकरण किया गया है और समस्त धन राशि को एक उप शीर्ष के अतर्गत रखा गया।

4.2 बजट अनुमान 2015-16 में 15.00 करोड़ रू. की कुल योजना बजटीय सहायता में संशोधित अनुमान 2015-16 में कोई परिवर्तन नही किया गया । उक्त आर एंड डी स्कीम के लिए बजट अनुमान 2016-17 में 15.00 करोड़ रूपये की सकल योजना बजटीय सहायता प्रदान की गई है। वर्ष 2015-16 के योजना प्रावधान का ब्यौरा निम्न तालिका में दिया गया है:

<u>योजना व्यय</u>

(*करोड़ रूपए*)

सं.	स्कीम का नाम	2015-16 (बजट अनुमान)	2015-16 (संशोधित अनुमान)
1.	मंत्रालय की स्कीम: लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एण्ड डी को प्रोत्साहन		
1 (i)	जारी आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	0.00
1 (ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	1.00	1.00
1(iii)	विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजना	14.00	14.00
	योग	**15.00**	**15.00**

5. आर एंड डी स्कीम का सार

5.1 11वीं योजना (2007-12) के लिए इस्पात उद्योग संबंधी कार्यदल की सिफारिशों के आधार पर 11वीं पंचवर्षीय योजना में 118.00 करोड़ रू. के परिव्यय के साथ 'लोहा और इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी के प्रोत्साहन हेतु योजना' नामक एक नई योजना को शामिल किया गया था । इस योजना का उद्देश्य भारतीय लौह अयस्क चूर्ण और अकोककर कोयले का उपयोग करने वाली नवीन/पाथ ब्रेकिंग टेक्नालॉजी को विकसित करने में आर एंड डी कार्यों को प्रोत्साहित करना तथा इनमें तेजी लाना, इंडक्शन फर्नेस रूट के जरिए उत्पादित इस्पात की गुणवत्ता में सुधार करना तथा लौह अयस्क, कोयला आदि जैसी कच्ची सामग्री का बेनिफिसिएशन और सम्मिश्रण (जैसे पैलेटाइजेशन) करना है। इस योजना को वित्तीय वर्ष 2009-10 से (दिनांक 01.04.2009 से) कार्यान्वित करने के लिए दिनांक 23.1.2009 को अनुमोदन प्रदान किया गया था।

5.2 स्कीम को 200.00 करोड़ रूपये की आवंटन के साथ 12वीं पंचवर्षीय के साथ जारी रखा गया था। 12वीं पंचवर्षीय योजना में निम्नलिखित अतिरिक्त उद्देश्यों को शामिल करने के लिए स्कीम को संशोधित किया गया था:-

(i) सीआरजीओ और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों के विकास पर कार्रवाई करना।

(ii) लोहा और इस्पात क्षेत्र हेतु राष्ट्रीय महत्व की अन्य परियोजनाओं पर कार्रवाई करना।

5.3 वित्तीय वर्ष 2015-16 तक योजना प्रावधान को तीन उप शीर्षो में रखा गया था नामशः (i) लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना- चल रही आर एंड डी परियोजनाएं (ii) कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास, और (iii) लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजना)। वित्तीय वर्ष 2016-17 से स्कीमों का यौक्तिकरण किया गया है और यह निर्णय लिया गया है कि समस्त प्रावधान को एक उप शीर्ष अर्थात लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन के अतर्गत रखा जाएं।

5.4 स्कीम के तहत योजना निधि आबंटन और जारी की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(करोड़ रूपए)

अवधि	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक
2011-12	39.00	29.00	9.63
2012-13	46.00	26.49	24.89
2013-14	46.00	8.00	8.00
2014-15	20.00	7.00	2.03
2015-16	15.00	15.00	8.55*

* दिसम्बर, 2015 तक

6. वर्ष 2016-17 (बजट अनुमान) के लिए वार्षिक योजना परिव्यय

6.1 वित्त मंत्रालय के साथ हुए विचार-विमर्श तथा 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) को समग्र रूप से ध्यान में रखते हुए उन्हें दी गई सूचना के आधार पर इस्पात मंत्रालय के लिए वर्ष 2016-17 (बजट अनुमान) हेतु योजना परिव्यय निम्नलिखित है:-

(करोड़ रूपए)

		वास्तविक 2014-15	बजट अनुमान 2015-16	संशोधित अनुमान 2015-16	बजट अनुमान 2016-17
क)	सकल बजटीय सहायता जीबीएस का ईएपी घटक	2.03 0.00	15.00 0.00	15.00 0.00	15.00 0.00
ख)	आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आई एंड ईबीआर)	11743.71	13070.47	11869.05	12308.53
	योग	***11745.74***	***13085.47***	***11884.05***	***12323.53***

6.2 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यूज) का योजना परिव्यय :-

(करोड़ रूपए)

क्र. सं.	पीएसयूज/ संगठन का नाम	बजट अनुमान 2015-16			संशोधित अनुमान 2015-16			बजट अनुमान 2016-17		
		आईईबीआर	बीएस	परिव्यय	आईईबीआर	बीएस	परिव्यय	आईईबीआर	बीएस	परिव्यय
क.	केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें									
1	सेल	7500.00	0.00	7500.00	6500.00	0.00	6500.00	6000.00	0.00	6000.00
2	आरआईएनएल #	1801.00	0.00	1801.00*	1428.98	0.00	1428.98**	1678.00	0.00	1678.00***
3	एचएससीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन लिमिटेड	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00
5	एमएसटीसी लिमिटेड	10.00	0.00	10.00	5.00	0.00	5.00	10.00	0.00	10.00
6	एफएसएनएल $	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00
7	एनएमडीसी लिमिटेड	3588.00	0.00	3588.00	3787.00	0.00	3787.00	3964.00	0.00	3964.00
8	केआईओसीएल लिमिटेड	27.00	0.00	27.00	3.00	0.00	3.00	500.00	0.00	500.00
9	मॉयल लिमिटेड	127.47	0.00	127.47	128.07	0.00	128.07	139.53	0.00	139.53
10	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना								15.00	15.00
10(i)	चल रही आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	0.00	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	0.00	0.00	0.00
10(iii)	लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजना)	0.00	14.00	14.00	0.00	14.00	14.00	0.00	0.00	0.00
	योग – क	**13070.47**	**15.00**	**13085.47**	**11869.50**	**15.00**	**11884.50**	**12308.53**	**15.00**	**12323.53**
ख.	केंद्र द्वारा प्रायोजित परियोजनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग – ख	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
	सकल योग-क + ख	**13070.47**	**15.00**	**13085.47**	**11869.50**	**15.00**	**11884.50**	**12308.53**	**15.00**	**12323.53**

\# ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक थी जो कि अब आरआईएनएल की सहायक पीएसयू बन गई हैं और इनके आंकड़े आरआईएनएल के साथ सम्मिलित हैं।(*बीई 2015-16 आरआईएनएल-**1402.00+** ओएमडीसी- 3**99.00=1801**.00) (**आरई- 2015-16: आरआईएनएल - 1402.00**+** ओएमडीसी **–** 26.98 **=** 1428.98) और (***बीई 2016-17: **2016-17** आरआईएनएल-**1350.00+** ओएमडीसी-328.00=1678.00)

$ एफएसएनएल, एमएसटीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी है।

6.3 इस्पात मंत्रालय का वर्ष 2016-17 (बजट अनुमान) का योजना परिव्यय 12323.53 करोड़ रूपए है जिसका वित्त पोषण 15.00 करोड़ रूपए की अनुमोदित सकल बजटीय सहायता और 12308.53 करोड़ रूपए की आईईबीआर से किया जाएगा।

6.4. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की विभिन्न स्कीमों के लिए बजट अनुमान 2016-17 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम-वार प्रदान किए गए परिव्ययों का संक्षेप में विवरण नीचे दिया गया है:-

(i) वार्षिक योजना 2016-17 (ब.अ.) में 12308.53 **करोड़ रूपये** के कुल परिव्यय में से **6000.00 करोड़ रूपये स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)** को विभिन्न चल रही और नई स्कीमों/परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्यों के लिए प्रदान किए गए हैं।

(ii) **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड** के लिए ***1678.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से अधिकांश भाग को आरआईएनएल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु निश्चित किया गया है। शेष परिव्यय एएमआर स्कीमों के लिए है। आरआईएनएल के परिव्यय में सहायक कंपनियों यथा ओएमडीसी लिमिटेड जो कि तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के घटक हैं, का परिव्यय भी शामिल है।

(iii) **एनएमडीसी लिमिटेड** के लिए नागरनार, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता के इस्पात संयंत्र हेतु ***3964.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। शेष परिव्यय एएमआर/टाउनशिप, तथा अनुसंधान एवं विकास स्कीमों के लिए किया गया है।

(iv) **केआईओसीएल लिमिटेड के लिए 500*.00 करोड़ रू.* के परिव्यय का प्रावधान** (i) कर्नाटक राज्य में देवदारी लौह अयस्क डिपॉजिट का विकास और ब्लास्ट फर्नेस में फार्वर्डिंग इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट इत्यादि, (ii) लौह अयस्क डिपॉजिट के पैलेट प्लांट परियोजना विकास और सलरी पाइप लाइन की स्थापना हेतु आन्ध्र प्रदेश सरकार के नियंत्रणाधीन राज्य के स्वामित्व वाली पीएसयू एपीएमडीसी के साथ एनएमडीसी और आरआईएनएल की इक्विटी भागीदारी, और (iii) बिल्ट, ऑन एंड ऑपरेट (बीओओ) आधार पर बोकारो स्टील संयंत्र, सेल में 1.5 एमटीपीए पैलेट संयंत्र की स्थापना के लिए किया गया है!

(v) बालाघाट, चिकला, कन्द्री, उकवा, मुनसर और गुमगांव खानों में वर्टिकल शॉफ्ट की सिंकिंग/डीपनिंग करने, सेल और आरआईएनएल के साथ फैरो /सिलिको मैंगनीज प्लांट के लिए संयुक्त उद्यम में निवेश करने, नए क्षेत्रों का विकास एवं भूमि अधिग्रहण, पूर्वेक्षणी एवं अन्वेषण सहित वन एवं पर्यावरण की स्वीकृति तथा एएमआर स्कीमों, टाउनशिप, अनुसंधान और विकास/व्यवहार्यता अध्ययनों आदि के लिए 139.52 करोड़ रूपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। समस्त परिव्यय को कंपनी के आईईबीआर से पूरा किया जाएगा।

(vi) **मेकॉन लिमिटेड** के लिए ***5.00 करोड़ रूपए*** का परिव्यय विभिन्न स्थानों पर कार्यालय स्थान/अतिथि गृह के विस्तार, आधुनिकीकरण और उसे बढ़ाने के लिए प्रदान किया गया है।

(vii) **एमएसटीसी लिमिटेड** के लिए **10.00** ***करोड़ रू.*** का परिव्यय श्रेडिंग प्लांट की स्थापना के लिए प्रदान किया गया है जिसे आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

(viii) **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड** के लिए ***12.00 करोड़ रू.*** के परिव्यय का प्रावधान एएमआर स्कीमों के लिए किया गया है।

7. <u>12वीं पंचवर्षीय योजना में सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का वर्ष-वार विश्लेषण</u>

7.1 12वीं योजना (2012-17) के लिए 200.00 करोड़ रूपए की सकल बजटीय सहायता का स्कीम-वार ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:-

मंत्रालय की स्कीम: लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी को प्रोत्साहन

(करोड़ रूपए)

सं.	स्कीम का नाम	12वीं योजना (2012-17)	2013-14		2014-15		2015-16		2016-17
			बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	बजट अनुमान
	लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढावा देने की योजना								**15.00**
1(i)	जारी आर एंड डी परियोजनाओं	32.87	12.00	8.00	6.00	0.00	6.00	0.00	--
1(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	150.00	32.00	0.00	12.00	0.50	1.00	1.00	--
1(iii)	लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास – (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)	17.13	2.00	0.00	2.00	6.50	14.00	14.00	--
	योग	**200.00**	**46.00**	**8.00**	**20.00**	**7.00**	**15.00**	**15.00**	**15.00**

7.2 बजट अनुमान 2015-16 में 15.00 करोड़ रूपये का आवंटन किया गया था, जिस पर संशोधित चरण में कोई परिवर्तन नही किया गया है । बजट अनुमान 2016-17 में सकल योजना बजटीय सहायता के रूप में 15.00 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है।

8. वर्ष 2015-16 के दौरान योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय वर्ष 2015-16 के दौरान (दिसम्बर, 2015 तक) योजना परिव्यय और वास्तविक व्यय

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान योजना आयोग ने 13085.47 करोड़ रूपए (आईईबीआर के रूप में 13070.47 करोड़ रूपए और जीबीएस के रूप में 15.00 करोड़ रूपए) का परिव्यय अनुमोदित किया है। वर्ष 2015-16 (बजट अनुमान) के लिए अनुमोदित परिव्यय और दिसम्बर, 2015 तक के वास्तविक व्यय के स्रोत-वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:-

(करोड़ रुपए)

सं.	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम	2015-16 (बजट अनुमान)			2015-16 (संशोधित अनुमान)			2015-16 वास्तविक व्यय (दिसम्बर, 2015 तक)		
		आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल	आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल	आईएंडईबीआर	बी.एस.	कुल
क	**केंद्र क्षेत्र की स्कीम**									
1	सेल	7500.00	0.00	7500.00	6500.00	0.00	6500.00	4483.00	0.00	4483.00
2	आरआईएनएल^	1801.00	0.00	1801.00*	1428.98	0.00	1428.98**	1048.98	0.00	1048.98***
3	एचएससीएल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	मेकॉन लिमिटेड	5.00	0.00	5.00	5.00	0.00	5.00	7.19	0.00	7.19
5	एमएसटीसी लिमिटेड	10.00	0.00	10.00	5.00	0.00	5.00	25.39	0.00	25.39
6	एफएसएनएल लिमिटेड	12.00	0.00	12.00	12.00	0.00	12.00	5.04	0.00	5.04
7	एनएमडीसी लिमिटेड	3588.00	0.00	3588.00	3787.00	0.00	3787.00	2736.00	0.00	2736.00
8	केआईओसीएल लिमिटेड	27.00	0.00	27.00	3.00	0.00	3.00	0.23	0.00	0.23
9	मॉयल लिमिटेड	127.47	0.00	127.47	128.07	0.00	128.07	67.81	0.00	67.81
ख	**केंद्र द्वारा प्रायोजित स्कीम**									
10	लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी की प्रोत्साहन स्कीम									
10(i)	चल रही आर एंड डी परियोजनाएं	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	--	0.00	0.00
10(ii)	कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित नए स्टील उत्पादों (नए घटक) के संबंध में प्रौद्योगिकी का विकास	--	1.00	1.00	0.00	1.00	1.00	--	0.00	0.00
10(iii)	लोहा/इस्पात निर्माण की नई प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास – (विद्यमान स्कीम के तहत नई परियोजनाएं)	--	14.00	14.00	0.00	14.00	14.00	--	8.55	8.55
	सकल योग (क + ख)	**13070.47**	**15.00**	**13085.47**	**11869.05**	**15.00**	**11884.05**	**8373.64**	**8.55**	**8382.19**

^ओएमडीसी लिमिटेड और बीएसएलसी लिमिटेड तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की घटक थी जो कि अब आरआईएनएल की सहायक कंपनियां बन गई हैं और इनके आंकड़े आरआईएनएल के साथ सम्मिलित हैं। (*बीई 2015-16 आरआईएनएल-1402.00+ ओएमडीसी- 399.00=1801.00) (**आरई- 2015-16: आरआईएनएल - 1402.00+ ओएमडीसी – 26.98 = 1428.98) और (*** वास्तविक व्यय दिसम्बर, 2015 तक आरआईएनएल-1047.39+ ओएमडीसी- 1.59=1048.98)

9. बकाया समुपयोजन प्रमाण पत्रों की स्थिति

31.12.2015, की स्थितिनुसार कोई समुपयोजन प्रमाण पत्र लंबित नहीं है।

*****